राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 भारत में खास किस्म का है जातिगत भेदभाव, आरक्षण में................

रोनाल्डो के गोल की मदद से अल नासर की एएफसी चैंपियंस लीग...... 11

वर्ष : 15 | अंक : 202 | नई दिल्ली, गुरूवार, 07 नवंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

एकाधिकारवादियों की एक नई पीढ़ी ने 'ईस्ट इंडिया कंपनी' की जगह ले ली है : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि ईस्ट इंडिया कंपनी भले ही बहुत पहले खत्म हो गई हो, लेकिन उसने जो डर पैदा किया था, वह आज फिर से दिखाई देने लगा है और एकाधिकारवादियों की एक नई पीढ़ी ने उसकी जगह ले ली है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रगतिशील भारतीय व्यापार के लिए न्यू डील एक ऐसी सोच है, जिसका समय आ गया है। वर्ष 1933 से 1938 के बीच आर्थिक महामंदी से उबरने के लिए अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने न्यू डील नामक कार्य-योजना की घोषणा की थी जिसके अंतर्गत कई सामाजिक उदारवादी नीतियों को अमल में लाया गया। राहुल गांधी ने हिंदी समाचार पत्र दैनिक जागरण में लिखे एक लेख में कहा, ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत की आवाज कुचल दी थी। यह आवाज उसने अपनी व्यापारिक शक्ति से नहीं, बल्कि अपने शिकंजे से कुचली थी। उन्होंने कहा, हमने अपनी आजादी किसी दूसरे देश के हाथों नहीं गंवाई, हमने इसे एक एकाधिकारवादी निगम के हाथों खो दिया था, जो हमारे देश में दमन तंत्र को चलाता था। कंपनी ने प्रतिस्पर्धा खत्म कर दी थी। वही यह तय करने लगी थी कि कौन क्या और किसे बेच सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा, मुझे बस इतना पता है कि कंपनी ने एक क्षेत्र में अफीम की खेती पर एकाधिकार हासिल कर लिया था और दूसरे क्षेत्र में नशा करने वालों का

एक बाजार विकसित कर लिया था। जब कंपनी भारत को लूट रही थी, तब उसे ब्रिटेन में एक आदर्श कॉरपोरेट निकाय के रूप में दशार्या जा रहा था। उन्होंने दावा किया कि ईस्ट इंडिया कंपनी भले ही सैकड़ों साल पहले खत्म हो गई हो, लेकिन उसने जो डर पैदा किया था, वह आज फिर से दिखाई देने लगा है। राहुल गांधी के अनुसार, एकाधिकारवादियों की एक नई पीढ़ी ने इसकी जगह ले ली है। परिणामस्वरूप जहां भारत में हर किसी के लिए असमानता और अन्याय बढ़ता जा रहा है, वहीं यह वर्ग अकूत धन एकत्रित करने में लगा है। हमारी संस्थाएं अब हमारे लोगों की नहीं रहीं। वे एकाधिकारवादियों के आदेश मानती हैं। उन्होंने दावा किया कि आज लाखों व्यवसाय तबाह हो गए हैं और भारत युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने में असमर्थ है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, भारत माता अपने सभी बच्चों की मां है। उसके संसाधनों और शक्ति पर कुछ चुनिंदा लोगों के एकाधिकार और बहुजनों की उपेक्षा ने गहरी चोट पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि मैच-फिक्सिंग करने वाले एकाधिकार समूहों के विपरीत छोटे व्यवसायों से लेकर दिग्गज कंपनियों तक कई अद्भुत और ईमानदार भारतीय व्यवसाय हैं, लेकिन लोग चुप हैं और एक दमनकारी व्यवस्था को सहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरी राजनीति हमेशा कमजोर और बेजुबान लोगों की हिफाजत की रही है। कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति की रक्षा के बारे में महात्मा गांधी के शब्द ही मेरी प्रेरणा हैं। राहुल गांधी ने कहा, व्यापार की जिस पंक्ति में आप खड़े हैं, उसमें आप ही शोषित, वंचित हैं और इसलिए मेरी राजनीति का लक्ष्य अब आपको वह सब दिलाना है, जिससे आपको वंचित किया गया है यानी निष्पक्षता एवं समान अवसर दिलाना ।उन्होंने कहा कि सरकार को दूसरों की कीमत पर केवल एक व्यवसाय का समर्थन करने की अनुमति कतई नहीं दी जा सकती। राहुल गांधी ने कहा, ह्यह्यसरकारी एजेंसियां व्यापार पर हमला करने और डराने-धमकाने का हथियार नहीं हैं। मेरा मतलब यह नहीं कि जो डर और दबाव आप पर बनाया गया है, वह बड़े पूंजीपतियों पर ट्रांसफर किया जाए। वे बुरे लोग नहीं हैं। उन्हें भी जगह मिलनी चाहिए जैसे आपको भी मिलनी चाहिए। यह देश हम सभी के लिए है। उन्होंने यह भी कहा, मेरा मानना है कि प्रगतिशील भारतीय व्यापार के लिए न्यू डील एक ऐसी सोच है, जिसका समय आ गया है।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C
न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना	80,405
चांदी	1,1000
सेंसेक्स	80,220
निफ्टी	24,472

संक्षिप्त खबरें

मोदी ने लोक गायिका शारदा सिन्हा के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुप्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि सुप्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनके गाए मैथिली और भोजपुरी के लोकगीत पिछले कई दशकों से बेहद लोकप्रिय रहे हैं। आस्था के महापर्व छठ से जुड़े उनके सुमधुर गीतों की गूंज भी सदैव बनी रहेगी। उनका जाना संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति!

मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दी

यह 4.5 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले विद्यार्थियों को पहले से दी गई पूर्ण ब्याज छूट के अतिरिक्त है

- कुल 7.5 लाख रुपये तक की ऋण राशि पर भारत सरकार द्वारा 75 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी प्रदान की जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने केन्द्रीय क्षेत्र की एक नई योजना पीएम विद्यालक्ष्मी को मंजूरी दे दी है। इस नई योजना का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है ताकि वित्तीय बाधाएं किसी को भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने से न रोकें। पीएम विद्यालक्ष्मी राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 से निकली एक और महत्वपूर्ण पहल है, जिसने यह सिफारिश की थी कि सार्वजनिक और निजी, दोनों प्रकार के उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में विभिन्न उपायों के माध्यम से मेधावी विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थान (क्यूएचईआई) में प्रवेश लेने वाला कोई भी विद्यार्थी ट्यूशन फीस की पूरी राशि और पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य खर्चों को कवर करने हेतु बैंकों और वित्तीय संस्थानों से गिरवी मुक्त एवं गारंटर मुक्त ऋण प्राप्त करने का पात्र होगा। यह योजना एक सरल, पारदर्शी एवं विद्यार्थियों के अनुकूल प्रणाली के माध्यम से संचालित की जाएगी, जो अंतर- संचालनीय और पूरी तरह से डिजिटल होगी। यह योजना एनआईआरएफ रैंकिंग द्वारा निर्धारित देश के शीर्ष गुणवत्ता वाले उच्च शिक्षण संस्थानों में लागू होगी। इस योजना में एनआईआरएफ के समग्र, श्रेणी-विशिष्ट और डोमेन -विशिष्ट रैंकिंग में शीर्ष 100 में स्थान रखने वाले सभी एचईआई, सरकारी एवं निजी, शामिल हैं। एनआईआरएफ रैंकिंग में 101-200 में स्थान रखने वाले राज्य सरकार के उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) और केन्द्र सरकार द्वारा प्रशासित सभी संस्थानों को इसमें शामिल किया गया है। इस सूची को एनआईआरएफ के नवीनतम रैंकिंग का उपयोग करके हर वर्ष अद्यतन किया जाएगा और शुरूआत 860 योग्य क्यूएचईआई से होगी, जिसमें 22 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे जो अपनी इच्छानुसार संभावित रूप से पीएम-विद्यालक्ष्मी का लाभ उठा सकेंगे। कुल 7.5 लाख रुपये तक की ऋण राशि के लिए, विद्यार्थी बकाया डिफॉल्ट के 75 प्रतिशत की क्रेडिट गारंटी के भी पात्र होंगे। इससे बैंकों को इस योजना के तहत विद्यार्थियों को शिक्षा ऋण उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। उपरोक्त सुविधाओं के अलावा, जिन विद्यार्थियों की वार्षिक पारिवारिक आय 8 लाख रुपये तक है और वे किसी अन्य सरकारी छात्रवृत्ति या ब्याज छूट योजनाओं के तहत लाभ के पात्र नहीं हैं, उन्हें 10 लाख रुपये तक के ऋण पर अधिस्थगन अवधि के दौरान 3 प्रतिशत की ब्याज छूट भी प्रदान की जाएगी। हर वर्ष एक लाख विद्यार्थियों को ब्याज छूट सहायता दी जाएगी। उन विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी जो सरकारी संस्थानों में अध्ययनरत हैं और जिन्होंने तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का विकल्प चुना है। वर्ष 2024-25 से 2030-31 के दौरान 3,600 करोड़ रुपये के परिव्यय का प्रावधान किया गया है और इस अवधि के दौरान 7 लाख नए छात्रों को इस ब्याज छूट का लाभ मिलने की उम्मीद है। उच्च शिक्षा विभाग के पास एक एकीकृत पोर्टल ह्लपीएम-विद्यालक्ष्मीह्व उपलब्ध होगा, जिस पर विद्यार्थी सभी बैंकों द्वारा उपयोग की जाने वाली सरलीकृत आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षा ऋण के साथ-साथ ब्याज छूट के लिए आवेदन कर सकेंगे। ब्याज छूट का भुगतान ई-वाउचर और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) वॉलेट के माध्यम से किया जाएगा। पीएम विद्यालक्ष्मी देश के युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को अधिकतम सुलभ बनाने हेतु शिक्षा एवं वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में पिछले एक दशक में भारत सरकार द्वारा की गई विभिन पहलों के दायरे एवं सुलभता को आगे बढ़ाएगी। यह योजना उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही पीएम-यूएसपी की दो घटक योजनाओं, केन्द्रीय क्षेत्र ब्याज सब्सिडी (सीएसआईएस) और शिक्षा ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी फंड योजना (सीजीएफएसईएल) की पूरक होगी। पीएम-यूएसपी सीएसआईएस के तहत, 4.5 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले और स्वीकृत संस्थानों में तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण के लिए अधिस्थगन अवधि के दौरान पूर्ण ब्याज छूट मिलती है। इस प्रकार, पीएम विद्यालक्ष्मी और पीएम-यूएसपी मिलकर सभी योग्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एचईआई में उच्च शिक्षा और स्वीकृत एचईआई में तकनीकी/व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए समग्र सहायता प्रदान करेंगी।

अनुच्छे 370 के तहत विशेष दर्जा की बहाली को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने पारित किया प्रस्ताव

श्रीनगर, एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने बुधवार को प्रदेश का विशेष दर्जा बहाल करने को लेकर प्रस्ताव पारित किया। केंद्र शासित प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर सिंह चौधरी ने बुधवार को विधानसभा में जम्मू-कश्मीर से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जा बहाली का प्रस्ताव पेश किया और स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने प्रस्ताव का समर्थन किया। जैसे ही यह प्रस्ताव सदन में पेश हुआ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों ने विरोध करते हुए कहा कि यह आज सदन के कामकाज में शामिल नहीं है। हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। उल्लेखनीय है कि पांच साल पहले भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त और जम्मू- कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में विभाजित कर दिया था। इस कदम को कानूनी रूप से चुनौती दी गई थी और पिछले साल दिसंबर में उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 370 को ह्यअस्थायीह्व प्रावधान मानते हुए निरस्तीकरण को बरकरार रखा। प्रस्ताव के मुताबिक विधानसभा प्रदेश के विशेष दर्जे और संवैधानिक गारंटी के महत्व की पुष्टि करती है, जो जम्मू- कश्मीर के लोगों की पहचान, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा करती है और उनके एकतरफा हटाने पर चिंता व्यक्त करती है। यह विधानसभा भारत सरकार से विशेष दर्जा, संवैधानिक गारंटी की बहाली के लिए जम्मू- कश्मीर के लोगों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ बातचीत शुरू करने और इन प्रावधानों को बहाल करने के लिए संवैधानिक तंत्र तैयार करने का आह्वान करती है। यह विधानसभा इस बात पर जोर देती है कि विशेष दर्जा की बहाली की किसी भी प्रक्रिया मेंराष्ट्रीय एकता और जम्मू- कश्मीर के लोगों की वैध आकांक्षाओं दोनों की रक्षा करनी चाहिए।

सवैधानिक मूल्यों को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी : प्रियंका

वायनाड, एजेंसी

वायनाड (केरल)। केरल की वायनाड लोकसभा सीट से यूडीएफ गठबंधन की प्रत्याशी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके नेता नरेन्द्र मोदी संविधान के समानता, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रियंका ने दावा किया कि भाजपा के पिछले 10 साल के शासन में देश में विभाजन की राजनीति देखने को मिली है जहां सत्तारूढ़ दल ने सत्ता में बने रहने के लिए जनता का ध्यान उनकी वास्तविक समस्याओं से हटाने का प्रयास किया। मलप्पुरम जिले की वानदूर विधानसभा में चेरूकोडे में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि जब ऐसे लोग राजनीति में शक्तिशाली हो जाते हैं तो लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्याओं के समाधान पर ध्यान नहीं रहता। कांग्रेस नेता ने वायनाड लोकसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए अपने पांच दिवसीय प्रचार अभियान के चौथे दिन आरोप लगाया कि भाजपा के शासन में देश में किसानों या मध्यम एवं लघु उद्यमों के लिए कोई समर्थन प्रणाली नहीं है। उन्होंने कहा कि छोटे और मझोले उद्योग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी होते हैं और बड़ी संख्या में रोजगार प्रदान करते हैं, लेकिन उन्हें किसानों की तरह ही समर्थन की जरूरत है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि वायनाड में मसालों जैसे उच्च गुणवत्ता के कृषि उत्पादों की पैदावार होती है, लेकिन किसानों को खेती में कोई भविष्य नजर नहीं आता और छात्र एवं अन्य लोग बेहतर रोजगार अवसरों तथा उच्च शिक्षा की तलाश में विदेश चले जाते हैं। उन्होंने पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे विषय भी उठाए। प्रियंका गांधी ने कहा कि वह एक योद्धा हैं और अगर उन्हें मौका मिला तो वह वायनाड के लोगों के लिए संसद और हर दूसरे मंच पर लड़ेंगी ताकि उनके मुद्दों का समाधान निकल सके। उन्होंने कहा, मैं पीछे नहीं हटूंगी। मैं आपके लिए लड़ूंगी। मैं आपको निराश नहीं करूंगी। अब हम एक परिवार हैं। प्रियंका चेरूकोडे के अलावा वनदूर विधानसभा क्षेत्र के थुवूर और कालिकावू कस्बों में और निलाम्बुर विधानसभा के पूकोट्टूमपदम में भी नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करेंगी। अपने राजनीतिक जीवन में पहली बार चुनाव लड़ रहीं प्रियंका गांधी वाद्रा सात नवंबर तक केरल में रहेंगी। वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवंबर को होगा। वायनाड सीट के लिए उपचुनाव इसलिए जरूरी हो गया था क्योंकि वायनाड और रायबरेली दोनों जगहों से लोकसभा चुनाव जीतने वाले राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड़ने का फैसला किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की ऐतिहासिक जीत

वॉशिंगटन, एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। ट्रंप ने अपनी प्रतिद्वन्द्वी कमला हैरिस को पछाड़ते हुए जीत के लिए जरूरी 270 इलेक्टोरल वोट के आंकड़े को पार कर लिया है। ट्रंप 2016 में चुनाव जीते थे और 2020 में हार के बाद अब 2024 जीते हैं। ऐसा 132 साल बाद हुआ जब अमेरिका में कोई व्यक्ति दूसरी बार प्रेसीडेंट बना है लेकिन उसने चुनाव लगातार नहीं जीता है। इससे पहले ग्रोवर क्लीवलैंड 1884 में और फिर 1892 में राष्ट्रपति बने थे। ग्रोवर के बाद अब ट्रंप दो गैर-लगातार कार्यकाल वाले राष्ट्रपति होंगे। कस्बाई इलाकों में कमजोर पड़े डेमोक्रेट्स : ग्रामीण इलाकों में ट्रंप ने शानदार प्रदर्शन किया। ऐसे में इस फासले को पाटने के लिए मार्जिन डेमोक्रेटिक कमला हैरिस को शहरी केंद्रों के साथ-साथ आसपास के उपनगरों में भी बड़ी बढ़त हासिल करनी थी। 2016 से ही ये उपनगरीय इलाकों में डेमोक्रेट्स को बढ़त मिलती रही है लेकिन अपेक्षित भारी बढ़त हैरिस को इन इलाकों में नहीं मिल पाई। कई इलाकों में तो हैरिस का अंतर जो बाइडन से भी कम रहा। हैरिस की हार और ट्रंप की जीत का तीसरा कारण विशेष रूप से लैटिन मतदाताओं के बीच डेमोक्रेटिक पार्टी समर्थन कम होना रहा है। ट्रंप को गैर-श्वेत मतदाताओं का भी समर्थन मिला है। खासतौर से बड़ी लैटिन आबादी वाले स्थानों से कुछ नाटकीय बदलाव दिखे हैं। इसका बड़ा उदाहरण मियामी-डेड काउंटी मे देखने को मिला है। एक बड़ी क्यूबा अमेरिकी आबादी वाला ये इलाका डेमोक्रेट का गढ़ था। यहां पर ट्रंप ने दोहरे अंकों में जीत हासिल की है। यह पल अमेरिका को उबारने में मददगार होगा : ट्रंप वेस्ट पाम बीच। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन खेमे को अभूतपूर्व जनादेश देने के लिए उनका आभार जताया और कहा कि यह पल देश को उबरने में मदद करेगा। ट्रंप ने कहा, अमेरिका ने हमें अभूतपूर्व और शक्तिशाली जनादेश दिया है। हमारे पास सीनेट का नियंत्रण वापस आ गया है। वाह, कितनी अच्छी बात है। उन्होंने कहा, इस पल से देश को उबारने में मदद मिलेगी। ट्रंप ने कहा, मोंटाना, नेवादा, टेक्सास, ओहायो, मिशिगन, विस्कॉन्सिन, पेंसिल्वेनिया में सीनेट की दौड़ में एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) अभियान ने जीत हासिल की है जिससे बहुत मदद मिली है। उन्होंने कहा, सीनेट में सीट की संख्या वाकई अविश्वसनीय है। ट्रंप ने कहा, मैं आखिरी सांस तक आपके लिए लड़ूंगा और अमेरिका को एक मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र बनाने तक चैन से नहीं बैठूंगा।

पीएम मोदी ने ट्रंप को दी जीत की बधाई

राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत तय होने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप को बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि मेरे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप को ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका संबंधों और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग की आशा करता हूं। आइए हम सब मिलकर अपने लोगों की बेहतरी के लिए काम करें और वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा दें।

श्रद्धांजलि मुख्यमंत्री ने बिहार कोकिला को पुष्पचक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि..............

शारदा सिन्हा का पार्थिव शरीर पहुंचा पटना, नम आंखों से दी जा रही अंतिम विदाई

पटना, एजेंसी

पटना। बिहार कोकिला शारदा सिन्हा का पार्थिव शव बुधवार को पटना पहुंचा। वहां से अंतिम दर्शन के लिए उनके पार्थिव शरीर को आवास पर ले जाया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पद्मश्री एवं पद्म भूषण से सम्मानित बिहार कोकिला स्व शारदा सिन्हा के राजेंद्र नगर स्थित आवास जाकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प-चक्र अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और सांत्वना दी। इस दौरान जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी तथा सांसद संजय कुमार झा मौजूद थे। इससे पहले पटना एयरपोर्ट पर डिप्टी सीएम के साथ ही बिहार के कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धाजंली दी। वहीं, शारदा सिन्हा के

बेटे अंशुमन ने बताया कि उनकी माँ का अंतिम संस्कार 7 नवंबर को होगा। उनके निधन से संगीत के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति :

वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार कोकिला, पद्म श्री एवं पद्म भूषण से सम्मानित शारदा सिन्हा के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि बिहार कोकिला शारदा सिन्हा मशहूर लोक गायिका थी। उन्होंने मैथिली, बज्जिका, भोजपुरी के अलावे हिन्दी गीत भी गाये थे। उन्होंने कई हिन्दी फिल्मों में भी अपनी मधुर आवाज दी थी। संगीत जगत में उनके योगदान के लिए भारत सरकार ने 1991 में पद्मश्री और 2018 में पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया था। स्व शारदा सिन्हा के छठ महापर्व पर सुरीली आवाज में गाए मधुर गाने बिहार और उत्तर प्रदेश समेत देश के सभी भागों में गूंजा करते हैं। उनके निधन से संगीत के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने स्व शारदा सिन्हा की आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों, प्रशंसकों एवं अनुयाइयों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

राजकीय सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार : नीतीश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घोषणा की है कि बिहार कोकिला, पद्म श्री एवं पद्म भूषण से सम्मानित स्व शारदा सिन्हा का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ होगा। मुख्यमंत्री ने स्व शारदा सिन्हा के निधन की सूचना मिलते ही स्थानिक आयुक्त नई दिल्ली को स्व शारदा सिन्हा जी के परिवार के सदस्यों से समन्वय स्थापित कर उनका पार्थिव शरीर वायुयान से पटना भेजने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी पटना को निर्देश दिया है कि राजकीय सम्मान के साथ स्व शारदा सिन्हा के अंतिम संस्कार हेतु सभी आवश्यक व्यवस्था ससमय सुनिश्चित करेंगे।

डेपसांग में गश्त को लेकर किसी तरह की बाधा नहीं : सेना

नई दिल्ली, एजेंसी

सेना ने बुधवार को स्पष्ट किया कि भारत और चीन के सैनिक पूर्वी लद्दाख के डेपसांग में गश्त के बारे में बनी आम सहमति का पालन कर रहे हैं और किसी भी पक्ष की ओर से इसमें बाधा उत्पन्न नहीं की जा रही है। सेना ने एक अंग्रेजी दैनिक में ह्य डेपसांग में गश्त बहाल करने पर बातचीत बाधित हुई शीर्षक से प्रकाशित समाचार पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि गत 21 अक्टूबर को बनी सर्वसम्मति के आधार पर, दोनों पक्षों ने प्रभावी ढंग से सैनिकों को पीछे हटाया है । भारतीय पक्ष ने अपने पारंपरिक गश्त वाले क्षेत्रों में गश्त फिर से शुरू कर दी है। दोनों पक्ष आम सहमति का पालन कर रहे हैं और किसी भी पक्ष द्वारा कोई बाधा उत्पन्न नहीं की गई है। सेना ने कहा है कि यह स्पष्ट किया जाता है कि इस अंग्रेजी दैनिक में बुधवार को प्रकाशित लेख काल्पनिक और तथ्यों से परे है। सेना ने मीडिया से अनुरोध किया है कि वह ऐसे संवेदनशील लेख प्रकाशित करने से पहले तथ्यों को सत्यापित कर लें। उल्लेखनीय है की अंग्रेजी दैनिक में प्रकाशित खबर में कहा गया है कि गश्त के तौर तरीकों को लेकर भारत और चीन के सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत में गतिरोध उत्पन्न हो गया है। उल्लेखनीय है कि भारत और चीन के बीच करीब साढ़े चार वर्षों के गतिरोध के बाद 21 अक्टूबर को गश्त व्यवस्था को लेकर आम सहमति बनी थी, जिसके बाद दोनों पक्षों ने अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटाया था और डेपसांग तथा डेमचोक दोनों क्षेत्रों में अगस्त शुरू हो गई थी।

संक्षिप्त समाचार

युवती की अश्लील तस्वीरें की सोशल मीडिया पर वायरल, समुदाय विशेष के युवक के खिलाफ़ मुकदमा दर्ज

पौड़ी (श्रीनगर) , एजेंसी। समुदाय विशेष के युवक ने युवती की अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल कर दी, जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।
जनपद पौड़ी के थाना क्षेत्र पैठाणी में एक युवती की अश्लील तस्वीरें वायरल करने के आरोपी समुदाय विशेष के युवक पर आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। युवती के जीजा की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की धरपकड़ तेज कर दी है। थानाध्यक्ष पैठाणी सुनील रावत ने बताया कि क्षेत्र में नाई का कार्य करने वाले एक युवक ने क्षेत्र की एक युवती की अश्लील तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल की है। आरोपी विशेष समुदाय का है। पीड़िता के जीजा की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी फरार चल रहा है।

अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे मकान की छत जा गिरा ट्रक, हादसे में चालक की मौत

उत्तरकाशी, एजेंसी। चालक का शव ट्रक की बॉडी के अंदर ही फंसा हुआ है। सूचना पर पहुंची ब्रह्मखाल चौकी पुलिस और एसडीआरएफ की टीम शव को बाहर निकालने का प्रयास कर रही है। उत्तरकाशी में मंगलवार देर रात गेंवला जसपुर गांव के पास एक ट्रक सड़क से नीचे एक मकान की छत पर जा गिरा। हादसे में ट्रक चालक मुकेश सिंह भंडारी(40) पुत्र श्री इलम सिंह भंडारी निवासी मालना (ठीकरा बुटीयारा) जिला उत्तरकाशी की मौके पर ही मौत हो गई। चालक का शव ट्रक की बॉडी के अंदर ही फंसा हुआ है। सूचना पर पहुंची ब्रह्मखाल चौकी पुलिस और एसडीआरएफ की टीम शव को बाहर निकालने का प्रयास कर रही है। खबर लिखे जाने तक शव को नहीं निकाला जा सका है। थानाध्यक्ष धरासू दिनेश कुमार ने चालक की मौत की पुष्टि की।

चौथा कर्नल आरसी शर्मा मेमोरियल दून सॉकर कप 10 से

देहरादून, एजेंसी। चौथे कर्नल आरसी शर्मा मेमोरियल दून सॉकर कप का आयोजन 10 से 17 नवंबर तक पवेलियन मैदान में किया जाएगा। टूर्नामेंट में विभिन्न क्लबों और आर्मी की कुल 16 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। देवभूमि स्पोर्ट्स वेलफेयर फाउंडेशन सोसाइटी की ओर से आयोजित होने वाले टूर्नामेंट नॉकआउट आधार पर खेला जाएगा। टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में आठ टीम शामिल हैं। विजेता-उपविजेता टीम को क्रमशः 40 व 30 हजार का नकद पुरस्कार और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिए जाएंगे। साथ ही टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा। सेमीफाइनल तक प्रत्येक दिन दो मैच खेले जाएंगे। 10 नवंबर को सुबह 11:30 बजे टूर्नामेंट का उद्घाटन होगा।

आठ खरीद केंद्रों पर हो चुकी है अब तक 32,500 क्विंटल धान की खरीद

देहरादून, एजेंसी। पछवादून में धान खरीद के आठ केंद्र बनाए गए हैं। किसान धान की ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर केंद्रों पर पहुंचना शुरू हो गए हैं। किसानों के लिए बनाए गए आठ खरीद केंद्रों पर अब तक 32,500 क्विंटल धान की खरीद हो चुकी है। धान के अच्छे दाम मिलने से किसान भी खुश हैं। साथ ही किसानों का भुगतान भी 15 दिनों के भीतर हो रहा है। पछवादून में बने धान के प्रत्येक खरीद केंद्र में एक दिन का खरीद का लक्ष्य 500 क्विंटल निर्धारित किया गया है। किसानों के मोटे धान का समर्थन मूल्य 2300 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है। जबकि, बारिक धान के 2320 रुपये प्रति क्विंटल दिया जा रहा है। बिक्री केंद्रों पर जिन किसानों का नंबर नहीं आ रहा है। उन्हें, अगले दिन का टोकन दिया जा रहा है। धर्मावाला में तीन हजार, जस्सोवाला में चार हजार, सहसपुर में चार हजार, सिंघनीवाला पांच और झाझरा में 3500 क्विंटल धान की अब तक खरीद हो चुकी है।

ब्याज का लालच देकर 74 महिलाओं से हड़पे 50 लाख के गहने, जनता दरबार में शिकायत लेकर पहुंची महिलाएं

नैनीताल , एजेंसी। लालकुआं क्षेत्र की कुछ महिलाओं द्वारा गांव की 74 महिलाओं से लगभग 50 लाख के जेवर हड़पने की शिकायत मंडलायुक्त दीपक रावत के जनता दरबार में पहुंची। पीड़िताओं से पूरी बात समझने के बाद आयुक्त ने मामले को गंभीरता से लिया है।

लालकुआं क्षेत्र की कुछ महिलाओं द्वारा गांव की 74 महिलाओं से लगभग 50 लाख के जेवर हड़पने की शिकायत मंडलायुक्त दीपक रावत के जनता दरबार में पहुंची। पीड़िताओं से पूरी बात समझने के बाद आयुक्त ने मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने हुए सभी पक्षों को अगली जनसुनवाई पर तलब किया है।

आयुक्त ने बताया कि जनसुनवाई में शिकायत मिली कि लालकुआं क्षेत्र की गीता, रेखा, राखी व सोनम आदि महिलाओं ने क्षेत्र की लगभग 74 महिलाओं से उनके सोने के आभूषण जमा कराए थे। उन्हें मोटा ब्याज दिलाने

का लालच दिया गया था। लगभग 50 लाख के गहने एक ज्वेलर्स के यहां गिरवी रखे गए। एवज में मिली धनराशि को ब्याज एवं प्रापर्टी आदि में लगा दिया गया। पीड़िताओं ने बताया कि अब उन्हें न तो गहने वापस किए जा रहे हैं और न ही ब्याज की धनराशि दी जा रही है। सभी पक्षों को सुनने के बाद आयुक्त ने उन्हें अगली जनसुनवाई में तलब किया।

आयुक्त ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी धनराशि का निवेश सरकारी बैंकों एवं सरकारी संस्थाओं में ही करें। अधिक लालच के चक्कर में न पड़ें। अधिक धन कमाने के लालच के कारण लोगों के साथ लाखों रुपये की धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में सभी को सचेत रहने की जरूरत है। जनसुनवाई के दौरान आयुक्त ने काशीपुर निवासी रहीम को उसके द्वारा बेची गई गाड़ी के बकाया दो लाख रुपये तुफैल से दिलवाए। वहीं महिपाल सिंह अधिकारी ने आयुक्त को बताया कि उन्होंने हल्द्वानी के बमौरी तल्ली खाम में 3600 वर्ग फुट भूमि खरीदी थी। एग्रीमेंट के हिसाब से 25 लाख की धनराशि शिव सिंह नयाल को दी। नयाल ने रजिस्ट्री नही की लेकिन 16 लाख रुपये वापस कर दिए। शेष नौ लाख वापस नहीं किए। आयुक्त ने कहा कि यदि नयाल नौ लाख रुपये वापस न करे तो उसके खिलाफ लैंड फ्रॉड एक्ट के तहत कार्रवाई होगी।

आयुक्त दीपक रावत ने बताया कि कूपी में हुए भीषण बस दुर्घटना के सभी घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने घायलों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं। कहा कि घायलों के इलाज की मॉनिटरिंग भी की जा रही है। आयुक्त ने कहा जिन परिवारों ने अपनों को खोया है और जो व्यक्ति हादसे में घायल हुए हैं, उन्हें शीघ्र ही सहायता राशि देने की कार्रवाई पौड़ी और अल्मोड़ा के जिलाधिकारी करेंगे।

जिनको चलाना नहीं आता लैपटॉप, उन्हें भी बना दिया कंप्यूटर ऑपरेटर, विकास विभाग में सामने आया मामला

हरिद्वार, एजेंसी। विभाग ने उन लोगों को कंप्यूटर ऑपरेटर बना रखा है, जिन्हें लैपटॉप चलाना ही नहीं आता। विकास विभाग में यह मामला सामने आया है।

विकास विभाग में उन लोगों को भी कंप्यूटर ऑपरेटर बना रखा है, जिन्हें लैपटॉप चलाना नहीं आता है। समीक्षा बैठक में इसका खुलासा होने पर मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) आकांक्षा कोंडे ने समीक्षा बैठक में बीडीओ के जमकर पेंच कसे। उन्हें व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। दरअसल, मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोंडे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), मनरेगा, पीएम आवास ग्रामीण, ग्रामोत्थान आदि परियोजना आदि की समीक्षा बैठक ले रही थीं। जिसमें जिले के समस्त छह ब्लॉकों के खंड विकास अधिकारियों को भी बुलाया गया था। बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए पाया कि एनआरएलएम में आउटसोर्स से रखे गए कई कंप्यूटर ऑपरेटर ऐसे हैं, जिन पर ठीक से लैपटॉप तक चलाने नहीं आते हैं, लेकिन उन्हें ब्लॉक मुख्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर बना रखा है। जिससे विकास कार्यों की योजना का डाटा एंट्री समय से ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड नहीं हो रहा है।नाराज सीडीओ ने ऐसे बीडीओ की खूब क्लास ली। कहा कि इन लोगों को कंप्यूटर ऑपरेटर रखा गया है। उन्होंने बीडीओ को ऐसे कंप्यूटर ऑपरेटन को या तो हटाने के निर्देश दिए, अथवा उन्हें कंप्यूटर ऑपरेटर को पहले ट्रेनिंग पर भेजने के लिए कहा। सीडीओ ने परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करते हुए समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि लाभार्थियों तक इन योजनाओं का लाभ शीघ्रता से पहुंचे।

सभी खंड विकास अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में चल रही योजनाओं की गहन समीक्षा करने और मासिक बैठक के माध्यम से रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया गया।

बीजेपी के संगठनात्मक चुनाव को लेकर अल्मोड़ा में कार्यशाला का आयोजन

सांसद अजय टम्टा ने की शिरकत

अल्मोड़ा, एजेंसी। बीजेपी के संगठनात्मक चुनाव के लिए बैठकों का दौर शुरू हो गया है। अल्मोड़ा में आज यानी मंगलवार को बीजेपी पार्टी कार्यालय में कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें केंद्रीय राज्य मंत्री व स्थानीय सांसद अजय टम्टा ने शिरकत की। इस कार्यशाला में बीजेपी के प्रदेश महामंत्री खिलेंद्र चौधरी भी मौजूद रहे। साथ ही तीन विधानसभाओं के कार्यकर्ताओं ने भी हिस्सा लिया।

इस बैठक के दौरान बीजेपी कार्यकर्ताओं को बूथ, मंडल व जिला स्तर की चुनाव प्रक्रिया की जानकारी दी गई। केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। हाल ही में सदस्यता अभियान पूरा हुआ है। जिसके बाद अब पार्टी संगठनात्मक चुनाव की ओर बढ़ रही है। वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने सल्ट हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि ओवरलोडिंग एक बड़ी समस्या है। बताया गया कि 42 सीटर बस में 63 लोग सवार थे। जिसकी जांच चल रही है।

केंद्रीय राज्य मंत्री टम्टा ने कहा कि सरकार परिवहन विभाग के माध्यम से पहले से पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सख्ती करती रही है। लेकिन, अब इस घटना के बाद और अधिक सख्ती की जाएगी।

भीड़ में पापा को खोज रहीं गुंजन और लक्ष्य की आंखें, पति की मौत से पत्नी बेसुध; छाया मातम

अल्मोड़ा, एजेंसी। अल्मोड़ा बस हादसे में पिता की मौत हो गई लेकिन बच्चों को इस बारे में कुछ नहीं पता है। घर में सांत्वना देने पहुंच रहे लोगों की भीड़ में बेटा-बेटी की आंखें अपने पिता को ढूंढती नजर आई।

अल्मोड़ा बस हादसे में पिता की मौत हो गई लेकिन अबोध बच्चों को पता नहीं कि उनके सिर से पापा का साया उठ गया है। घर में सांत्वना देने पहुंच रहे लोगों की भीड़ में बेटा-बेटी की आंखें अपने पिता को ढूंढती नजर आई। हादसे में पति की मौत से पत्नी भी बेसुध हैं। पीरूमदारा क्षेत्र के पार्वतीकुंज निवासी पुजारी गिरीश चंद्र ढौंडियाल की बस हादसे में मौत हो गई थी। वह मधुबन कॉलोनी निवासी यजमान देवेंद्र नेगी व वीरेंद्र सिंह के साथ बराथ गांव में पूजा करने गए थे। शोक जताने के लिए पहुंच रहे लोगों की भीड़ गिरीश चंद्र के घर के बाहर नजर आई। इस दौरान उनकी छह

वर्षीय बेटी गुंजन घर के बाहर कुर्सियों के पास खेल रही थी, शायद उसे नहीं पता था कि अब पापा फिर घर नहीं आएंगे। घर पर आए लोगों की आंखें भी बच्चों को देखकर नम हो रही थीं। चार वर्षीय बेटा लक्ष्य है। रिश्तेदार गणेश शास्त्री ने बताया कि पुजारी गिरीश चद्र ढौंडियाल की पत्नी लक्ष्मी देवी थैलीसैंण ब्लॉक के गांव लिंगूड़िया की प्रधान हैं। गिरीश समय-समय पर गांव जाकर जनता की सेवा भी करते थे। अल्मोड़ा के जिले के सल्ट विकासखंड के मरचूला में यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर 150 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई जबकि 27 घायल हैं। रामनगर अस्पताल से छह यात्रियों को एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश भेजा गया। 11 को अन्य जगह रेफर किया गया है। नौ लोग रामनगर अस्पताल में उपचाराधीन हैं। खतरनाक मोड़ पर बस मोड़ते समय कमानी टूटने को हादसे की वजह बताया जा रहा है।

जिंदगीभर का जख्म दे गया बस हादसा : सात जनम का साथ आठ महीने में टूटा

नैनीताल , एजेंसी। मरचूला बस हादसे में जान गंवाने वाले आमपोखरा निवासी पंकज रावत की आठ महीने पहले शादी हुई थी। पंकज की मौत के बाद घर में मातम पसरा है और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है।

अपनी नई दुनिया बसाने के लिए आठ महीने पहले बाबुल के घर से विदा हुई बीना को इसका जरा सा इल्म नहीं होगा कि जिसके साथ सात जनम तक रहने की कसम खाई है, वह उसे इतनी जल्दी छोड़कर दुनिया को अलविदा कह देगा।

मरचूला बस हादसे में जान गंवाने वाले आमपोखरा निवासी पंकज रावत की आठ महीने पहले शादी हुई थी। पंकज की मौत के बाद घर में मातम पसरा है और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है।

पंकज रावत अपने ताऊ के बेटे रविंद्र रावत के साथ पैतृक गांव गोलीखाल गए थे। बस हादसे में पंकज और रविंद्र रावत की मौत हो गई। पंकज की मौत के बाद परिवार में मां और पत्नी रह गई हैं। घटना के बाद से परिवार में मातम पसरा है।

दूसरी ओर, रविंद्र रावत की तीन बेटियां हैं। घटना से दोनों परिवारों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। रिश्तेदार विनोद रावत ने बताया कि दोनों युवक परिवार की रीढ़ थे। अब इन परिवारों में कोई कमाने वाला नहीं बचा है।

दल ने किया पांडवकालीन रास्ते का सर्वेक्षण, यात्रा संचालन के लिए बताया ठीक

गुप्तकाशी(रुद्रप्रयाग), एजेंसी। बीते 3 नवंबर को केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद कर्नल (सेवानिवृत्त) अजय कोठियाल के नेतृत्व में 16 सदस्यीय दल वैकल्पिक मार्ग के सर्वेक्षण के लिए रवाना हुआ था।

केदारनाथ की पैदल यात्रा को सुरक्षित, सरल और सुलभ बनाने के लिए तोषी-त्रियुगीनारायण-केदारनाथ वैकल्पिक मार्ग के रूप में विकसित करने के लिए कवायद शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री के विशेष सलाहकार कर्नल (सेवानिवृत्त) अजय कोठियाल के नेतृत्व में 16 सदस्यीय दल ने केदारनाथ से त्रियुगीनारायण तक इस मार्ग का स्थलीय सर्वेक्षण किया है। दल का कहना है कि यह मार्ग भूस्खलन व भूधंसाव से पूरी तरह से सुरक्षित है और आने वाले समय में यह केदारनाथ यात्रा पर आने वाले यात्रियों की पहली पसंद बन सकता है। मार्ग की स्थिति के बारे में सीएम को रिपोर्ट दी जाएगी।

बीते 3 नवंबर को केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद कर्नल (सेवानिवृत्त) अजय कोठियाल के नेतृत्व में 16 सदस्यीय दल वैकल्पिक मार्ग के सर्वेक्षण के लिए रवाना हुआ था। धाम से यह दल गरुड़चट्टी होते हुए सात किमी पैदल चलते हुए रात्रि प्रवास के लिए गुमकूड़ा पहुंचा था। अगली सुबह दल ने इस पूरे क्षेत्र का अवलोकन किया और आगे बढ़ते हुए 4 नवंबर को तोषी गांव होते हुए त्रियुगीनारायण पहुंचा। दल का कहना है कि यह मार्ग पैदल यात्रा संचालन के लिए मुफीद है। इस मार्ग पर भूस्खलन व भूधंसाव की दृष्टि से काफी सुरक्षित है।

दल का नेतृत्व करने वाले कर्नल (सेवानिवृत्त) अजय कोठियाल का कहना है कि यह रास्ता पूरी तरह से सुरक्षित है। साथ ही इसे विकसित करने के लिए बहुत ज्यादा बजट की आवश्यकता भी नहीं है। अगर पूर्व में ही इस रास्ते को दुरुस्त किया जाता, तो जून 2013 की केदारनाथ आपदा में हजारों लोगों की जान नहीं जाती। उन्होंने बताया कि केदारनाथ तक सुरक्षित पहुंच के लिए केदारनाथ-तोषी-त्रियुगीनारायण पैदल मार्ग को वैकल्पिक मार्ग की वर्तमान स्थिति और भावी संभावनाओं को लेकर शासन और मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

उन्होंने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों में केदारनाथ-तोषी-त्रियुगीनारायण और चौमासी-खाम बुग्याल-रेकाधार-केदारनाथ वैकल्पिक मार्ग को विकसित करने की जरूरत है। बता दें कि बीते अगस्त माह में त्रियुगीनारायण व तोषी के चार युवाओं ने भी केदारनाथ-तोषी-त्रियुगीनारायण मार्ग का सर्वे किया था। तब, दल में शामिल गीताराम सेमवाल ने बताया कि रास्ता पूरी तरह से सुरक्षित है और इस पर चढ़ाई भी कम है।

सितारगंज में कैबिनेट मंत्री ने उत्तराखंड का सबसे ऊंचा तिरंगा फहराया

उधम सिंह नगर, एजेंसी। जनपद उधम सिंह नगर के सितारगंज के अमरिया चौराहे पर उत्तराखंड का सबसे ऊंचा 208 फीट ऊंचा तिरंगा फहराया गया है। बता दें कि सितारगंज विधायक व कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने इस आजादी के प्रतीक तिरंगे को फहरा कर गौरवान्वित महसूस किया है। साथ ही सितारगंज के अमरिया चौराहे का नाम बदल कर तिरंगा चौराहा रख दिया है। वहीं, तिरंगा फहराने के दौरान राष्ट्रगान गायन किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

मिली जानकारी के मुताबिक उधम सिंह नगर जिले की विधानसभा सितारगंज के अमरिया चौराहे पर फहराए गए तिरंगे की ऊंचाई 208 फीट बताई जा रही है। इस तिरंगे को लगाने में लगभग 38 लाख रुपए का खर्च आया है। बताया गया कि सितारगंज से पहले रुद्रपुर में तिरंगा फहराया गया था, लेकिन अब सितारगंज में उत्तराखंड का सबसे ऊंचा तिरंगा फहराया गया है। वहीं, तिरंगा फहराने के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल देखने को मिला। साथ ही तिरंगा फहराने के दौरान लोगों ने आतिशबाजी चला कर अपनी खुशी प्रकट की।

वहीं, इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि सितारगंज के अमरिया चौराहे पर उत्तराखंड का सबसे ऊंचा तिरंगा फहरा कर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। इसके साथ ही कहा कि वह सभी वीर जवानों, स्वतंत्रता सेनानियों एवं देश की आजादी के लिए हुए शहीदों को नमन करते है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इन सभी के प्रयासों व कुर्बानियों के कारण ही हम सभी आजाद भारत में सुरक्षित है। इन स्वतंत्रता सेनानियों ने देश को आजाद करवाने में अपना पूर्ण योगदान दिया है। साथ ही कहा कि हमारा राष्ट्रीय तिरंगा हमें आजादी की याद दिलाता है। इसके अतिरिक्त सौरभ बहुगुणा ने समस्त क्षेत्रवासियों को बधाई व शुभकामनाएं दी।

पछवादून में सबसे बड़ा पुल बना, लेकिन हिमाचल की सीमा से न जुड़ सका

देहरादून, एजेंसी। राज्य निर्माण के बाद यमुना नदी पर पछवादून के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण नावघाट-सिंहपुरा पुल का निर्माण किया जा रहा है। पुल से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की सीमाएं जुड़ जाएंगी। दोनों राज्यों के बीच व्यापार को बढ़ाने में पुल बेहद कारगर साबित होगा।

पुल से हिमाचल प्रदेश की 15 ग्राम पंचायतों के लोगों को सुलभ आवागमन की सुविधा मिलेगी। लेकिन, केवल एक एप्रोच रोड न बनने से पुल का निर्माण एक वर्ष से अधूरा है। हिमाचल प्रदेश क्षेत्र में बिना भूमि अधिग्रहण के ही पुल निर्माण अब कार्यदायी एजेंसी और उत्तराखंड सरकार के लिए गले की फांस बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले की 14 ग्राम पंचायत का बाजार विकासनगर हैं। दोनों क्षेत्रों के बीच रोटी-बेटी का भी रिश्ता है। विकासनगर और जौनसार बावर के लोगों को भी हिमाचल प्रदेश या चंडीगढ़ जाने के लिए अभी 15 किलोमीटर दूर कुल्हाल जाना पड़ता है। पुराने समय में यमुना नदी पर नाव से दोनों राज्यों के बीच आवाजाही होती थी। उसके बाद काफी समय तक लकड़ी का पुल बनाकर भी आवाजाही होती रही।

बाबा नीम करौरी के भक्तों में विराट कोहली के बाद अब एक और दिग्गज क्रिकेटर का नाम

गरमपानी /भवाली, एजेंसी। बाबा नीब करौरी के भक्तों में अब क्रिकेटर सुरेश रैना का नाम भी शामिल हो गया है। मंगलवार को सुरेश रैना ने कैंची धाम पहुंचकर बाबा के दर पर शीश नवाया। हनुमान चालीसा का पाठ कर ध्यान लगाया और मंदिर प्रबंधन से बाबा की लीलाओं की जानकारी जुटाई।

कैंची धाम पहुंचकर क्रिकेटर सुरेश रैना मंदिर के शांत वातावरण में प्रसन्न दिखे। उन्होंने कहा कि मंदिर पहुंचकर आलौकिक शक्ति का अहसास हुआ है। मंदिर प्रबंधन ने उन्हें बाबा की जीवनी पर आधारित पुस्तक भेंट की। रैना के आने की सूचना पर पहुंचे प्रशंसकों ने आटोग्राफ लिए और सेल्फी भी ली। करीब एक घंटे रुकने के बाद रैना रवाना हो गए।

इससे पहले क्रिकेटर रिंकू सिंह भी अगस्त महीने में बाबा के आश्रम पहुंचे थे और ध्यान लगाया था।

अगस्त महीने प्रथम सप्ताह में प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी शिवम वर्मा तथा हल्द्वानी निवासी उदयीमान क्रिकेटरआर्यन जुयाल को साथ लेकर हाइवे पर स्थित सुप्रसिद्ध कैंची धाम पहुंचे थे। उन्होंने बाबा नीम करौरी के दर पर मत्था टेक पूजा अर्चना की।

हनुमान चालीसा का पाठ कर ध्यान लगाया था। भारतीय क्रिकेटर ने मंदिर प्रबंधन सदस्यों से बाबा की लीलाओं की जानकारी ली थी। रिंकू सिंह ने भी कहा था कि बाबा के धाम पहुंचने पर आध्यात्मिक शांति मिली।

दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली की गिनती भी नीम करौरी बाबा के भक्तों में होती है। कुछ वर्ष पहले विराट अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ दर्शन करने पहुंचे थे। बाबा के पास साल 1974 में स्टीव जॉब्स अपने दोस्त डैन कोट्टके के साथ पहुंचे थे। वह उस दौरान हिंदू धर्म और भारतीय आध्यात्मिकता का अध्ययन करने के लिए भारत आए थे। स्टीव जॉब्स से प्रेरित होकर फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग भी 2015 में बाबा नीम करौली के कैंची धाम आश्रम पहुंचे थे। उस वक्त फेसबुक की हालत ठीक नहीं थी, लेकिन बाबा के आश्रम में रुकने के बाद उन्होंने सफलता के नए आयाम लिखे। इसके अलावा, हॉलीवुड अभिनेत्री जूलिया रॉबर्ट्स भी उनसे प्रभावित हैं। कंबल वाले बाबा... कैंची धाम वाले बाबा.. अलग अलग नामों से नीम करौली बाबा देश भर में विख्यात हैं। इनका जन्म 1900 में उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के अकबरपुर गांव में हुआ था। बाबा एक हिंदू गुरु थे और वह भगवान हनुमान के बहुत बड़े भक्त थे। उनके अनुयायी उन्हें महाराज-जी के रूप में बुलाते थे।

लक्ष्मण नारायण शर्मा का विवाह उनके परिवार वालों ने मात्र 11 साल की उम्र में करा दिया था। बार-बार गृहस्थ जीवन त्यागने की उन्होंने कोशिश की लेकिन परिवार के दबाव में अपने परिवार के साथ ही रहे। नीम करौली बाबा के दो बेटे और एक बेटी है। डायबिटीज कोमा में चले जाने के बाद 11 सितंबर 1973 को वृंदावन के एक अस्पताल में नीम करोली बाबा की मृत्यु हो गई थी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज करने के लिए 11 नवंबर से आप का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन होगा शुरू, केजरीवाल करेंगे संबोधित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आम आदमी पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। बूथ स्तर पर पार्दी के कार्यकताओं का मनोबल और बढ़ाने के लिए आम आदमी पार्टी 11 नवंबर से दिल्ली में जिला सम्मेलन कार्यक्रम शुरू करने जा रही है। जिसके तहत आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने बताया कि 11 से 20 नवंबर तक दिल्ली के 14 जिलों में यह कार्यक्रम किया जाएगा। पूरे दिल्ली में चुनाव की जिम्मेदारी संभालने के लिए आम आदमी पार्टी के एक लाख पदाधिकारी बनाएगी। हर जिले में पांच विधानसभा क्षेत्र कवर होंगे। 11 नवंबर से शुरू होने वाला यह सम्मेलन 20 नवंबर तक चलेगी जिसके तहत 11 नवंबर को किराड़ी और तिलक नगर जिला, 12 नवंबर को राजेंद्र नगर और संगम विहार जिला, 15 नवंबर मॉडल टाउन और नजफगढ़ जिला, 16 नवंबर को त्रिलोकपुरी और बाबरपुर जिला, 18 नवंबर को वजीरपुर और नरेला, 19 नवंबर को कड़कड़डूमा और घोंडा, 20 नवंबर को महरौली और नई दिल्ली विधानसभा में होगा। दिल्ली में हमने जिन विपरीत परिस्थितियों में काम किया, उस काम और अरविंद केजरीवाल के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हम अपनी तैयारी कर रहे हैं। पहले भी हमने अपने कार्यकर्ता और वालंटियर्स के दम पर सरकार बनाई है और विपरीत परिस्थितियों में काम करके दिखाया है।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने बुधवार को राज निवास मार्ग, सिविल लाइन में प्रेस वार्ता कर कहा कि दिल्ली विधानसभा की तैयारियों को लेकर आम आदमी पार्टी लगातार सक्रिय है। पिछले दिनों हमने पहले चरण के तहत सभी विधानसभा क्षेत्रों में दिल्ली सरकार द्वारा किए गए कामों और विकास कार्यों का हिसाब-किताब ह्यआपका विधायक आपका द्वारह्ण कार्यक्रम के माध्यम से जनता के सामने पहुंचाने में सफलता हासिल की। ह्यआपका विधायक आपका द्वारह्ण कार्यक्रम के बाद पूरी दिल्ली के अंदर हर बूथ पर बैठकों के द्वारा जिन लोगों ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए वॉलंटियर के तौर पर काम करने के लिए जिम्मेदारी ली है, उन सभी लोगों की बूथ कमिटियों का गठन का काम पूरा कर

जानकारी

- दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर आम आदमी पार्टी लगातार सक्रिय है,हम दिल्ली सरकार के कामों को जनता तक पहुंचा रहे हैं- गोपाल राय

लिया गया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और तमाम वरिष्ठ नेताओं ने दिवाली से पहले दिल्ली की सभी विधानसभाओं में सफलतापूर्वक पदयात्रा संपन्न की है। दिवाली के बाद दिल्ली के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में अरविंद केजरीवाल की पदयात्रा का दूसरा चरण चल रहा है।

गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली चुनावों को मद्देनजर अपनी तैयारियों को तेज करने के लिए हर बूथ पर बनी हमारी कमिटियों और हमारे बूथ व मंडल स्तर के पदाधिकारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए आम आदमी पार्टी अगले 11 नवंबर से जिला पदाधिकारी सम्मेलन शुरू करने जा रही है। इस सम्मेलन के लिए हमने दिल्ली के अंदर संगठनात्मक आधार पर पार्टी के लिहाज से 14 जिले बनाए हुए हैं। हर जिले में पांच विधानसभा क्षेत्र आते हैं। 11 नवंबर से इन 14 जिला सम्मेलनों का आयोजन शुरू होगा। इस जिला सम्मेलन में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। उनके साथ-साथ पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद रहेंगे। इस जिला सम्मेलन में बूथ, मंडल, वार्ड और विधानसभा स्तर के सभी पदाधिकारियों को शपथ भी दिलाई जाएगी। इस जिला सम्मेलन में सभी बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को अगले विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने का टारगेट दिया जाएगा। गोपाल राय ने बताया कि 11 नवंबर से शुरू हो रहे पहले जिला सम्मेलन में 11 नवंबर को शाम 5 बजे उत्तर पश्चिमी दिल्ली लोकसभा में किराड़ी जिले का सम्मेलन होगा। यह सम्मेलन किराड़ी विधानसभा में फौजी वाटिका, निठारी पुलिया में होगा, जिसमें बाकी विधानसभाओं के पदाधिकारी भी सम्मिलित होंगे। इसी दिन 7 बजे पश्चिमी दिल्ली लोकसभा में तिलक नगर जिले का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न होगा। 12 नवंबर को शाम 5 बजे नई दिल्ली लोकसभा में शामिल करोल बाग जिले का जिला सम्मेलन राजेंद्र नगर में किया जाएगा।

मनोज तिवारी ने दी शारदा सिन्हा के परिजनों को सांत्वना, कल्पना पटवारी ने कहा- कभी नहीं भरेगी उनकी जगह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अपने लोक गीतों से भारतीय संगीत जगत में अपनी विशेष पहचान बनाने वाली मशहूर लोक गायिका ने मंगलवार को दुनिया को अलविदा कह दिया। पीएम मोदी ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया है। देश के कई नेताओं और हस्तियों ने शारदा सिन्हा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी एम्स पहुंच दिवंगत गायिका के परिजनों को सांत्वना दी है।

शारदा सिन्हा दिल्ली के एम्स हॉस्पिटल में भर्ती थीं। मनोज तिवारी ने एम्स पहुंचकर गायिका के पार्थिव शरीर को नमन किया। उन्होंने शारदा सिन्हा के बेटे और अन्य परिजनों से भी मुलाकात कर उनको दुख की घड़ी में सांत्वना दी।

मनोज तिवारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट के साथ वीडियो भी शेयर किया। उन्होंने पोस्ट में यह भी लिखा, छठी मैया और भक्ति संगीत के माध्यम से भोजपुरी की मिठास को देश- दुनिया में पहुंचाने वाली बड़ी बहन शारदा दीदी जी के अंतिम दर्शन आज एम्स दिल्ली में किए, दीदी शारदा का निधन भोजपुरी जगत और देश के लिए अपूरणीय क्षति है।

मशहूर लोक गायिका कल्पना पटवारी ने भी शारदा सिन्हा के निधन को पूर्वांचल संगीत में एक ऐसी कमी बताया है जिसकी भरपाई अब कभी नहीं हो सकेगी।

कल्पना पटवारी ने एक वीडियो संदेश के जरिए कहा, व्यक्तिगत तौर पर उनसे मुलाकात बहुत कम हुई है। लेकिन पूर्वांचल संगीत की बात है तो शारदा सिन्हा का प्रभाव हर पूर्वांचल लोगों पर है। यह पूर्वांचल संगीत की दुनिया में एक ऐसी क्षति है जो कभी पूरी नहीं हो पाएगी। वह छठ के गीत गाने के लिए ही धरती पर आई थीं और अंतिम समय में मानों उनको छठ मैया ही लेकर चली गई हैं। हमारी कोशिश रहेगी कि उनके पदचिन्हों पर चलें। और भोजपुरी का जो झंडा आपने फहराया है उसको कभी गिरने नहीं देंगे। उन्होंने आगे कहा कि उनकी संतान के लिए यह बहुत कठिन समय है। उन्होंने बहुत ही कम समय में पिता और माता को खोया है जो बहुत बड़ा दुख है। मेरी छठी मैया से प्रार्थना है कि इस मुश्किल समय में शक्ति प्रदान करें।

लूट के लिये गला घोंटकर युवक का किया था अधमरा,दिल्ली और नेपाल बॉर्डर से आरोपी पकड़े

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नेताजी सुभाष पैलेस इलाके में एक युवक का गला घोंट गैंग के सदस्यों ने गला घोटकर अधमरी हालत करके उससे तीस हजार रुपये व अन्य कीमती सामान लूट लिया था। वारदात में शामिल दो बदमाशों दीपक उर्फ राजकुमार उर्फ दिल्ली उर्फ अका और राजेन्द्र उर्फ कल्लू को गिरफ्तार किया है। राजेन्द्र को भारत-नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया। जब वह अपने घर भागने की कोशिश कर रहा था। आरोपियों के कब्जे से स्कूटी,लैपटॉप और आई-फोन बरामद किया है। पुलिस आरोपियों से उनके नेटवर्क के बारे में जानकारी लेने की कोशिश कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीते शुक्रवार सवा छह बजे पीतमपुरा में रहने वाले राजेश शर्मा से उस समय वारदात हुई थी। जब वह घर से दिल्ली हाट पार्किंग की ओर जा रहे थे और वरदान संडोज, दिल्ली के पास पहुंचे, अचानक दो व्यक्ति स्कूटी पर आए और पीछे से उनकी गर्दन दबा दी। जिससे वह अधमरी हालत में हो गए। आरोपी उनसे फोन,लैपटॉप,तीस हजार व अन्य सामान लूटकर फरार हो गए थे। एसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान की देखरेख में एसएचओ महेश कुमार के निर्देशन में एसआई नीरज, एएसआई अजय, एएसआई यशपाल, एएसआई नीरज राणा, हेड कांस्टेबल राहुल हुड्डा,धर्मराज, मदन लाल,प्रदीप और कांस्टेबल मोहित को आरोपियों को पकडे का जिम्मा सौंपा गया। पुलिस टीम ने वारदात वाली जगह के रूट पर लग सौ से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पीड़ित से बदमाशों के हुलिये पता करने की कोशिश की। ह्यूमैन सॉर्स की सहायता लेकर ऐसे बदमाशों की लिस्ट बनाई जो इस तरह से वारदात को अंजाम देते हैं। कुछ डंप डाटा को भी खंगाला गया। काफी मशक्कत के बाद दीपक उर्फ राजकुमार उर्फ दिल्ली उर्फ अका के बारे में पता चला। जिसको उसके ठिकाने पर छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर प्रशांत विहार से चोरी स्कूटी भी जब्त की। पूछताछ करने पर भारत-नेपाल बॉर्डर से उसके साथी राजेन्द्र उर्फ कल्लू को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर उसके घर से लूटा गया मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया गया। आरोपी दीपक उर्फ राजकुमार उर्फ दिल्ली उर्फ अका नौ जबकि राजेन्द्र 13 वारदातों में शामिल रहा है। आरोपियों ने आसानी से पैसा कमाने के लिए वारदात करी शुरू की थी। दोनों ड्रग्स का भी सेवन करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

हत्या के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की टीम ने दिनदहाड़े खजूरी खास इलाके में हुई हत्या के मामले में 24 घंटे के अंदर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान अली हसन उर्फ अजय वर्मा के रूप में हुई है। इसके पास से अत्याधुनिक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। हत्या की वारदात कारोबार में विवाद के दौरान हुई थी। पकड़ा गया आरोपित दो और लोगों की हत्या करने की योजना बना रहा था लेकिन क्राइम ब्रांच की टीम ने समय पर एक्शन लेते हुए इसे गिरफ्तार कर लिया। क्राइम ब्रांच के डीसीपी संजय सेन ने बताया कि खजूरी खास इलाके में 3 नवंबर को भैया दूज के दिन दिनदहाड़े हेमंत कुमार नाम के शख्स की गोली मारकर हत्या की गई थी। जब हेमंत अपनी पत्नी के साथ भैया दूज मनाने के लिए सोनिया विहार ससुराल गया था। इस दौरान अली हसन उर्फ अजय वर्मा ने गोली चला दी और मौके से फरार हो गया था। परिवार वाले गंभीर रूप से घायल हेमंत को जग प्रवेश चंद्र हॉस्पिटल में ले गए लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उस मामले में एसीपी रमेश चंद्र लांबा, इंस्पेक्टर पंकज मलिक, रोहित कुमार की टीम टेक्निकल सर्विलांस की मदद से इस वांछित के बारे में पता लगाने में जुटी हुई थी। इसी दौरान पुलिस को जानकारी मिली की यह वेलकम के एमसीडी ऑफिस के पास आने वाला है। पुलिस टीम ने छापा मारकर वहां से इसे गिरफ्तार किया।

सम्मोहित करके ठगी करने वाले दो धरे

नई दिल्ली। शाहदरा जिले की जगतपुरी पुलिस ने मंगलवार को सम्मोहित करके ठगी करने वाले दो ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों की पहचान तिलक नगर के गुरु नानक नगर निवासी मलकीत सिंह व संतगढ़ निवासी गुरुबचन सिंह के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों ने पूछताछ के दौरान जगतपुरी इलाके में दो वारदातें अंजाम देने की बात बताईं। आरोपियों की गिरफ्तारी से दोनों मामलों को सुलझाने का दावा पुलिस कर रही है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार को आरोपियों ने एक महिला को सम्मोहित कर ठगी की थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान दोनों आरोपियों की पहचान करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद अन्य मामलों का भी खुलासा हुआ।

चिटफंड और ज्यादा निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों पर नकेल कसेगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार ने धोखाधड़ी वाली वित्तीय योजनाओं पर रोक लगाने के लिए नए नियम बनाए हैं। ये नियम लोगों को उन फर्जी योजनाओं से बचाने के लिए हैं, जिनमें झूठे वादे और ज्यादा रिटर्न निवेश के नाम पर लोगों के पैसे हड़पे जाते हैं। अब सरकार के पास ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई करने के अधिकार होंगे, जिसमें जांच और संपत्तियों की जब्ती भी शामिल है।

इस विषय में मुख्यमंत्री आतिशी ने बुधवार को कहा कि लंबे समय से लोग ऐसे झूठे वादों में फंसते रहे हैं, जो उन्हें बड़ा मुनाफा देने का दावा करते हैं लेकिन अंत में उनका नुकसान होता है। इन नए नियमों के जरिये दिल्ली सरकार ऐसे धोखेबाजों पर कड़ी नजर रखेगी। नए नियमों में सरकार ने स्वयं सहायता समूहों के लिए एक सीमा तय की है, ताकि उनके काम में कोई रुकावट न आए। अब किसी भी सदस्य द्वारा हर महीने 50,000 रुपये तक का योगदान और साल में पांच लाख रुपये तक का योगदान नियमों से बाहर रहेगा। इस तरह छोटे और वास्तविक समूहों की गतिविधियां चलती रहेंगी और बड़े जमा पर सरकार निगरानी रखेगी। इस सीमा से उनके काम पर कोई असर नहीं पड़ेगा और साथ ही ये भी ध्यान रखा जाएगा कि इनका बेजा तरीके से इस्तेमाल न हो।

इन नियमों के साथ अब सरकार को धोखाधड़ी के मामलों में जांच और संपत्तियों की जब्ती के लिए विशेष एजेंसियों को नियुक्त करने का अधिकार भी मिलेगा। इससे सरकार धोखाधड़ी का जल्दी पता लगा सकेगी और पीड़ितों के पैसे वापस दिला सकेगी। पहले सरकार के पास ऐसे मामलों में संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार नहीं था, जिससे कार्रवाई करना मुश्किल होता था। इससे पीड़ितों को न्याय मिलेगा और धोखाधड़ी का जड़ से सफाया होगा। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि अब एजेंसियां सरकार के साथ मिलकर धोखाधड़ी करने वालों को पहचानने, जांच और सजा दिलाने में मदद करेंगी।

दिल्ली सरकार का ये कदम वित्तीय लेनदेन को साफ-सुथरा रखने और नागरिकों के विश्वास को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

ससुराल में पति को समझाने आई महिला को बेरहमी से पीटा

नोएडा। मामूरा गांव में पति और सास को समझाने आई महिला को बेरहमी से पीटकर अधमरा कर दिया गया। घटना के करीब डेढ़ माह बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता अब भी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दे रही है। गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी निवासी रईसुदद्दीन ने पुलिस को बताया कि उसने पांच वर्ष पहले अपनी बेटी तरन्नुम का विवाह नोएडा के मामूरा गांव में रहने वाले अजीम से किया था। आरोप कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग उनकी बेटी को परेशान करते हैं। इसके संबंध में गाजियाबाद की जिला कोर्ट में केस विचाराधीन है। बेटी भी लंबे समय से मायके में रह रही है। पीड़ित ने बताया कि परिवार बचाने की कोशिश करते हुए 20 सितंबर को बेटी तरन्नुम मामूरा स्थित ससुराल गई। घर पर पति और सास थे। तरन्नुम ने रिश्ते को बचाने के लिए ससुराल पक्ष के लोगों से बातचीत की। आरोप है कि तरन्नुम को उसकी सास और पति ने पीट-पीटकर अधमरा कर दिया।

दिल्ली हाईकोर्ट का यमुना में छठ पूजा की अनुमति देने से इनकार

नई दिल्ली।एएनआई, नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने यमुनी नदी के तट पर छठ पूजा की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने पूजा करने की अनुमति मांगने वाली दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई की थी। याचिका के जरिए अनुष्ठान पर प्रतिबंध को चुनौती दी गई थी। हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट ने यमुना नदी के गंभीर प्रदूषण का हवाला देते हुए कोई भी निर्देश जारी करने से इनकार कर दिया। दिल्ली के मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि लोगों को नदी में पूजा करने की अनुमति देने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। उन्होंने हाल ही में एक मामले का हवाला दिया जिसमें एक व्यक्ति प्रदूषित पानी में डुबकी लगाने के बाद बीमार पड़ गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। कोर्ट ने कहा कि पूजा के लिए लगभग एक हजार वैकल्पिक स्थान निर्धारित थे, जहां उत्सव के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई थी, लेकिन कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि अन्य घाट और निर्दिष्ट क्षेत्र हैं, जहां लोग सुरक्षित रूप से पूजा कर सकते हैं। कोर्ट ने बताया कि पूजा पर प्रतिबंध यमुना नदी में प्रदूषण उच्च स्तर पर होने के कारण लगाया था। नदी के जहरीले पानी में नहाने से लोग बीमार हो सकते हैं। अदालत पूर्वांचल नव निर्माण संस्थान द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें यमुना नदी के तट पर छठ पूजा करने की अनुमति मांगी गई थी। याचिकाकर्ता का तर्क है कि कोविड-19 महामारी के दौरान पहले अनुमति नहीं दी गई थी और अब प्रतिबंध फिर से लगा दिए गए हैं। इससे लोग दिल्ली में पारंपरिक तरीके से पूजा नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली सरकार के वकील ने अदालत को बताया कि लोगों के लिए इन अन्य स्थानों पर अनुष्ठान करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

कालिंदी कुंज में ग्रोसरी शॉप पर गोली चलाने के मामले में तीसरा आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की दक्षिणी रेंज की टीम ने हत्या के प्रयास और शस्त्र अधिनियम के मामले में अजीत सिंह उर्फ अजीता नामक तीसरे आरोपित को गिरफ्तार किया है। यह मदनपुर खादर दिल्ली का रहने वाला है, जिसकी पुलिस को सात महीने से तलाश थी। इसके खिलाफ कालिंदी कुंज थाने में मामला दर्ज है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी संजय कुमार सेन ने बताया कि 19 अप्रैल को मालवीय नगर में एक ग्रॉसरी शॉप पर फायरिंग हुई थी, जिसमें दुकान मालिक के पैर में गोली लगी थी। उस मामले में पुलिस को अजीत सिंह की तलाश थी। क्राइम ब्रांच के एसीपी नरेश सोलंकी की देखरेख में इंस्पेक्टर विजयपाल दहिया की टीम को इस वांछित के बारे में सूचना मिली। उसी के आधार पर पुलिस टीम ने ट्रैप लगाया और उसे धर दबोचा। पुलिस पूछताछ में अजीत ने बताया कि वह धन उगाही और फायरिंग के मामले में शामिल था। उसके साथी दीपक और सोनू नशे के आदी थे और वारदात के दिन गांजा खरीदने के लिए पैसे की जरूरत थी। इसीलिए वे रुपये की मांग करने के लिए उपरोक्त ग्रॉसरी शॉप पर गए थे। जब दुकान के मालिक ने रुपये देने से मना किया तो इन्होंने गोली चला दी थी।

चाकू से गोदकर हत्या के प्रयास में दो गिरफ्तार, चाकू बरामद

नई दिल्ली। मयूर विहार इलाके में शुक्रवार को बदमाशों ने मामूली विवाद में एक व्यक्ति को चाकू से गोद दिया। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच करते हुए मुख्य आरोपी समेत दो को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों की पहचान साजिद उर्फ मोदी व कन्नू के रूप में हुई है। पुलिस इनसे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को 27 ब्लॉक चौक, त्रिलोकपुरी इलाके में पुलिस गश्त पर थी। इसी बीच मयूर विहार थाने में एक युवक को चाकू से गोदने की पीसीआर कॉल मिली। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। तब तक घायल को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पहुंचाया जा चुका था। इसके बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंची तो चिकित्सकों ने बताया कि पीड़ित के शरीर पर चाकू से गोदने के दो घाव मिले हैं। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल को दूसरे अस्पताल में भेज दिया क्योंकि उसकी हालत गंभीर थी। परिजन उसे लेकर वसुंधरा स्थित नारायणा धर्मशील अस्पताल लेकर गए जहां से पीड़ित को उपचार के बाद शनिवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। घायल की पहचान त्रिलोकपुरी निवासी 25 वर्षीय अजय के रूप में हुई। स्थानीय लोगों से पूछताछ के दौरान एक आरोपी साजिद उर्फ मोदी को गिरफ्तार कर लिया गया। वह त्रिलोकपुरी के 32 ब्लॉक झुग्गी इलाके में रहता है। उसकी तलाशी लेने पर पुलिस को उसके पास से वारदात में इस्तेमाल एक चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में उसने बताया कि उसने वारदात को अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर अंजाम दिया है। इसकी निशानदेही पर पुलिस ने त्रिलोकपुरी के एक्सट्रा 31/ए निवासी कन्नू को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को इनके पास से वारदात के दौरान पहने खून से सने कपड़े भी बरामद हुए हैं। आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

पश्चिम विहार के बाद बदमाशों का छावला में शूटआउट, मारुति वर्कशॉप पर की कई राउंड फायरिंग

नई दिल्ली। पश्चिम विहार के बाद छावला में शूटरों ने गोली चलाई है। दिल्ली चावला इलाके के एक मारुति वर्कशॉप पर दो शूटरों ने ताबड़तोड़ करीब चार राउंड गोलियां चलाई है। कुख्यात गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के सदस्य शामिल थे। गोली चलाने वाले बदमाशों ने मारुति वर्कशॉप मालिक जोगिंदर को धमकी देकर चले गए। पश्चिम विहार मामले में 5 करोड़ की रंगदारी मांगने की बात सामने आई है। परसों रंगदारी की मांग हुई। कल प्राथमिकी हुई और आज गोली चली। सूत्रों का कहना है कि कपिल सांगवान उर्फ नंदू गिरोह के नाम पर रंगदारी मांगी गई है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि आज दोपहर करीब 2:30 बजे पीएस (पुलिस थाना) पश्चिम विहार वेस्ट में गोलीबारी की घटना के संबंध में एक कॉल प्राप्त हुई। कॉल मिलने पर स्थानीय पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। घटना की पुष्टि की गई और शिकायतकर्ता से इस संबंध में जानकारी एकत्र की गई है। जिसमें यह पाया गया कि जब शिकायतकर्ता अपनी दुकान पर था तो बाइक पर तीन लड़के आए और दो लड़के जिनका चेहरा उतरा हुआ था

परिवहन विभाग के बेड़े में शामिल होंगी नई ई-बसें

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग के बेड़े में जल्द ही और इलेक्ट्रिक बसें शामिल हो सकती हैं। इसके लिए कई डीटीसी के कई अन्य डिपो और वर्कशॉप में विद्युतीकरण का काम कराया जा रहा है। दिल्ली सरकार की ओर से 2025 तक ई-बसों की संख्या 10 हजार से ज्यादा करने का लक्ष्य तय है। फिलहाल बेड़े में दो हजार ई-बसें शामिल हैं। डीटीसी की ओर से द्वारका सेक्टर-2 स्थित डिपो, राजघाट-1 डिपो, श्रीनिवास पुरी डिपो, आंबेडकर नगर डिपो, केशोपुर डिपो, रोहिणी-4 डिपो, नांगलोई डिपो में विद्युतीकरण का काम कराया जा रहा है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा रही है। ऐसे में दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले इलेक्ट्रिक बसों की नई खेप सड़कों पर उतारी जा सकती है। डीटीसी अधिकारियों का कहना है कि डिपो में काम दो से तीन महीनों में पूरा हो जाएगा। जैसे-जैसे कंपनी की ओर से बसों की आपूर्ति की जाएगी, वैसे ही उन्हें डिपो को आवंटित कर संचालन शुरू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। मियाद पूरी कर चुकी 132 लो-फ्लोर बसें हटीं दिल्ली में 15 साल से सड़कों पर दौड़ रहीं सीएनजी बसों की अब मियाद पूरी होने लगी है। इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 356 बसें सड़कों से हटाई जा चुकी हैं, जबकि चार नवंबर को भी 132 लो-फ्लोर बसों को हटाया गया। इनमें 11 बसें नोएडा डिपो से और बाकी 121 बसें दिल्ली के अलग-अलग डिपो से संचालित हो रही थीं। दिसंबर तक करीब 200 बसें और सड़कों से हट जाएंगी। इसकी वजह से दिल्ली के रूटों पर बसों की कमी हो जाएगी।

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों ने प्रतिभा दिखाई

ग्रेटरी नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल में सीबीएसई की तरफ से विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें 74 से अधिक स्कूलों के छात्रों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इको-फ्रेंडली सामग्रियों का उपयोग कर स्वास्थ्य, प्राकृतिक खेती, आपदा प्रबंधन संसाधन प्रबंधन जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी परियोजनाओं का प्रदर्शन किया। प्रत्येक स्कूल के दो टीमों ने इसमें प्रतिभाग किया। 13 स्कूलों का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ है। सीबीएसई के निदेशक प्रशिक्षण मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि नई शिक्षा नीति में अभ्यास पर अधिक जोर दिया जा रहा है।

दिल्ली सरकार चिटफण्ड और हाई रिटर्न निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों पर नकेल कसेगी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने धोखाधड़ी वाली वित्तीय योजनाओं पर रोक लगाने के लिए नए नियम बनाए हैं। ये नियम लोगों को उन फर्जी योजनाओं से बचाने के लिए हैं, जो झूठे वादे और हाई रिटर्न निवेश के नाम पर लोगों के पैसे हड़प लेती हैं। अब सरकार के पास ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई करने के अधिकार होंगे, जिसमें जांच और संपत्तियों की जब्ती भी शामिल है। इस विषय में मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, लंबे समय से लोग ऐसे झूठे वादों में फंसते रहे हैं जो उन्हें बड़ा मुनाफा देने का दावा करते हैं लेकिन अंत में उनका नुकसान होता है। इन नए नियमों के जरिए दिल्ली सरकार ऐसे धोखेबाजों पर कड़ी नजर रखेगी।

बता दे कि, नए नियमों में सरकार ने स्वयं सहायता समूहों (रत्नक्ष्र) के लिए एक सीमा तय की है ताकि उनके काम में कोई रुकावट न आए। अब किसी भी सदस्य द्वारा हर महीने 50,000 रुपये तक का योगदान और साल में 5 लाख रुपये तक का योगदान नियमों से बाहर रहेगा। इस तरह छोटे और वास्तविक समूहों की गतिविधियां चलती रहेंगी और बड़े जमा पर सरकार निगरानी रखेगी। इस सीमा से उनके काम पर कोई असर नहीं पड़ेगा, और साथ ही ये भी ध्यान रखा जाएगा कि, इनका गलत इस्तेमाल न हो।

इन नियमों के साथ, अब सरकार को धोखाधड़ी के मामलों में जांच और संपत्तियों की जब्ती के लिए विशेष एजेंसियों को नियुक्त करने का अधिकार भी मिलेगा। इससे सरकार धोखाधड़ी का जल्दी पता लगा सकेगी और पीड़ितों के पैसे वापस दिला सकेगी। पहले सरकार के पास ऐसे मामलों में संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार नहीं था, जिससे कार्रवाई करना मुश्किल होता था। इससे पीड़ितों को न्याय मिलेगा और धोखाधड़ी का जड़ से सफाया होगा।

सीएम आतिशी ने कहा कि, अब एजेंसियां सरकार के साथ मिलकर धोखाधड़ी करने वालो को पहचानने, जांच और सजा दिलाने में मदद करेंगी। दिल्ली सरकार का ये कदम वित्तीय लेनदेन को साफ-सुथरा रखने और नागरिकों के विश्वास को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नए नियम धोखाधड़ी वाली योजनाओं को खत्म करने और सुरक्षित वित्तीय माहौल बनाने में मदद करेंगे, खासकर उन छोटे समूहों के लिए जो ईमानदारी से काम कर रहे हैं।

दिल्ली महिला आयोग भर्ती मामले में स्वाति मालीवाल के खिलाफ दर्ज केस की सुनवाई टली

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में बुधवार को दिल्ली महिला आयोग में भर्ती अनियमितताओं से जुड़े मामले में आरोपी आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल के खिलाफ दर्ज मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से गवाह का बयान दर्ज नहीं हो सका। स्पेशल जज जीतेंद्र सिंह ने मामले की अगली सुनवाई 4 दिसंबर को करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान आज स्वाति मालीवाल की ओर से बताया गया कि वे अमेरिका गई हैं और 29 अक्टूबर को कोर्ट ने उन्हें 2 नवंबर से 15 नवंबर तक अमेरिका जाने की अनुमति दी थी। इसके साथ कोर्ट को बताया गया कि अभियोजन पक्ष के जिस गवाह का आज बयान दर्ज होना था उसकी तबीयत खराब है। उसके बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई टाल दिया। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिसंबर 2022 में स्वाति मालीवाल समेत चार आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। स्वाति मालीवाल ने आरोप तय करने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। लेकिन, हाईकोर्ट ने मालीवाल की याचिका खारिज कर दी थी। बता दें, राऊज एवेन्यू कोर्ट ने स्वाति मालीवाल के अलावा जिन लोगों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था, उनमें आयोग की सदस्य प्रोमिला गुप्ता, सारिका चौधरी और फरहीन मलिक शामिल हैं। कोर्ट ने चारों आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120(बी) और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 13 (2), 13(1)(डी) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया था। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) से पूर्व विधायक बरखा शुक्ला ने 11 अगस्त 2016 को शिकायत कर आरोप लगाया था कि दिल्ली महिला आयोग में नियमों को दरकिनार कर आम आदमी पार्टी से जुड़े लोगों को नियुक्त किया गया। शिकायत में आयोग में नियुक्त हुए तीन लोगों के नाम बताए गए थे, जो आम आदमी पार्टी से जुड़े थे। एसीबी को दी गई शिकायत में आप से जुड़े 85 लोगों की सूची भी दी गई थी, जिनकी नियुक्ति आयोग में होने का दावा किया गया था। इस पर प्रारंभिक जांच के बाद एसीबी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किया था।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, गुरूवार, 07 नवंबर, 2024

दिल्ली में अब तेजी से हो सकेगी बिजली की हाई-टेंशन लाइनों की शिफ्टिंग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

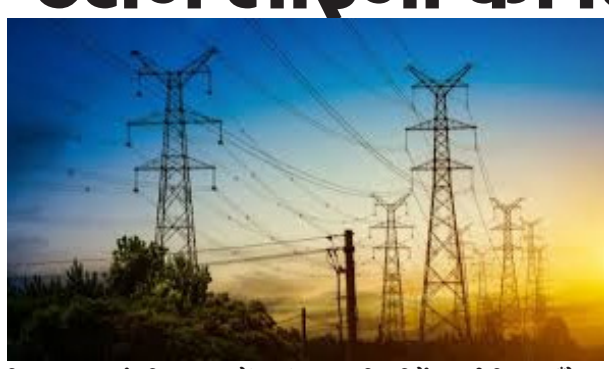

दिल्ली में अब बिजली की हाई टेंशन लाइनें तेजी से शिफ्ट हो सकेंगी। सीएम आतिशी के निर्देश पर हाई-टेंशन लाइन शिफ्टिंग की नीतियों को आसान किया जाएगा।

इस बाबत दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (डीईआरसी) नए दिशा निर्देश जारी करेगी। जिसका उद्देश्य लाइन शिफ्टिंग के लिए बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) को भुगतान में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करना है।

बता दे कि, नीति के अंतर्गत, उन योजनाओं के लिए फंड आवंटन का प्रावधान है जिनमें 11'श, 33'श एवं 66'श हाई टेंशन (एचटी) तथा 400 वोल्ट लो टेंशन (एलटी) लाइनें शामिल हैं, जो लोगों की सुरक्षा के लिए शिफ्ट की जानी हैं।

इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों, किसान, सार्वजनिक भवनों एवं अनधिकृत कॉलोनियों के लिए सरकार द्वारा शिफ्टिंग की पूरी लागत का वहन किया जाता है। वर्तमान में बिजली कंपनियाँ 100% अग्रिम भुगतान के बाद ही हाई टेंशन लाइनें शिफ्ट करती थी। जिसमें काफी समय लगता था लेकिन अब 30% अग्रिम भुगतान के साथ हाई टेंशन लाइनें शिफ्ट हो सकेंगी। इस बाबत डीईआरसी द्वारा जल्द दिशानिर्देश जारी किए जाएँगे।

सरकार का यह कदम दिल्लीवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, जिससे बिजली लाइनों के शिफ्टिंग की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। इससे बुराड़ी, किरारी और बवाना विधानसभा में बिजली की 9 हाई-टेंशन लाइनें जल्द शिफ्ट हो सकेंगी। साथ ही दिल्ली भर में और भी स्थान जहाँ हाई-टेंशन लाइनें शिफ्ट करने की आवश्यकता है उसमे भी तेजी आएगी।

किराड़ी विधानसभा में शिफ्ट होने वाली हाई टेंशन लाइनें

1. निठारी चौक से पीएसएम स्कूल, प्रताप विहार-3
2. विशाल मेगा मार्ट से नाग मंदिर, किराड़ी
3. किराड़ी राशन ऑफिस से दुर्गा चौक
4. गैस बर्तन भंडार, किराड़ी
5. निठारी से मुबारकपुर चौक, किराड़ी

बुराड़ी विधानसभा में शिफ्ट होने वाली हाई टेंशन लाइनें

1. शनि मंदिर कॉलोनी, कुशक-2, बुराड़ी
2. नांगलीपूना एक्सटेंशन
3. कुशक-1, बुराड़ी

बवाना विधानसभा में शिफ्ट होने वाली हाई टेंशन लाइनें

1. आरा कॉलोनी, कुतुबगढ़

दिल्ली मेयर शैली ओबेराय आज दिल्ली में सफाई व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्लीवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली मेयर शैली ओबेराय आज दिल्ली में सफाई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शाहदरा नॉर्थ जोन के गोरखपार्क जनता कॉलोनी रोड 65, बाबारपुर रोड़ ड्रेन 52, सुभाष मोहल्ला ढलावघर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उपायुक्त कर्नल विनोद अत्री, पार्षद प्रियंका सक्सेना और निगम के अधिकारी भी उपस्थित रहे। दिल्ली की मेयर शैली ओबेराय ने सफाई व्यवस्था एवं कचरा संवेदनशील बिंदु (जीवीपी) के ऐसे स्थान जहां कूड़ा जमा होता है, उनको चिन्हित करके एक्शन ले रही है। वह सभी जगहों से कूड़े के ढ़ेर को हटवा कर के दिल्ली को स्वच्छ वातावरण देना चाहती है। इस दौरान शैली ने कहा कि जीवीपी को सुंदर बनाने के लिए एक ऊर्ध्वाधर उद्यान बनाने के निर्देश दिया, ताकि इसकी सुंदरता में निखार आए।

11 नवंबर से आप शुरू कर रही है जला पदाधिकारी सम्मेलन : गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को विधानसभा चुनाव को लेकर आप की तैयारियों के बारे में बताया।

गोपाल राय ने कहा, दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर आम आदमी पार्टी लगातार सक्रिय है। पिछले दिनों हम लोगों ने पहले चरण में सभी विधानसभा क्षेत्रों में दिल्ली सरकार द्वारा किए कामों के साथ ही साथ विधानसभा क्षेत्र के अंदर विकास कार्यों से जनता को अवगत कराया। इस दौरान आपका विधायक आपके द्वार कार्यक्रम किया गया। उन्होंने कहा कि अब आगामी विधानसभा को देखते हुए बूथ स्तर पर बैठक की जाएंगी। जिन लोगों ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए समय देने के लिए जिम्मेदारी ली। ऐसे लोगों की बूथ कमेटी के गठन का काम कर लिया गया है।

दिल्ली के लोगों के साथ सीधा संवाद करने के लिए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल दिल्ली के अंदर दीपावली से पहले सभी विधानसभा में पदयात्रा सफलतापूर्वक कर चुके हैं। दीपावली के बाद अरविंद केजरीवाल का अलग-अलग विधानसभाओं में पदयात्रा का दूसरा चरण चल रहा है।

गोपाल राय ने कहा, आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों की तैयारियों को बढ़ावा देने के लिए आप बूथ स्तर के कार्यकताओं को प्रेरित करने के लिए 11 नवंबर से ह्यजिला पदाधिकारी सम्मेलन शुरू करने जा रही है। इस सम्मेलन को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल संबोधित करेंगे।

गोपाल राय ने कहा कि इस सम्मेलन में बूथ स्तर के कार्यकताओं और पदाधिकारियों को आगामी विधानसभा में आम आदमी पार्टी की प्रचंड जीत के लिए शपथ भी दिलाई जाएगी। जिला पदाधिकारी सम्मेलन की शुरूआत नॉर्थ वेस्ट लोकसभा के किराड़ी से की जाएगी। शाम पांच बजे यहां पर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में अन्य विधानसभाओं के पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

दिल्ली की हवा बेहद खराब श्रेणी में बरकरार, 358 रहा औसत एक्यूआई

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली की हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। बुधवार को दिल्ली की औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 358 रहा। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली की हवा जहरीली बनी हुई है। दिल्ली वासियों को खासतौर पर बच्चे और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने के दौरान सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। केंदीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राजधानी दिल्ली में बुधवार सुबह 7.30 बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 358 अंक रहा। जबकि दिल्ली एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 234, गुरुग्राम में 304, गाजियाबाद में 276, ग्रेटर नोएडा में 274 और नोएडा में 266 एक्यूआई रहा। दिल्ली के चार इलाकों में एक्यूआई लेवल 400 से ऊपर मापा गया, जिसमें बवाना में 412, मुंडका में 419, एनएसआईटी द्वारका में 447 और वजीरपुर में 421 एक्यूआई दर्ज किया गया। जबकि दिल्ली एनसीआर के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई 300 से 400 के बीच में दर्ज किया गया। अलीपुर में 372, अशोक विहार में 398, आया नगर में 334, बुराड़ी क्रॉसिंग में 370, चांदनी चौक में 311, मथुरा रोड में 333, डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में 367, डीटीयू में 355, द्वारका सेक्टर 8 में 355, आईजीआई एयरपोर्ट में 347, आईटीओ में 327, जहांगीरपुरी में 398, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 315 और लोधी रोड में 309 एक्यूआई रहा।

इनके अलावा मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 354, मंदिर मार्ग में 356, नजफगढ़ में 354, नरेला में 377, नेहरू नगर में 376, न्यू मोती बाग में 381, नॉर्थ कैंपस डीयू में 373, ओखला फेस 2 में 357, पटपड़गंज में 381, पंजाबी बाग में 388, पूषा में 330, आर के पुरम में 373, शादीपुर में 372, सिरी फोर्ट में 341, सोनिया विहार में 354 और दिलशाद गार्डन में 358 एक्यूआई दर्ज किया गया।

अगर एक दिन पहले की बात करें, मंगलवार को सुबह 7.15 बजे तक दिल्ली का औसत एक्यूआई लेवल 384 दर्ज किया गया था। दिल्ली के 14 इलाकों में एक्यूआई लेवल 400 के ऊपर मापा गया था, जबकि 23 स्थानों पर ये 300 से 400 के बीच बना रहा।

ओपन बर्निंग के खिलाफ दिल्ली में आज से अभियान

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली-एनसीआर में सर्दियों की शुरूआत के साथ वायु गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है, जिसके खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार से ओपन बर्निंग यानि खुले में आग जलाने के खिलाफ एक महीने लंबा अभियान शुरू हो रहा है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय मंगलवार को संबंधित अधिकारियों के साथ विंटर एक्शन प्लान की समीक्षा बैठक की थी। इसमें उन्होंने खुले में आग जलाकर प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ एंटी ओपन बर्निंग अभियान शुरू करने का निर्णय लिया।

एंटी ओपन बर्निंग कैंपेन एक महीने तक चलाया जाएगा। 588 गश्ती दल सख्ती से तय मापदंडों को लागू करवाने पर काम करेंगे। ये प्रदूषण से निपटने, निर्माण स्थलों का निरीक्षण करने और पराली जलाने से रोकने के लिए किसानों में जागरूकता पैदा करने का भी काम करेंगे। गोपाल राय ने बताया, बुधवार से शुरू होने वाले इस अभियान का नेतृत्व दिल्ली नगर निगम, राजस्व विभाग, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद, दिल्ली विकास प्राधिकरण, सिंचाई और बाढ़ विभाग और दिल्ली राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम द्वारा किया जाएगा, जिसमें समन्वित कार्रवाई के लिए इन विभागों की 588 टीमें होंगी।

राय ने कहा कि शहर भर में खुले में पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी और रोकथाम के लिए पेट्रोलिंग टीमें 24 घंटे काम करेंगी। इसके अलावा, सरकारी विभागों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि रात्रि सुरक्षा गार्डों के लिए बिजली के हीटर उपलब्ध कराए जाएं ताकि खुले में कचरा जलाने की घटनाओं पर रोक लग सके।

राय ने भाजपा शासित पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रदूषण नियंत्रण प्रयासों को बढ़ाने की अपील की और इस बात पर जोर दिया कि सामूहिक कार्रवाई का अधिक प्रभाव होगा। हाल ही में, दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण से निपटने के लिए 21 सूत्रीय व्यापक विंटर एक्शन प्लान की घोषणा की।

गोपाल राय ने कहा कि वायु प्रदूषण के खतरे से निपटने के लिए पिछले साल की 14 सूत्रीय योजना को 21 सूत्रीय रणनीति में बदला गया है। जिसमें ड्रोन निगरानी, एंटी-डस्ट अभियान, सड़क-सफाई मशीन आदि जैसे उपाय शामिल हैं। मंत्री ने दावा किया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ चर्चा के बाद आप सरकार के सत्ता में आने के बाद से पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 50 प्रतिशत की कमी आई है।

लोटस परियोजना में 13 फ्लैटों की रजिस्ट्री

नोएडा। सेक्टर-107 स्थित लोटस-300 परियोजना के 13 फ्लैट की रजिस्ट्री बुधवार को हुई। अब तक 27 फ्लैट की रजिस्ट्री इस परियोजना की हो चुकी है। बाकी फ्लैट की रजिस्ट्री दस दिन बाद होगी। पिछले महीने उच्चतम न्यायालय के आदेश पर सेक्टर-107 स्थित लोटस-300 परियोजना में फ्लैटों की रजिस्ट्री शुरू हुई थी। प्राधिकरण ने बिना बकाया लिए रजिस्ट्री देने की अनुमति दी है। अधिकारियों ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर 24 अक्तूबर से लोटस-300 परियोजना में रजिस्ट्री शुरू हुई। उस दिन 14 फ्लैट की रजिस्ट्री हुई थी। इसके बाद दूसरे चरण में बुधवार को रजिस्ट्री हुई। अब दस दिन बाद रजिस्ट्री होगी। इस परियोजना में रजिस्ट्री कराने के लिए नियोजन विभाग के अधिकारी वैभव गुप्ता को नोडल अधिकारी बनाया गया है। लोटस-300 अपार्टमेंट ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष भुवन चतुर्वेदी ने बताया कि आईआरपी की तरफ से सत्यापन करने के बाद 102 फ्लैट खरीदारों की सूची नोएडा प्राधिकरण को सौंप दी है।

स्योहारा ने धामपुर को हराकर जीती क्रिकेट ट्रॉफी

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। स्योहारा क्रिकेट क्लब ने एवन यंग क्रिकेट क्लब धामपुर को 60 रनों से पराजित कर क्रिकेट ट्राफी जीत ली है। नगर में स्थित एम क्यू इंटर कॉलेज के मैदान में चल रहे शेख कुदरत उल्लाह मेमोरियल सात दिवसीय क्रिकेट टूनार्मेंट का हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ जिसमें क्रिकेट ट्रॉफी जीतने वाली टीम को मुख्य अतिथि पूर्व विधायक हाजी नईम उल, वरिष्ठ समाजसेवी प्रसिद्ध चिकित्सक मनोज कुमार वर्मा व विशिष्ट अतिथि असजद चौधरी ने एवार्ड देकर सम्मानित किया।टूनार्मेंट में मैन ऑफ दी सीरीज व मैन ऑफ दी मैच राजा चौधरी रहे। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी एवं चिकित्सक डॉ मनोज कुमार वर्मा, जावेद शम्स,जफर अंसारी,कैफ चौधरी ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि खेलों से युवाओं का मानसिक व शारिरिक विकास होता है साथ ही खेल के मैदान में आपसी मोहब्बतें भी बढ़ती हैं तथा युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा को निखारने का मौका मिलता है हम सभी को खेलों में अवश्य हिस्सा लेना चाहिए। असजद चौधरी ने खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिये प्रेरित करते हुए कहा कि हमारे युवा खिलाड़ी इसी तरह खेलकूद में भाग लेकर अपने शहर व देश का नाम रोशन करें।

सलमान हसन बने आजाद समाज पार्टी के महासचिव

प्रात : किरण संवाददाता

धामपुर। सलमान हसन निवासी धामपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नींदड़ू को आजाद समाज पार्टी के प्रति लगन और कार्य निष्ठा को देखते हुए आजाद समाज पार्टी काशीराम के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद नगीना चंद्रशेखर आजाद व प्रदेश अध्यक्ष सुनील चित्तौड़ के निर्देश पर धामपुर क्षेत्र का महासचिव मनोनीत किया गया। और उनसे आशा व्यक्त की गई कि वह देश के सँविधान निमार्ता स्वर्गीय बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और बहुजन नायक काशीराम जी विचारधारा बहुजन हिताय बहुजन सुखाय को आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे और अपने कार्य को सफलता पूर्वक अंजाम देंगे तथा अपनी जिम्मेदारी को पूर्ण ईमानदारी से एवं निष्ठा से निभाते हुए पार्टी के निदेर्शों का पालन करेंगे। सलमान हसन ने कहा कि पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है। है मैं उसे ईमानदारी से पूरा करूंगा और निस्वार्थ भाव से पार्टी और जनता की सेवा करूंगा। सलमान हसन को धामपुर विधानसभा क्षेत्र का महासचिव बनने पर उनके मित्रो,शुभचिंतकों ने बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

स्टार्टर चोरी की 5 घटनाओं का खुलासा, सामान सहित सात चोर गिरफ्तार

स्योहारा। पुलिस ने किसानों के नलकूपों से चोरी हुई मोटर ,स्टार्टर की पांच अलग-अलग घटनाओं का खुलासा करते हुए 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय बिजनौर के समक्ष पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक बिजनौर के आदेश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी धामपुर व क्षेत्राधिकारी धामपुर के कुशल निर्देशन में चोरी की घटनाओं का सफलता पूर्वक खुलासा करने के लिए चलाये गये अभियान में थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार और उनकी टीम व स्वाट पुलिस ने 7 अभियुक्तों जिसमे 1. सददाम पुत्र मुन्ने नि- ग्राम दौलतपुर थाना नूरपुर जनपद बिजनौर 2. नाजिम पुत्र अली शेर नि0 ग्राम दौलतपुर थाना नूरपुद जनपद बिजनौर 3. दिलशाद उर्फ सोनू उर्फ राहुल

पुत्र अख्तर नि0 ग्राम आलमपुरा एडवा थाना नूरपुर जनपद बिजनौर 4. शहनवाज पुत्र यामीन नि0 चौराचेतरामपुर थाना छजलैट जनपद मुरादाबाद 5. इरशाद पुत्र फकीरा नि० ग्राम गौहावर थाना नूरपुर जनपद बिजनौर बताया 6. सलीम पुत्र भूरे नि0 ग्राम गौहावर थाना नूरपुर जनपद बिजनौर 7. मौ0 सलीम पुत्र मौ0 फरीद नि० मौ० शेखान तलाई कस्बा सहसपुर जनपद बिजनौर को चोरी की 2 मोटर खुली हुई व 4 स्टार्टर व 20 कि0ग्रा0 तांबे के अधजले तार के साथ गिरफ्तार किया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त मे धारा 317 (2) वीएनएस की वृद्धि करते हुए आरोपियों को न्यालय भेजा गया है। बताते चलें कि पिछले कई महीनों से क्षेत्र के कई किसानों के खेतों से पानी की मोटर आदि समान चोरी होने की घटनाएं बढ़ती जा रही थी जिससे किसानों में रोष व्याप्त था। लेकिन पुलिस के द्वारा चोरों के पकड़े जाने के बाद किसानों ने बड़ी राहत की सांस ली। इन चोरों को पकड़ने वाली टीम में थाना स्योहारा प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार, स्वाट प्रभारी सचिन मलिक, उपनिरिक्षक वीरेंद्र कुमार, उपनिरिक्षक राहुल तेवतिया, का.राजू दिवाकर, का. रजनीश , का.बबलू, का.नितेश का.,नवीन रहे।

राज मंदिर मार्केट में दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग

नई दिल्ली ।दिल्ली के मीरा बाग में बुधवार को राज मंदिर मार्केट में दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। जानकारी के मुताबिक करीब आठ राउंड फायरिंग हुई है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही आनन-फानन में पुलिस मौके पर पहुंच गई और फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। जांच के बाद ही फायरिंग की वजह का पता चल सकेगा। बता दें कि इससे तीन दिन पहले नांगलोई और अब मीरा बाग की घटना ने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। नांगलोई और मीरा बाग की घटना के पीछे एक ही गिरोह के हाथ है या फिर कोई और इसमें शामिल है। यह तो जांच के बाद ही पता चल सकेगा। सूत्रों की मानें तो कारोबारी को बदमाशों से कुछ दिन पहले ही धमकी मिली हुई थी, जिसकी

ऐतिहासिक गंगा मेले में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन सहित दर्जन भर कार्यक्रम करेगा वेंकटेश्वरा

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला। श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय / संस्थान में धार्मिक आस्था के प्रतीक ऐतिहासिक गंगा मेला-2024 में संस्थान की ओर से आयोजित होने वाले विभिन्न आयोजनों के बारे में प्रेस वार्ता कर विस्तार से जानकारी दी गयी` श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति एवं संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि के आधिकारिक प्रतिनिधि डा. राजीव त्यागी ने बताया कि अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, इंडियन आईडल एवं सोनी म्यूजिक मुम्बई के कलाकारों द्वारा म्यूजिकल नाईट, गंगा स्वच्छता अभियान, वृहद निःशुल्क चिकित्सा शिविर समेत एक दर्जन से अधिक आयोजन किये जायेंगे। श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय / संस्थान के डा. सी. वी.रमन सभागार में ऐतिहासिक गंगा मेले को लेकर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस का शुभारम्भ समूह अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. (डा.) कृष्ण कान्त दवे, विश्वविद्यालय सलाहकार श्री आर एस.शर्मा, कुलसचिव प्रो. पीयूष पांडेय आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया। वैंकटेश्वरा समूह द्वारा ऐतिहासिक गंगा मेले में होने वाले विभिन्न आयोजनों के बारे में विस्तार से बताते हुए विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति एवं समूह अध्यक्ष के आधिकारिक प्रतिनिधि डा. राजीव त्यागी ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी वैंकटेश्वरा समूह ऐतिहासिक गंगा मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क उपचार एवं किसी भी आकस्मिक दुर्घटना होने पर उपचार के लिए 10 बेड का अस्थायी हॉस्पिटल एवं अत्याधुनिक एडवांस चिकित्सा सुविधाओं से लैस 2 एम्बुलेंस मेले को समर्पित करेगा` इसके अलावा चार चिकित्सकों की टीम के साथ पैरामेडिकल, नर्सिंग, लैब टेक्नीशियन समेत एक दर्जन मेडिकल प्रोफेशनल्स वहां मरीजों के निःशुल्क उपचार हेतु आगामी पन्द्रह तारीख तक उपलब्ध रहेंगे। इसके साथ ही संस्थान के नर्सिंग, पैरामेडिकल, मेडिकल स्टूडेंट्स सघन गंगा स्वच्छता अभियान चलाकर गंगा घाट पर सम्पूर्ण सफाई अभियान चलायेंगे। साथ ही संस्थान मेला दुकानदारों को 21000 इकोफ्रेंडली थैले बांटकर पालीथीन मुक्त गंगा मेले का संदेश देंगे। संस्थान के छात्र-छात्राओं के द्वारा नुक्कड़ नाटक के जरिये कन्या भ्रूण हत्या निषेध जागरूकता, नशा मुक्ति एवं यातायात जागरूकता का संदेश भी देंगे। मुख्य कार्यक्रम की कड़ी में 14 नवम्बर की शाम 6 बजे से बॉलीवुड म्यूजिकल नाईट का आयोजन होगा जिसमें इंडियन आईडल सीजन-2 की फाइनलिस्ट मशहूर प्लेबैक सिंगर शायरा खान एवं टी-सीरिज एवं सोनी म्यूजिक के मनोज वर्मा अपनी प्रस्तुति देंगे` चौदह नवम्बर को ही रात्रि दस बजे से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का शानदार आयोजन होगा, जिसमें देश के जाने-माने कवि डा. दिनेश रघुवंशी, लाफ्टर चैम्पियन कानपुर के हेमन्त पाण्डेय, पवन आगरी, सपना सोनी, डा. राहुल अवस्थी, डा. मुमताज नसीम, मोहित शौर्य, ममता शर्मा समेत एक दर्जन से अधिक दिग्गज कवि अपनी प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर डीन एकेडेमिक डा.राजेश सिंह, डा. मोहित शर्मा, डा. टी.पी. सिंह, डा. दिनेश गौतम, डा. एना ब्राउन, डा. नीतू पंवार, डा. आशीष गौतम, डा. ओमप्रकाश गुसाई, डा. अश्विन सक्सेना, डा. अनिल जायसवाल, डा. रीना जोशी, डा. राजवर्धन सिंह, एस.एस. बघेल एवं मेरठ परिसर से निदेशक डा. प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

छात्र- छात्राओं को किया कूड़े के लिए कूडेदान का प्रयोग के प्रति जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

गजरौला ।अधिशासी अधिकारी दीपिका शुक्ला के निर्देशयानुसार नगर पालिका परिषद गजरौला एवं क्ळ3-ट२२ङ्क्ल्लर४ल्लौ१ - ड' के सयुंक्त तत्वधान में वार्ड नं 12 अतरपुरा के कविनगर के कृष्णा पुब्लिक स्कूल मे सभी छात्र छात्राओं को गीला ,सूखा व हानिकारक कचरे की जानकारी देते हुए, कचरे को अलग अलग कूड़ेदानों में रखने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही सभी को स्वच्छ सर्वेक्षण - 2024 में गजरौला शहर के लिए जिटिजन फीडबैक,स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर,आत्म निर्भर वार्ड गली मोहल्लों व शहर को साफ एवं स्वच्छ बनाये रखने में अपना सहयोग के लिए जागरूक किया गया।इस कार्यक्रम में नोडल अधिकारी आदेश अग्रवाल, सफाई प्रभारी अजय कुमार, स्कूल की प्रधानाचार्य राम कृष्ण कुमार चौहान ,अध्यापक गण आदि मिशन सुनहरा कल से शाहबाज अहमद, वार्ड सफाई नायक महेश कुमार,छात्र छात्रायें अदि सभी उपस्थित रहे।

दिल्ली को औद्योगिक प्रदूषण से मुक्त कराने में जुटी आप सरकार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शहर में औद्योगिक प्रदूषण को लेकर दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक की। इस बैठक में डीपीसीसी , पर्यावरण विभाग, डीएसआईआईडीसी और एमसीडी के अधिकारी मौजूद रहे बैठक के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली में औद्योगिक इकाइयों के लगातार निरीक्षण के लिए डीपीसीसी और डीएसआईआईडीसी की 58 टीमों का गठन किया गया है। औद्योगिक अपशिष्ट की डंपिंग की निगरानी के लिए पूरी दिल्ली में 3 विभागों की 191 पेट्रोलिंग टीम तैनात की गयी है। श्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली की 1901 पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों को पीएनजी में परिवर्तित कर दिया गया हैं। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सर्दियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 25 सितम्बर को सरकार द्वारा 21 फोकस प्वाइंट पर आधारित विंटर एक्शन प्लान की घोषणा की गई थी। दिल्ली में वायु प्रदूषण में और सुधार लाने के लिए विंटर एक्शन प्लान के तहत औद्योगिक प्रदूषण पर निगरानी और उसके अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य शुरू हो गया है। औद्योगिक प्रदूषण के खिलाफ अभियान के तहत पूरी दिल्ली में 3 विभागों की 191 पेट्रोलिंग टीम को औद्योगिक अपशिष्ट की डंपिंग के उचित निपटान की निगरानी के लिए तैनात करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही डीपीसीसी और डीएसआईआईडीसी की 58 टीमें औद्योगिक इकाइयों के लगातार निरीक्षण के कार्य में तैनात की गई है` यह सभी टीमें दिल्ली में सभी औद्योगिक इकाइयों पर निगरानी रखने और उनके द्वारा प्रदूषण को रोकने के लिए त्वरित कदम उठाने का कार्य करेंगी` जिसकी रिपोर्ट समय समय पर पर्यावरण विभाग को प्रेषित की जाएंगी` डीपीसीसी की इस टीम को औद्योगिक इकाइयों द्वारा पर्यावरण नियमों के उल्लंघन करने पर , सख़्त कार्रवाई करने का भी आदेश जारी किया गया हैं

दिल्ली के 1901 पंजीकृत औद्योगिक इकाईयों को पीएनजी में परिवर्तित किया गया पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि साथ ही दिल्ली की 1901 पंजीकृत औद्योगिक इकाईयों को पीएनजी में परिवर्तित कर दिया गया है और उद्योगों को केवल अनुमोदित ईंधन पर संचालित करना अनिवार्य है। यदि कोई भी औद्योगिक इकाई पर्यावरण के नियमों का उलंघन करते पाई जायेगी, उसपर सम्बंधित विभाग द्वारा उचित और सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। गोपाल राय ने डीपीसीसी और अन्य सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए की वो औद्योगिक क्षेत्रों से औद्योगिक कचरे का नियमित उठान और उचित वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित करें साथ ही औद्योगिक इकाई केवल अनुमोदित ईंधन से संचालित हो।

फर्जी सीबीआई छापेमारी करने का आरोप निकला फर्जी

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के रूप नगर इलाके में एक महिला ने पुलिस को कॉल करके स्पेशल 26 फिल्म की तरह फर्जी सीबीआई बताकर छापेमारी करने और घर से कीमती माल उड़ाने का आरोप लगाकर सनसनी फैला दी। मामला संज्ञान में आते ही पुलिस ने छानबीन शुरू की, तो आरोप जांच में फर्जी निकला। मामले की पुष्टि डीसीपी उत्तरी राजा बांठिया ने करते हुए बताया कि मंगलवार पांच नवंबर की रात को रूप नगर इलाके में एक महिला ने पीसीआर को फोन पर सूचना दी। उसने बताया की सीबीआई के लोग बनकर उसके घर आए और घर की तलाशी के दौरान कीमती सामान ले गए।

जांच करने पर पुलिस को पता चला की स्पेशल 26 फिल्म की तरह नकली सीबीआई की टीम नहीं थी। बल्कि सीबीआई की असली छापामारी थी। सीबीआई, दिल्ली के इंस्पेक्टर तरुण गौर के नेतृत्व में टीम ने नॉर्थ दिल्ली कमला नगर, जवाहर नगर के यूबी-8 में बांहिंग ऑफ अनरेगुलेटेड डिपॉजिट स्कीम एक्ट 2019 के मामले में छापा मारा था। इस छापेमारी के दौरान उत्सव गुप्ता और उनकी पत्नी ज्योति की उपस्थिति में सर्च वारंट के साथ उचित प्रक्रिया का पालन किया गया। उत्सव गुप्ता को सीबीआई टीम ने हिरासत में लिया और बाद में सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पूछताछ के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। इसी मामले को लेकर बाद में उत्सव गुप्ता की बहन द्वारा कॉल करके आरोप लगाए गए जो आरोप झूठे और मनगढ़ंत हैं।

संक्षिप्त खबरें

राशन कार्ड से आधार सेंडिंग को लेकर किया बैठक

संग्रामपुर (मुंगेर)। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड आपूर्ति कार्यालय में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ऋषि कपूर की अध्यक्षता में जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य एजेंडा जन वितरण प्रणाली के राशन कार्ड धारकों का ई के वाइ सी को सुनिश्चित करना था। साथ ही साथ बैठक में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के द्वारा कई ऐसे लाभुक जिनका खाद्यान्न आधार सीडिंग नहीं होने की वजह से विभाग के द्वारा रोक दिया गया है वैसे लाभुकों को आधार सीडिंग के संबंध में जानकारी देने का निर्देश सभी जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं को दिया गया। ई के वाई सी के संबंध में सभी जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं को प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ऋषि कपूर ने संबोधित करते हुए कहा कि छठ पूजा की अवसर पर बहुत सारे लाभुक जो दूसरे राज्य में रहते हैं वे सभी वापस अपने गांव अभी आए हुए हैं। अतः डोर टु डोर जाकर ई के वाई करें ताकि शत प्रतिशत ई के वाई सी के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। बैठक में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि जिनका आधार सीडिंग राशन कार्ड में नहीं हुआ है उनका खाद्यान्न विभाग के द्वारा रोक दिया गया है और वैसे लाभुकों को खाद्यान्न नहीं मिल पा रहा है।

आस्था एवं विश्वास का प्रतीक है कैलाश धाम मानपुर घाट, हजारों छठव्रतियां देते है अर्घ्य

आज छठ व्रतियां देगी अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई ई०अलीगंजः- नेक नेम और शुद्धता का प्रतीक माना जाना वाला लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर अलीगंज के कैलाश धाम मानपुर घाट छठ व्रतियों के लिए कोई असुविधा नहीं हो इसके लिए सूर्यनारायण पूजा समिति के सदस्य जी जान से जुटे हैं। यह घाट अलौकिक छटा से भरा है। घाट पर अर्घ्य देने का बड़ा ही धर्मिक महत्व है। घाट के उपर सूर्य मंदिर बना है। यहां हर साल सूर्य प्रतिमा का निर्माण कराया जाता है। जिसके सामने सभी व्रती अर्घ्य देते है । स्थानीय लोगों के द्वारा ऐसा कहा जाता है कि कैलाश धाम मानपुर घाट में स्नान करने से शारीरिक रोगों का निवारण हो जाता है। यदि किसी तरह का चर्मरोग या क्षय रोग है तो वह जल्द ठीक हो जाता है। ऐसी आस्था और विश्वास है लोगो में। ऐसे कैलाश नदी जंगल और पहाड़ से निकलती है जिसमें कई तरह के जड़ी-बूटी पाई जाती है। कैलाश मानपुर घाट अपनी अलौलिक सुंदरता एवं स्वच्छता के लिए प्रसिद्व है। ऐसी मान्यता है कि इस सूर्य मंदिर में जो भी व्रती सच्चे मन और निष्ठा से मन्नत मांगते हैं। उनकी मुरादें जरूर पूरी होती है। इसी विश्वास पर इस मानपुर घाट पर दूसरे प्रदेश के लोग के साथ-साथ अलीगंज, मानपुर, सुबदरवाद, दरखा, पुरसंडा, भागलपुर, सब्सिनियाबीघा, सहित कई गांव के लोग अपने परिजन के साथ अर्घ्य देने आते है। छठ पूजा समिति तथा प्रशासन के सहयोग से यहां सभी तरह की सुविधा जैसे चिकित्सा, पेयजल, कपड़ा बदलने का घर, उपलब्ध कराई जाती है। छठ पूजा मेला समिति के अध्यक्ष योगेंद्र सुमन, दिलिप महतो, मनोज कुशवाहा, अभिषेक कुमार, रामाशीष कुशवाहा आदि कई ग्रामीणों ने बताया कि चार दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक अनुष्ठानिक कार्य में सभी ग्रामीण बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। तभी तो वर्षों से छठ पूजा समिति शांति पूर्वक सभी के सहयोग से इस मेले का शांतिपूर्वक संपन्न कराया जाता है। इस दौरान चंद्रदीप पुलिस पूरी तरह सक्रिय रहती है। अलीगंज पंचायत के मुखिया गायत्री देवी,प्रतिनिधि योगेंद्र सुमन, अवधेश कुमार ने बताया कि छठ वर्तियों कोई असुविधा या कोई परेशानी ना हो इसके लिए पूजा समिति को विशेष इंतजाम है। छठ व्रतियों को किसी तरह की असुविधा नही हो इसके लिए विशेष इंतजाम एवं वोलेटियर सक्रिय है, । प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिषेक भारती , अंचलाधिकारी रंजन कुमार दिवाकर , चंद्रदीप थानाध्यक्ष राजेंद्र सह के द्वारा घाटों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। छठ व्रतियों की सुविधा हेतु अलीगंज बाजार में पुलिस बल की तैनाती की गई, एवं प्रशासन की ओर से पूजा समिति को निर्देश दिया जा रहा है।

छठ पर्व में घाटों की साफ सफाई की प्रशासनिक तैयारी देखने पहुंचे विधायक

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। स्थानीय विधायक राजीव कुमार सिंह के द्वारा छठ पर्व में घाटों की साफ सफाई एवं प्रशासनिक तैयारी का जायजा लेने के लिए प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न छठ घाट का निरीक्षण किया गया। इस दौरान विधायक ने संग्रामपुर नगर पंचायत में स्थित बेलहरनी नदी के किनारे छठ घाट की साफ सफाई एवं व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की घाट तक पहुंचने वाले रास्ते का बारीकी से निरीक्षण किया। विधायक ने इस दौरान मौजूद नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी मनीला राज को कई प्रकार के आवश्यक निर्देश दिए।उन्होंने छठ घाटों पर साफ-सफाई, रौशनी की व्यवस्था, शुद्ध पेयजल, महिलाओं के लिए शौचालय, चेंजिंग रूम सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ताकि श्रद्धालु अपने व्रत और पूजा को शांति और सुरक्षा के साथ संपन्न कर सकें। विधायक के द्वारा झिकुली रतनपुरा चांदपुरा स्थित छठ घाट का भी मुआयना किया गया। विधायक कैसे निरीक्षण के समय अनुमंडल पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार, जदयू प्रखंड अध्यक्ष कमलनयन सिंह, मुख्य पार्षद प्रतिनिधि नंदकिशोर यादव, उप मुख्य पार्षद मनोज शाह सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

लोक आस्था का महापर्व छठ, नेक नियमों का निष्ठा : प्रभाकर कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंज : छठ... यह दो अक्षरों का शब्द अपने भीतर एक अनूठी संस्कृति को समेटे हम बिहारियों के लिए एक एहसास है... यह महापर्व बहुत ही खास है, क्योकिं यह पर्व दूर गए अपनों को पास लाता है। परदेश गए वो अपने इसी महापर्व में वापस अपने घर लौटते हैं और आस्था के जल में डुबकी लगाकर इन चार दिनों तक चलने वाले महापर्व में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। इस महापर्व की शुरूआत कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को नहाय-खाय के साथ शुरू होती है। इस दिन प्रातःकाल पूरे घर की साफ-सफाई के बाद स्नान-ध्यान करके पूरी शुचिता के साथ कदुआ-भात पकाया जाता है और प्रसाद स्वरूप पूरा कुटुंब उसका सेवन करता है। पूरे घर में अलौकिक - दिव्यता का माहौल निर्मित होता है, जिसमें शारदा सिंहा की मधुर आवाज में छठ गीत की ध्वनि पूरे वातावरण को छठमाई कर देती है। इस छठ से जुड़ी अनेक पौराणिक कहानियाँ हैं, जिसमें सबसे प्रचलित कथा के अनुसार त्रेतायुग में माँ सीता के द्वारा बिहार के मुंगेर में गंगा तट पर की गई उनकी -सूर्य उपासना है जहां आज भी उनके चरण चिह्न की मौजूदगी की मान्यता है। वहीं द्वापर युग में पांडवो के विजय के लिए द्रोपदी ने भी छठी मईया की उपासना की थी और अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजते हुए यह पर्व आज भी बिहार की लोक आस्था का महापर्व बना हुआ है। नहाय-खाय के अगले दिन पंचमी को व्रती दिन भर उपवास के पश्चात संध्या बेला में पूजा-अर्चना के उपरांत खरना के प्रसाद का सेवन करते हैं, जिसमें अपनी-अपनी क्षमता व उपलब्धता के आधार पर खीर-रोटी, दाल-भात, दूध-भात के साथ गुड़ के रवा का प्रयोग होता है। इस खरना के प्रसाद को अपने कुटुंब के साथ-साथ मित्रों व रिश्तेदारों को भी प्रदान किया जाता है। खरना के प्रसाद सेवन करके व्रती लगभग छत्तीस घण्टे निर्जला उपवास का संकल्प लेते हैं.. षष्ठी के ब्रह्म मुहूर्त में घर के कुछ लोग स्नान-ध्यान करके पूरी शुचिता के साथ छठ का महाप्रसाद ठेकुआ की निर्मिति के लिए एकत्रित होते हैं। ठेकुआ महाप्रसाद को चावल व गेहूं के आटे के साथ गुड-चीनी मिलाकर शुद्ध घी में तैयार किया जाता हैं। वहीं घर के कुछ लोग सुबह-सुबह बाजार से फलों की खरीदी करने निकल पड़ते हैं.. यह पर्व हमारे उन उपेक्षित फलो-सब्जियों (सुथनी, गागर निम्बू जैसे फलों) को भी वरीयता का दर्जा दिलवाता है, जो आधुनिकता की अंधी दौड़ में अपनी श्रेष्ठता साबित नहीं कर पाए... षष्ठी की संध्या को व्रती के साथ पूरा कुटुंब सज-धज कर गाँव के तालाब, पोखर या नदी के किनारे एकत्रित होकर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देता है। यह प्रतीकात्मक रूप से इस बात की उद्घोषणा है कि हमारी संस्कृति हर निराश व्यक्ति को यह ढाढस देती है कि निराशा के बाद आशा का सूर्योदय होना तय है और साथ ही यह डूबते सूर्य को अर्घ्य अनुभव को सम्मान का प्रतीक है। संध्या अर्घ्य के पश्चात घर लौटकर पूरा परिवार एकजुटता के साथ लोकगीत गाता है। जीवन के रफ्तार के साथ तालमेल बिठाने जो नई पीढी शहर गई है, उनको एहसास कराता है कि दो कमरों से बड़ा भी घर होता है जहाँ मिल बैठकर हर समस्या का हल होता है । सप्तमी के ब्रह्म मुहूर्त में उठकर पूरा परिवार स्नान ध्यान करके, सज-संवरकर व्रती के साथ पुनः उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने घाट पर जाते हैं और लौटते वक्त प्रसाद का वितरण करते हुए बड़े उत्साह के साथ आशीष प्राप्त करते हैं। यह पर्व समानता की ऐसी उद्घोषणा है कि इसके किसी पूजन कार्यक्रम में किसी पांडित्य कर्म की कोई आवश्यकता नहीं.. यह पूर्णतः प्रकृति के प्रत्यक्ष देव सूर्य की उपासना का एक महापर्व है। आज यह सिर्फ बिहार क्षेत्र तक सीमित. पूरे विश्व में जहां कहीं भी बिहारी संस्कृति ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है वहां छठ महापर्व मनाया जा रहा है। भारत के अधिकांश पर्व पर बाजारवाद और पश्चिमीकरण का प्रभाव बढ़ता जा रहा है, किंतु छठ आज भी लोक आस्था का एक महापर्व है जो मूल प्रकृति व संस्कृति को संजोए रखे हैं।

श्रद्धालुओं के बीच नारियल का वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

जमुईः लोक आस्था का महापर्व छठ के दौरान लेट्स इंस्पायर बिहार के तत्वावधान में जे बी फ्लेक्स एंड आल प्रिंटिंग प्रेस, सर्वजन कल्याण सेवा समिति और सिंह फार्मा के सहयोग से खैरा प्रखंड के निजुआरा महादलित टोला में छठव्रतियों के बीच नारियल का वितरण किया गया। समाजसेवी डा विभूति भूषण ने कहा कि लोक आस्था का महापर्व छठ हमारे देश की सभ्यता और संस्कृति से जुड़ा हुआ है। वर्तमान समय में बिहार,झारखंड और उत्तर प्रदेश के अलावा अलग-अलग प्रांत के लोगों द्वारा भी छठ का त्यौहार मनाया जाने लगा है ।यह त्यौहार अनेकता में एकता को परिभाषित करता है और सभी लोगों को एकसूत्र में बांधने का काम करता है। विदेश में रहने वाले भारतवासी लोगों के द्वारा भी यह त्यौहार मनाया जाने लगा है। उन्होंने कहा कि इस त्यौहार के दौरान नियम ,निष्ठा और शुद्धता के साथ चार दिनों तक उपवास रखकर छठव्रतियों द्वारा भगवान भगवान भास्कर की आराधना की जाती है। इसलिए हम सबों को इस त्यौहार को अपने परिवार के लोगों के साथ ही मनाना चाहिए। इस मौके पर अभिषेक कुमार झा, विकास आनंद, पंकज कुमार सिंह,लाली सिंह,शुभम सिंह,राबिन कुमार सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे

कनाडा में हिंदू मंदिरों पर हमला और हिंदू समुदाय पर जुल्म बेहद चिंताजनक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुईः-कनाडा में हिंदू मंदिरों पर हो रहे हमले और हिंदू समुदाय के साथ किये जा रहे जुल्म पर अपनी प्रतिक्रिया में नगर परिषद जमुई स्थित के के एम कॉलेज के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय विश्व शांति एवं एकजुटतर संगठन के सदस्य डॉ.गौरी शंकर पासवान ने कहा कि कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार में हिंदू मंदिरों पर हमले और हिंदू समुदायों पर जुल्म के वल चिंतनीय ही नहीं, बल्कि निंदनीय भी है। यह अत्याचार और घटना वहां की हिंदू अल्पसंख्यक की धार्मिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला के समान है। इतना ही नहीं खालिस्तानियों जैसे कुछ आतंकवादियों द्वारा हिंदू समुदायों और हिंदू मंदिरों पर हमले कनाडा की बहुसांस्कृतिक पहचान पर सवालिया निशान खड़ा करता है। इस तरह की हमले से कनाडा में सामाजिक ताने-बाने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है,जिससे समाज में असहिष्णुता आदि की भावना बढ़ सकती है। जस्टिन ट्रूडो सरकार की यह जिम्मेवारी बनती है कि वह कनाडा में हिंदू मंदिर और समुदाय की सुरक्षा और सम्मान की रक्षा करें। प्रधानमंत्री ट्रूडो की चुप्पी का मतलब स्पष्ट है कि हिंदुओं के साथ हो रही घटनाओं के प्रति वे उदासीन हैं या अंकुश लगाने में नाकाम है अथवा सब कुछ उनके सह पर हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर ने हमले की कड़ी निंदा कर जस्टिन ट्रूडो को चेता दिया है कि 3.18 करोड़ की आबादी वाले कनाडा को 142 करोड़ की आबादी वाले न्यू इंडिया से टकराना और झूठा दोषारोपण मढ़ना महंगा पड़ सकता है। क्योंकि आज भारत दुनिया की आवाज बन चुका है। भारत सरकार ही नहीं बल्कि भारतीय नागरिकों को यह संदेश देना चाहिए कि दुनिया के किसी भी देश में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ अत्याचार और जुल्म बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ जैसे संगठनों को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र संघ धार्मिक स्वतंत्रता तथा अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा के लिए कड़ी नीति अपनाए। कनाडा में हिंदू मंदिरों एवं समुदायों पर हो रहे हमले भारत के 115 करोड़ हिंदुओं के लिए के वल विदेश की घटना नहीं है, बल्कि उनकी आस्था और संस्कृति पर भी हमला है। गौरतलब है कि कनाडा में हिंदू 2.3 प्रतिशत हैं, तो सिख 2.1 प्रतिशत हैं। कनाडा में कुछ खालिस्तान समर्थक गुट सक्रिय है, जो वहां से भारत के खिलाफ गतिविधियों में शामिल है। भारत में इन गतिविधियों पर जस्टिन ट्रूडो सरकार से लगाम लगाने की अपील की थी लेकिन ट्रूडो सरकार सख्त कदम उठाने की बजाय उन्हें संरक्षण दे रही है। भारतीय हिंदू एकजुट होकर तथा सभी राजनीतिक दलों द्वारा कनाडा की घटना पर विरोध किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

बिहार के 29 जिलों में 92 लाख 8 हजार लीटर शराब जब्त को नष्ट करने का आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। बिहार में शराबबंदी कानून 2016 से लागू हुआ है उत्पाद विभाग और पुलिस विभाग की तात्पर्यता से राज्य के 29 जिलों में 9 लाख 28 हजार लीटर शराब माल खाने और थाने में भरे हुए हैं राज्य के उत्पादन आयुक्त रजनीश कुमार सिंह ने 29 जिलों के डीएम एसपी को अभियान चला कर जब्त शराब को नष्ट करने का आदेश दिया है जब्त शराब के बिना किसी कारण के बाद उन्होंने सभी जिलों से रिपोर्ट भी मांगी है आदेश में कहा गया है की जिला बार सूची जारी कर दी गई है कि शराबबंदी के साथ ही उसकी बरामदगी के बाद से नष्ट करने के आदेश जारी किए गए थे जिलों से आ रही रिपोर्ट के अनुसार आदेश का अनुपालन नहीं हो रहा है रिपोर्ट के अनुसार सुबह में वर्तमान 92 लाख 8 हजार लीटर जब्त शराब जमा हो चुकी है इसकी दूसरी उपयोग की भी आशंका है इतनी भारी मात्रा में शराब के कारण पुलिस के माल खाने भी बार-बार फुल हो रहे हैं उत्पाद आयुक्त द्वारा जारी सूची के अनुसार राज्य में अधिक शराब पटना जिले में कुल 1 लाख 42000 लीटर जब्त शराब जमा है वहीं मुजफ्फरपुर में 37000 लीटर पाई गई इसी तरह गोपालगंज में 22000 लीटर बक्सर में 67000 लीटर सारण में 40000 लीटर सीतामढ़ी में 36000 लीटर एरिया में 36000 लीटर चंपारण में 19000 लीटर।

हजरत चंदन शाह पीर बाबा का मनाया गया उर्स मुबारक

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (कोर्ट)। लखनपुर स्थित तारापुर अनुमंडल में मनाया गया हजरत चंदन शाह पीर बाबा का उर्स मुबारक जिसमें मुस्लिम समुदाय के लोगों ने दरगाह पर जाकर चादर एवं फुल चढ़कर देश में शांति एवं अमन चयन की दुआएं मांगी। इस मेले हजारों संख्या में लोगों की भीड़ लगी तथा इसके अलावा कव्वाली का भी प्रोग्राम को भी सुना गया इस कार्यक्रम में कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बनाए रखने में अपना काफी योगदान दिया।

मिर्जागंज में भूमि विवाद के रंजिश में युवक के छाती में मारी गोली, पटना रेफर

घायल युवक जुट व प्लास्टिक के बोरा का करते थे व्यापार

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंज : एक तरफ सभी लोग आस्था के महापर्व छठ की तैयारी में लगे है, तो दूसरी तरफ अपराधियों के हौसले बुलंद है। वहीं सिकंदरा थाना क्षेत्र अंतर्गत मिजागंज में बुधवार की सुबह करीब 7:00 बजे बदमाशों ने मिजागंज निवासी गरीबन साव के पुत्र भगवान कुमार को गोली मार दी। गोली युवक के छाती में लगी है। आनन- फानन में स्वजन द्वारा युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां छाती के अंदर गोली फंसे होने की वजह से डॉक्टर ने पटना रेफर कर दिया।घायल भगवान कुमार के पिता गरीबन साव ने बताया कि वे जुट व प्लास्टिक के बोरा का व्यापार करते हैं। हमेशा की तरह उनका पुत्र भगवान कुमार बुधवार की सुबह करीब 7:00 अपना दुकान खोला। इसी दौरान पड़ोसी रिशु साव, दीपक साव बोरा लेने के बहाने दुकान पर आया और साथ में बाइक से आए एक अज्ञात युवक ने गोली चला दी।जबतक परिवार वाले आते तबतक सभी लोग फरार हो गया। उन्होंने बताया कि कुछ वर्षों से पड़ोसी अरुण साव के साथ उनका जमीनी विवाद चल रहा है।इसी रंजिश में हत्या की नीयत से उनके पुत्र को गोली मारी गई है। उन्होंने गोली मारने से पहले रेकी करने का आरोप अरुण साव और उनकी पत्नी पर लगाया है। पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है। फिलहाल सभी आरोपित फरार हैं। कुछ महीना पहले भी मिजागंज मे अपराधियों ने एक बृद्ध की गला रेत कर हत्या की थी।

छठ व्रती महिलाएं ने खरना का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला उपवास किया शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। लोक आस्था का सबसे बड़ा चार दिवसीय अनुष्ठान छठ पर्व आस्था शुचिता एवं हर्षोल्लास के साथ छठी व्रती महिलाएं कर रही है। गौरतलब है कि बुधवार के दिन दोपहर बाद से ही घरों के भीतर पूरी शुचिता के साथ महिलाएं ने मिट्टी के नए चूल्हों पर पीतल के बर्तन में गंगाजल के साथ खरना का महाप्रसाद खीर बनाने की तैयारी में जुट गई। खरना का महाप्रसाद बनाने के दौरान घर एवं आस-पड़ोस की अन्य महिलाएं द्वारा गाए जा रहे लोक गीतों में उगी हे सुरुज देव , कांच ही बांस के बहंगिया, एवं सोने के खड़ाऊं हे दीनानाथ , से आस पड़ोस सहित घर के सभी लोग धीरे-धीरे भक्ति रस में सराबोर हो उठे । बता दें की संपूर्ण क्षेत्र में दिनों भर जगह जगह छठ महापर्व के मौके पर बजते पारंपरिक गीतों से संपूर्ण क्षेत्र के लोग भक्ति रस में सराबोर हो गए हैं । सभी जगहों पर पूरी तरह से घाट की साफ सफाई से लेकर रोशनी की व्यवस्था भी पूरी कर ली गई है । इधर पहली बार छठ कर रही छठव्रती महिलाएं में मेघा श्री ने खरना का महाप्रसाद बनाने के दौरान बताया कि एक गजब की अनुभूति के साथ साथ बेहद अलौकिक शक्ति का संचार शरीर में होने का महसूस कर रही हूं । महिलाए शाम ढलने के बाद खरना का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू कर दिया। इसके पहले भारी भीड़ के बीच लोगों ने अपने-अपने स्थानीय बाजारों से खरना का अन्य प्रसाद की खरीददारी भी तारापुर एवं असरगंज पहुंचकर किया । सुबह 8:00 से संध्या 5:00 बजे तक खरना का महाप्रसाद खरीदने को लेकर बाजार में भारी भीड़ रही। व्रती महिलाएं ने खरना प्रसाद ग्रहण के बाद आस-पड़ोस के लोगों के बीच भी खरना का महाप्रसाद वितरण किया । शहर एवं ग्रामीण इलाके में यह कार्यक्रम देर रात्रि तक चलता रहा ।

छठ महापर्व को लेकर जिले की सभी गंगा घाटों की सफाई पूर्ण कर लिया गया है : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। मंगलवार से छठ महा पर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान प्रारंभ हो गया है। इसे लेकर जहां जिला प्रशासन द्वारा पर्व को संपन्न कराने को लेकर चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की पूरी तैयारी कर ली गई है, वहीं नगर निगम प्रशासन द्वारा सभी गंगा घाटों की सफाई पूर्ण कर लिया गया है। मंगलवार को जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह द्वारा सभी गंगा घाटों का निरीक्षण कर वहां की सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया । इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, प्रभारी नगर आयुक्त कुमार अभिषेक सहित अन्य उपस्थित थे। डीएम ने कहा कि मंगलवार से महा पर्व छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान प्रारंभ हो गया है और छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। आज बबुआ घाट पर जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच फल सहित सूप का वितरण किया गया। वहीं 7 एवं 8 नवंबर को अस्ताचल गामी एवं उदयाचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए विभिन्न गंगा घाटों पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जहां दंडाधिकारियों एवं पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। वहीं घाट पर सफाई व्यवस्था को पूर्ण कर लिया गया है। रोशनी और सीसीटीवी कैमरे की भी व्यवस्था की गई है। साथ ही महिला श्रद्धालुओं के लिए स्थाई तथा अस्थाई चेंजिंग रूम की भी व्यवस्था की गई है जहां महिला अधिकारी एवं पुलिस बल की भी प्रतिनियुक्ति रहेगी। इसके अलावा सभी घाटों पर एसडीआरएफ की टीम को लगातार भ्रमण करने तथा गोताखोरों को प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया गया है। बड़े नावों की भी व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी ने सभी जिलेवासियों को छठ महा पर्व की शुभकामना देते हुए पर्व को शांति एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने तथा आम जन से जिला एवं पुलिस प्रशासन को सहयोग की अपील भी की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह सभी पर्वों को भक्तिपूर्ण माहौल में आप सबों के सहयोग से शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया है उसी तरह छठ पर्व को भी शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जाएगा।

शारदा सिन्हा की छात्रा होना मेरे लिए गर्व की बात : कामिनी

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। बिहार कोकिला लोकगायिका पद्म भूषण शारदा सिन्हा का बीते मंगलवार की देर रात 72 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे बीते कुछ दिनों से बीमार थीं और दिल्ली एम्स में इलाजरत थीं। उनके निधन पर चाहने वालों में शोक की लहर है। शारदा सिन्हा के निधन पर डॉ. सिन्हाज हेल्थकेयर एंड रिसर्च फाउंडेशन की अध्यक्ष कामिनी सिन्हा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि लोकगीतों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचाने दिलाने में शारदा सिन्हा का अभूतपूर्व योगदान रहा है। जब शारदा सिन्हा समस्तीपुर महिला महाविद्यालय में संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष थीं, तब उनसे पढ़ने और सीखने का मुझे भी सौभाग्य मिला। शारदा सिन्हा की छात्रा होना मेरे लिए गर्व की बात है। शारदा सिन्हा ने न केवल बिहार के लोकगीतों बल्कि छठ, विवाह, सोहर, मैथिली, बज्जिका, अंगिका के गीतों को भी अपनी मधुर आवाज दी। जमुई जिला के साहित्यकार ज्योतींद्र मिश्र के गीतों को भी शारदा सिन्हा ने अपने गायन से उत्कृष्टता दी। शारदा सिन्हा का असमय चले जाना सांस्कृतिक और सहित के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति है।

लोक आस्था का महापर्व छठ आज

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। लोक आस्था व सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा की तैयारी छठ व्रतियों द्वारा जारी है ।नहाय खाय के साथ शुरू हुए इस छठ पर्व पर छठ मैया की आराधना को ले प्रखंड क्षेत्र के श्रधालुओं द्वारा फल,फूल,नारियल,सुप,सुपती,डलिया की खरीददारी को लेकर बाजार में काफी चहल पहल देखी जा रही है। क्षेत्र के लोग पर्व की तैयारी को लेकर बाजार में जरूरी पूजन सामग्री की खरीददारी करते देखे जा रहे हैं। पर्व को लेकर बाजारों में रौनक एक बार फिर लौट आयी है ।जबकि छठ पूजा में काम आने वाली पूजन सामग्री की कीमत में पिछले वर्षों की तुलना इस वर्ष भी काफी बृद्धि हुई है। लेकिन,महापर्व के प्रति छठ व्रतियों की भगवान भास्कर के प्रति आस्था महंगाई पर भारी पड़ रही है। पर्व को लेकर छठ में केला,सेब,अन्नास पानीफल,बताशा,पान सुपाड़ी,धूप अगरबत्ती,कपड़े आदि की बिक्री के लिए दुकान में लोगों की भीड़ लगी हुई है ।मंगलवार को नहाय खाय के साथ शुरू हुए लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ के दूसरे दिन बुदवार को छठ व्रती महिलाएं खरना को लेकर प्रसाद बनाने में जुटी हुई हैं। देर संध्या खरना सम्पन्न होने के उपरांत लोग खरना का प्रसाद ग्रहण करेंगे। त्योहार को लेकर परिवार में महिला एवं बच्चों में काफी उत्साह है, वहीं छठ पर्व पर महिलाओं द्वारा गाये जाने वाले पारंपरिक लोक गीतों से वातावरण आध्यात्मिक रूप से भक्तिमय हो गया है। चार दिनों तक चलनेवाला यह महापर्व छठ नहाय खाय से शुरू होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के उपरांत दूसरे दिन उगते हुए सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पण करने के साथ संपन्न होगा। वहीं ग्रामीण स्तर पर गांव टोलों में बूढ़े जवान या युवा सभी पर्व को लेकर साफ सफाई में जूटे हुए हैं।

महिला अस्मिता का पक्ष

मैरिटल रेप, यानी पत्नियों के ऊपर यौन हिंसा जायज है या फिर नाजायज, इसको लेकर चर्चा जोरों पर है। आखिर मैरिटल रेप क्या है? भारतीय न्याय संहिता के तहत अगर कोई पुरुष किसी महिला की सहमति के बगैर उसके साथ संबंध बनाता है तो यह बलात्कार है। इसके लिए कम से कम दस साल की सजा का प्रावधान है और कुछ मामलों में यह सजा उम्रकैद भी हो सकती है। हालांकि बिना सहमति के कोई व्यक्ति अगर अपनी पत्नी के साथ संबंध बनाए और अगर पत्नी की उम्र 18 साल या उससे अधिक है तो यह कानूनन बलात्कार नहीं है। इस समय यह ज्वलंत मुद्दा देश की न्याय व्यवस्था के समक्ष विचाराधीन है। भारत उन तीन दर्जन देशों में से एक है जहां शादी के बाद अपनी पत्नी से बिना मंजूरी के संबंध बनाने को बलात्कार नहीं माना जाता है। दुनिया के 185 देशों में से, 77 देशों में मैरिटल रेप पर कानून बना है। बाकी 108 देशों में से 74 देश ऐसे हैं जहां महिलाओं को रिपोर्ट दर्ज कराने का अधिकार है, जबकि भारत समेत 34 देश ऐसे हैं जहां पत्नी से रेप करने वाले पति को समाज के साथ कानून भी दोषी नहीं मानता है। इंटीमेसी यानी कामुकता और सेक्स संबंध पति-पत्नी के रिश्ते का अहम पहलू है, लेकिन अगर पति-पत्नी के बीच दुष्कर्म की बात कही जाए तो शायद कुछ लोग इसे मानने से इनकार करेंगे। लेकिन मैरिटल रेप पर हमारे देश में आए दिन चचाएँ हो रही हैं। मैरिटल रेप यानी जब पति पर अपनी ही पत्नी के दुष्कर्म के आरोप लगें। जब पति ही पत्नी का शारीरिक शोषण करे, तो अनेक सवाल खड़े हो जाते हैं। अब आप कहेंगे कि पति-पत्नी के बीच तो शारीरिक संबंध होते ही हैं, तो फिर यह मैरिटल रेप दुष्कर्म कैसे हुआ? दरअसल मैरिटल रेप को लेकर हमारे देश में दो मत हैं। एक वर्ग का मानना है कि मैरिटल रेप जैसे कानून के आने के बाद इसका गलत इस्तेमाल किया जाएगा, क्योंकि शादी से जैसे रिश्ते में यह तय करना कि कब रेप हुआ है और कब नहीं, बेहद मुश्किल है। मैरिटल रेप के आरोपी को अपने आपको निर्दोष साबित करने में कठिनाई होगी। साथ ही कुछ पत्नियों द्वारा कानून का ज्यादातर दुरुपयोग किया जाएगा। वहीं महिला संगठन इसे महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जरूरी मानते हैं। उनका मानना है कि मैरिटल रेप स्त्री-पुरुष के बीच एक मनोविकार है। वैवाहिक जीवन में संतुष्टि का आनंद तभी मिलता है जब स्त्री और पुरुष के बीच सहमति होती है। लेकिन असहमति तमाम विद्वेष और विकारों को जन्म देती है। इस तरह की हरकत से स्त्री की निगाह में पुरुष गिर जाता है। उस स्त्री की नजरों में देवता बना पति दानव बन जाता है। यूं तो किसी भी वैवाहिक संबंध में पति और पत्नी लगातार एक-दूसरे से उचित यौन संबंध की अपेक्षा रखते हैं। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि पति अपनी पत्नी के शरीर की आजादी को हिंसक तरीके से भंग कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने भी 1993 में महिलाओं के खिलाफ हिंसा संबंधी अपने घोषणापत्र में मैरिटल रेप को शामिल किया था। यूएन ने सभी देशों से कहा था कि इसे महिलाओं के साथ हिंसा के तौर पर ही देखा जाए। साथ ही, इससे जुड़े कानून बनाने की भी गुजारिश की थी। विश्लेषकों के अनुसार, चूंकि यह अपराध घर के बंद कमरों में होता है, इसलिए इसे लेकर समाज में शुरू से ही एक तरह की मौन स्वीकृति रही है। यौन हिंसा को लेकर बड़े स्तर पर अलग-अलग देशों के कानून में प्रगतिशील बदलाव देखे गए हैं। वहीं, पति द्वारा किए जाने वाले ह्यवैवाहिक बलात्कारह्ल को आज भी एक सवालिया नजर से देखा जाता है। अमरीकी थिंक टैंक प्यू रिसर्च के एक सर्वे के मुताबिक, हर 10 में से 9 भारतीयों का यह मानना है कि पत्नियों को पतियों की बात माननी चाहिए। बात न मानने की सूरत में और महिलाओं की शारीरिक स्वायत्तता के हनन का नतीजा अक्सर हिंसा के रूप में सामने आता है। अब भी दुनिया के एक बड़े हिस्से में इस अवधारणा को सामाजिक स्वीकृति मिली हुई है कि शादी के रिश्ते में सेक्स के लिए सहमति का कोई महत्व नहीं है।

अब एक और नयी दिल्ली बसने का समय

ये दिल्ली किसकी दिल्ली है ? ये मुगलों की दिल्ली है? ये अंग्रेजों की दिल्ली है? ये आजाद भारत की राजधानी दिल्ली है? पता नहीं ये किसकी दिल्ली है? ये दिल्ली किसी की भी दिल्ली हो लेकिन आज की दिल्ली रहने लायक दिल्ली नहीं है। यहाँ सांस लेना मुहाल है। दिल्ली जिस यमुना के तीरे बसी है वो दिल्ली फसूकर डाल रही है। इस यमुना के तीरे कोई कदम्ब की डाल नहीं है जिसके ऊपर बैठकर दो पैसे की बंशी बजाकर कोई धीर-धीरे कन्हैया बन सके यानि अब हमें एक और नयी यमुना तथा एक और नई दिल्ली बनाना होगी। इस दिल्ली से, इस यमुना से देश की जनता काम नहीं चलने वाला। हमारी सरकार ने पिछले दस साल में अंग्रेजों के जमाने का, मुगलों के जमाने का और तो और कांग्रेस के जमाने का बहुत कुछ बदला है। शहरों के, स्टेशनों के, सड़कों के, स्टेडियमों के नाम बदले हैं, इसलिए हम चाहते हैं कि अब सरकार इस जानलेवा दिल्ली को भी बदल ही दे तो बेहतर। सरकार समर्थ सरकार है। सरकार ने नई संसद बना दी तो नई दिल्ली को कोई नया नाम देकर किसी दूसरी जगह बसाया जाना चाहिए। आज की दिल्ली, कल की दिल्ली से ज्यादा भयावह है। ये बहादुरशाह की दिल्ली भी नहीं है और पंडित जवाहर लाल नेहरू की भी दिल्ली नहीं है। आज की दिल्ली पंडित नरेंद्र दामोदर दास मोदी की दिल्ली है। बजबजाती दिल्ली, गंधाती दिल्ली। बचपन में हमने सुना था कि दिल्ली की बात निराली होती है लेकिन आज देख रहे हैं कि दिल्ली की बात निराली नहीं काली है। दिल्ली वो अब दिल्ली नहीं बल्कि जलती हुई पराली है। इस दिल्ली में लोग जान हथेली पर रखकर जी रहे हैं क्योंकि दिल्ली को हवा सांस लेने लायक नही। दिल्ली का प्रदूषण सरकार नहीं, बेहोश जनता बढ़ा रही है। जनता पर दोष इसलिए मढ़ रहा हूँ, क्योंकि जनता बेचारी होती है। सरकार पर दिल्ली की बदहाली का दोष मढ़ने का साहस मुझमें नहीं है। ये दिल्ली अरविंद केजरीवाल और अमित शाह के बीच बंटी हुई दिल्ली है। ये दोनों ही इस दिल्ली के भाग्यविधाता हैं। बाकी तो केवल बातें हैं और बातों का क्या? हम दिल्ली को बेकार बताएँगे तो सरकार हमें भी दूसरों की तरह अर्बन नक्सली कहने में देर नहीं लगाएगी, इसलिए हम खामोश हैं लेकिन सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के वायु प्रदूषण विशेषज्ञ विवेक चट्टोपाध्याहय बताते हैं कि 2006 के बाद से दिल्लीव-एनसीआर में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है. जबकि इस साल अक्टू बर से लेकर इस महीने का सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड का एयर क्वालिटी इंडेक्स देखें तो दिल्ली-एनसीआर की हवा लगातार बहुत खराब या खराब स्थिति में बनी हुई है। अब सरकार विवेक जी को अर्बन नक्सली कहने लगे तो हमारी बला से। हम जानते हैं, आप जानते हैं, सरकार जानती है, सब जानते हैं कि दिल्ली में कुल आबादी का 55 प्रतिशत हिस्सा सड़क के 300 से 400 मीटर के दायरे में रहता है. ऐसे में वाहनों से निकलने वाले प्रदूषण के सीधे प्रभाव में वही आते है। जिसका प्रभाव यह होता है कि वे इस प्रदूषण को सीधे सांस के माध्यधम से खींचते हैं। इस वजह से सांस से जुडी समस्याएिं सबसे ज्या दा सामने आती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन मानता है कि भारत में 100 फीसदी आबादी जिन इलाकों में रहती है वहां पीएम 2.5 का स्तमर डब्यूरत मएचओ की गाइडलाइंस को पूरा नहीं करता। .यहां प्रदूषण स्तीर इतना ज्या2दा होता है कि महज कुछ दिनों में ही गंभीर बीमारियां पैदा हो सकती। दिल्ली दरअसल अब कबूतर -खाना है। यहां सम्पन्न इलाकों को छोड़ दिया जाये तो ज्यादातर मकान कबूतर के दड़बों जैसे ही है। वे झुग्गियां हों या करोड़ , दस करोड़ के फ़्लैट और बंगले, सबकी हवा प्रदूषित है। दुनिया की तमाम मशीने , दिल्ली की हवा को स्वच्छ नहीं कर पा रहीं। हवा को शुद्ध, हवा ही करती है। पेड़-पौधे करते है। फैक्ट्रियों से उठता धुंआ नहीं। सरकारों के बूते की ये बात है भी और नहीं भी। सरकार न यमुना को मरने से बचा पा रही है और न दिल्ली को। दिल्ली की सीमा से लगे हरियाणा, उत्तरप्रदेश और राजस्थान में डबल इंजिन की सरकारें हैं लेकिन वे न दिल्ली की सुनतीं हैं और न दिल्ली उनके कान उमेठ पाती है। हमारी पीढी उस दिल्ली को मरता हुआ देख रही है जो पहले इतनी जानलेवा नहीं थी। इस दिल्ली में इंसान ही नहीं बल्कि बेजान इमारतें, स्मारक, समाधियां, मंदिर, मस्जिद सबके सब प्रदूषण के शिकार हैं। दिल्ली की दोनों सरकारें या तो कानों में कपास के फाहे लगाए बैठीं हैं या उन्होंने आज के जमाने के ईयर वड लगा रखे है।

महाराष्ट्र की राजनीति के केंद्र बिंदु बने उद्धव ठाकरे

यह सही है कि उद्धव की पार्टी एक छोटी पार्टी है लेकिन फिर भी वे वर्तमान में महाराष्ट्र की राजनीति के केंद्रबिंदु हैं, किसी भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में देख लीजिए, यदि सारी पार्टियों के नेता एक मंच पर बैठे हों तो सबसे ज्यादा सवाल उद्धव से ही पूछे जाते हैं और कैमरा भी उन पर ही होता है जबकि वे न तो मुख्यमंत्री हैं न प्रधानमंत्री लेकिन उनका जनता से सीधा जुड़ाव है इसलिए उनको मीडिया कवरेज मिलता है। उनकी बात रोमांच पैदा करती है इसलिए उनको कवरेज मिलता है और उनको कवरेज हमेशा मिलता रहेगा उनके पिताजी की तरह क्योंकि वे उन्हीं के नक्शे कदम पर चल रहे हैं। बाला साहेब सत्ता की राजनीति में यकीन नहीं करते थे, इसलिए अब यह बात महत्वपूर्ण नहीं होगी कि उद्धव सेना सत्ता हासिल करेगी या मेकर बनेगी और न ही उद्धव का अब यह टारगेट होगा क्योंकि उनको विपक्ष में बैठने की आदत है।

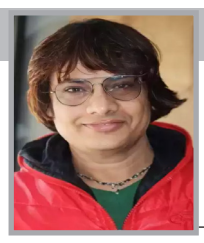

मुकेश कबीर
लेखक

आज महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे चर्चित नाम है उद्धव ठाकरे। खासकर पिछले पांच साल से जैसी राजनीति महाराष्ट्र में चल रही है उसके कारण उद्धव ठाकरे आज महाराष्ट्र में वही हैसियत रखने लगे हैं जो एक वक्त देश की राजनीति में चंद्रशेखर रखते थे। भारत के इस पूर्व प्रधानमंत्री के बारे में कहा जाता था कि ह्यदेश में यदि प्रधानमंत्री पद का सीधा चुनाव हो तो चंद्रशेखर ही जीतेंगेह्न यह उनके चार महीने के प्रधानमंत्रित्व काल की वजह से जनता में बनी उनकी छवि का नतीजा था। आज ऐसी ही छवि महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की बन चुकी है। यही कारण है कि जितने भी सर्वे अभी तक आए हैं उनमें सीएम के रूप में लोगों की पहली पसंद उद्धव ही हैं। उद्धव की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण तो यही है कि वे बाला साहेब ठाकरे के बेटे हैं। उनके प्रति लोगों की सिम्पैथी भी है और उनके ढ़ाई साल के शासन काल से भी लोग संतुष्ट थे। हालांकि पालघर की घटना ने उनके शासन पर एक बड़ा दाग लगाया लेकिन इसमें उद्धव सीधे तौर से शामिल हैं ऐसा आरोप लगाने से विपक्ष भी पूरी तरह से बचता रहा। आमतौर पर उद्धव की जो छवि बनाई गई है उसके अनुसार उनको एक अच्छा राजनीतिज्ञ नहीं माना गया है लेकिन यह ज्यादातर दिल्ली और उत्तर भारत की धारणा है जो उद्धव को न तो नजदीक से जानते हैं और न ही निष्पक्ष बात करते हैं। वे उद्धव को उत्तर भारत का विरोधी बताते हुए उन्हें हिंदू विरोधी भी बताने की कोशिश करते हैं। यही कारण है कि महाराष्ट्र की राजनीति और मराठी जानमानस की सही तस्वीर पूरी तरह देश के सामने आ ही नहीं पाती और फिर बीजेपी के लोग भी उद्धव की जो छवि पेश करते हैं, उसमें पूरी तरह खुद को पाक साफ और उद्धव को गलत बताते हैं साथ ही उद्धव को एक अयोग्य नेता करार देते हैं। इसी गलतफहमी में बीजेपी ने लोकसभा में महाराष्ट्र गंवा दिया वरना आज बीजेपी को स्पष्ट बहुमत मिल चुका होता। बीजेपी उद्धव को एक अयोग्य नेता बताती रही लेकिन इसी अयोग्य नेता के कारण महाराष्ट्र में बीजेपी को बाइस सीटों का नुकसान उठाना पड़ा और उद्धव के कारण ही महाराष्ट्र में कांग्रेस भी पुनर्जीवित हो गई। उद्धव ठाकरे असल में वो नहीं है जो उत्तरभारत का मीडिया दिखाता है या अलगाव के बाद बीजेपी जैसा उनको बताने लगी है बल्कि उद्धव एक सुलझे हुए नेता हैं। उद्धव भी अपने पिता की तरह स्ट्रेटफॉरवर्ड हैं। उनकी कथनी और करनी में ज्यादा फर्क नहीं होता जबकि आजकल की राजनीति में कहा कुछ जाता है और किया कुछ जाता है। अब नेतागण चुनाव के वक्त कुछ और बात करते हैं और शपथ लेने के बाद कुछ और बोलते हैं। ऐसे माहौल में सीधी बात करने वाले लोग मिसफिट होते हैं यही उद्धव के साथ हो रहा है जबकि उनके सामने एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस की कथनी और करनी में फर्क स्पष्ट दिखाई देता है। शिंदे हिंदुत्व के नाम पर सरकार भी बनाते हैं और मजार पर चादर भी चढ़ाते हैं। ईमानदारी की बात भी करते हुए खुद को एक ऑटो वाला भी बताते हैं लेकिन चुनावी हलफनामे में करोड़ों की संपत्ति भी दिखाते हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ तीखे शब्द बोलने वाले शिंदे जी की संपत्ति पिछले पांच साल में तीन गुना कैसे बढ़ गई? लेकिन आज की राजनीति है ही ऐसी कि कहा कुछ जाए और किया कुछ और जाए इसीलिए ज्यादातर नेता मीडिया के सामने बहुत सज्जन और मीठे नजर आते हैं जबकि उनकी कार्यशैली एकदम विपरीत होती है। उद्धव ठाकरे मीडिया में भी खुलकर बोलते हैं और काम भी खुलकर करते हैं, यही ट्रेनिंग उनको बाला साहेब से मिली है। एक बार पत्रकार राजदीप सरदेसाई ने कहा भी था कि शिंदे की चाल को उद्धव इसलिए नहीं समझ पाए क्योंकि उद्धव की ट्रेनिंग बाला साहेब ठाकरे के अंडर में हुई है, यदि उद्धव ने शरद पंवार जी से राजनीति सीखी होती तो शिंदे को पहली बार में ही समझ जाते, शिंदे को दूसरी बार बगावत का मौका ही नहीं देते। ह्यबाला साहेब के स्कूल में डबल स्टेंडर्ड का काम नहीं था न धोखे का और न ही बात छुपाने का। जो भी बात मन में है वो सामने बोलो यही नियम था बाला साहेब की पार्टी में। जब उद्धव को शिवसेना का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था तब बाला साहेब ने राज ठाकरे से पूछा था कि उद्धव के अध्यक्ष बनने से तुम्हें कोई दिक्कत है क्या या तुम खुद अध्यक्ष बनना चाहते हो?जो भी बात हो साफ साफ बोलो तब राज ठाकरे ने भी उद्धव का विरोध नहीं किया था लेकिन बाद में बगावत कर बैठे। बाला साहेब का भरोसा उद्धव पर ज्यादा था, इसलिए नहीं कि उनको पुत्रमोह था बल्कि इसलिए कि वे राज और उद्धव दोनों की क्षमताओं को जानते थे। शिवसेना में आपसी विवाद होने पर बाला साहेब ने कहा भी था कि ह्यमैं धृतराष्ट्र नहीं हूं बल्कि वही कर रहा हूं जो सही है, वर्तमान समय में उद्धव ही बेहतर हैह्न और बाला साहेब का निर्णय गलत नहीं था। राज एक बेहतरीन वक्ता हैं बिल्कुल बाला साहेब की दूसरी कॉपी लेकिन मैनेजमेंट के मामले में उद्धव बहुत आगे हैं। उद्धव ज्यादा बोलते नहीं हैं लेकिन चुप रहकर अपना काम करते रहते हैं, मेहनती भी ज्यादा हैं, राजनीति में ऐसा ही नेता बेहतर साबित होता है जिसका मैनेजमेंट बेहतर हो सिर्फ भाषण नहीं। उद्धव ठाकरे अब तो भाषण भी अच्छा देते हैं, इस बार के विधान सभा चुनाव में उनके भाषण बहुत पसंद किए गए थे जो सोशल मीडिया में भी बहुत पॉपुलर हुए और मैनेजमेंट भी उनका ऐसा है कि अपने छोटे बड़े सभी कार्यकताओं से पर्सनली बात करते हैं। यदि कहीं कोई कार्यकर्ता किसी कारण नाराज है तो उससे फोन पर चर्चा करके मसला जरूर सुलझाते हैं। यही कारण है कि बाला साहब के जाने के बारह साल बाद भी उद्धव ठाकरे प्रासंगिक बने हुए हैं जबकि बड़े बड़े नेता उद्धव का साथ छोड़कर चले गए। उनकी पार्टी भी तोड़ी गई, चुनाव चिन्ह भी छीन लिया लेकिन इसके बाद भी नए चुनाव चिन्ह के साथ उद्धव ने लोकसभा में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। उद्धव ने न केवल खुद ने नौ सीट जीती बल्कि अपने सहयोगी कांग्रेस और एनसीपी को भी मजबूती से वापस खड़ा कर दिया। अभी भी महाराष्ट्र में उद्धव को रैलियों में जो जन समर्थन मिल रहा है वह आश्चर्यचकित करने वाला है। अभी तक उद्धव को जनता का नेता नहीं माना जाता था उन्हें पैराशूट नेता बताते हुए उनके ऊपर आरोप लगाया जाता था कि वे घर से बाहर नहीं निकलते लेकिन पिछले ढाई साल में उद्धव ने घर से बाहर निकलकर ही नई पार्टी खड़ी की और ऐसी जगह भी सभाएं की जहां से उन्हें पहले जान से मारने की धमकियां मिलती थीं।

पानी में घुलनशील उर्वरकः पर्यावरण के अनुकूल और फसल उत्पादकता में सुधार की कुंजी

किसानों को पानी में घुलनशील उर्वरकों के लाभों और उचित आवेदन के तरीकों के बारे में शिक्षित करने की आवश्यकता है। मिट्टी के परीक्षण और पोषक तत्वों की मानचित्रण जैसी सटीक खेती तकनीकों को पानी में घुलनशील उर्वरकों के उपयोग के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करता है कि पोषक तत्व प्रबंधन विशिष्ट क्षेत्र की स्थितियों के अनुरूप है, अपव्यय को कम करता है और फसल प्रतिक्रियाओं में सुधार करता है। चल रहे शोध को नए जल-घुलनशील उर्वरकों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो विभिन्न फसलों और पर्यावरणीय परिस्थितियों को पूरा करते हैं।

डॉ.सत्यवान सौरभ
लेखक

पानी में घुलनशील उर्वरक-उर्वरक का उपयोग दक्षता बढ़ाने, मिट्टी के स्वास्थ्य को बहाल करने और मक्का जैसी चारा फसलों में उच्च पैदावार को बनाए रखने के लिए एक प्रमुख कृषि-अवरोध के रूप में उभरा है। पारंपरिक उर्वरक अक्सर असमान पोषक तत्व वितरण, खराब फसल प्रतिक्रिया और पर्यावरणीय नुकसान का कारण बनते हैं। इसके विपरीत, पानी में घुलनशील उर्वरक एक संतुलित पोषक आपूर्ति प्रदान करते हैं, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करते हैं और फोरेज में नाइट्रेट संचय जैसे मुद्दों को रोकते हैं, जो पशुधन को नुकसान पहुँचा सकते हैं। चारा उत्पादन में उर्वरक आवेदन महत्त्वपूर्ण है, लेकिन यह चुनौतियों के साथ आता है। मक्का के चारे में बायोमास और कच्चे प्रोटीन को बढ़ाते हुए, नाइट्रोजन-भारी उर्वरकों के परिणामस्वरूप नाइट्रेट संचय हो सकता है, जो पशुधन को नुकसान पहुँचा सकता है। प्रभावी उर्वरक उपयोग संतुलित पोषक तत्वों की आपूर्ति, फसल प्रतिक्रिया में सुधार और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करता है। अंधाधुंध उर्वरक आवेदन के कारण फसल की पैदावार खराब हो सकती है, मिट्टी के स्वास्थ्य का क्षरण और प्रदूषण हो सकता है। क्षेत्र परीक्षण पोषक तत्वों की आपूर्ति, पोषक तत्वों का उपयोग दक्षता और फसल प्रतिक्रियाओं में पर्याप्त परिवर्तनशीलता को प्रकट करते हैं। क्षेत्रों में इस तरह की विसंगतियाँ समग्र चारा उत्पादकता को प्रभावित करती हैं। इन अक्षमताओं का मुकाबला करने के लिए, विशिष्ट क्षेत्र विशेषताओं के अनुरूप सटीक पोषक तत्व और फसल प्रबंधन आवश्यक है। मिट्टी और उर्वरक वितरण के प्रबंधन के लिए ज्ञान-गहन दृष्टिकोण चारा उत्पादन में परिणामों में काफी सुधार कर सकते हैं। पानी में घुलनशील उर्वरक पौधों के लिए बेहतर पोषक तत्वों की पेशकश करके एक आशाजनक समाधान प्रदान करते हैं। ये उर्वरक पूरी तरह से पानी में घुलनशील होते हैं और एक कम नमक सूचकांक होता है, जिससे उन्हें पर्ण स्प्रे के रूप में या सिंचाई के माध्यम से आवेदन करना आसान हो जाता है। विभिन्न एनपीके योगों (जैसे, 19-19-19) में उपलब्ध, पानी में घुलनशील उर्वरकों में सल्फर और जस्ता जैसे द्वितीयक पोषक तत्व भी होते हैं। वे यह सुनिश्चित करते हैं कि पोषक तत्व पर्यावरणीय कारकों जैसे लीचिंग, कटाव या वाष्पीकरण से प्रभावित बिना फसलों के लिए उपलब्ध रहें। पानी में घुलनशील उर्वरक पोषक तत्वों की अपव्यय को रोककर पोषक तत्वों के उपयोग दक्षता में सुधार करते हैं। उदाहरण के लिए, अनुशंसित उर्वरक खुराक के लगभग 25-30% को पानी में घुलनशील उर्वरकों के माध्यम से बचाया जा सकता है, किसानों के लिए इनपुट लागत को कम करते हुए, इनपुट लागत को कम करते हुए। ये उर्वरक मिट्टी में नमक संचय में योगदान नहीं करते हैं, लंबी अवधि में मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं। पानी में घुलनशील उर्वरकों का उपयोग विभिन्न प्रकार के क्षेत्र की स्थितियों में किया जा सकता है और एक कुशल, संतुलित पोषक आपूर्ति प्रदान करता है, जिससे उच्च चारा पैदावार और चारा की पोषण गुणवत्ता में सुधार होता है। जबकि पानी में घुलनशील उर्वरक कई लाभ प्रदान करते हैं, पोषक तत्व अधिभार का खतरा होता है यदि वे ओवरएप्ड या अनुचित रूप से पतला होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप फाइटोटॉक्सिक चोट (पौधे की क्षति) हो सकती है। यह सही खुराक और अनुप्रयोग तकनीकों को सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक निगरानी और प्रबंधन की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कृषि विगण केंद्र, बरनाला द्वारा किए गए फील्ड ट्रायल ने मक्का चारा उत्पादन में पानी में घुलनशील उर्वरकों (एनपीके 19-19-19) की प्रभावशीलता का आकलन किया। अध्ययन ने तीन उर्वरक प्रबंधन प्रथाओं की तुलना कीः किसान का अभ्यास, उर्वरक की खुराक (आरडीएफ) और पानी में घुलनशील उर्वरकों पर फोलियर अनुप्रयोग। परीक्षणों से पता चला कि 75% आरडीएफ के साथ संयुक्त, 1% एकाग्रता में पानी में घुलनशील उर्वरकों के पर्ण आवेदन, मक्का के पौधे की वृद्धि (ताजा और शुष्क वजन) और हरे रंग की चारा की उपज में काफी वृद्धि हुई है। पारंपरिक प्रथाओं की तुलना में चारे की पोषण गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। पानी में घुलनशील उर्वरक लीचिंग को कम करते हैं, प्रमुख पोषक तत्वों (एन, पी, के) और नाइट्रोजन वाष्पशीलकरण के अपवाह हानि को कम करते हैं, जो कम उत्पादन लागत में अनुवाद करता है और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है। कम पोषक तत्व अपव्यय और बेहतर दक्षता के परिणामस्वरूप किसानों के लिए कम वित्तीय बोझ में, विशेष रूप से उर्वरक लागत के मामले में। इजराइल, जो अपने जल-कुशल कृषि प्रथाओं के लिए जाना जाता है, ने उर्वरक के उपयोग को उर्वरक के उपयोग का उपयोग किया है, जो उर्वरक आवेदन के साथ सिंचाई को एकीकृत करता है। पानी में घुलनशील उर्वरकों को सिंचाई के पानी में भंग कर दिया जाता है और ड्रिप सिंचाई प्रणालियों के माध्यम से सीधे रूट जोन तक पहुँचाया जाता है। ऑस्ट्रेलियाई किसान एक संतुलित पोषक तत्व प्रोफाइल प्राप्त करने के लिए जैविक और धीमी गति से रिलीज उर्वरकों के साथ पानी में घुलनशील उर्वरकों के उपयोग को जोड़ते हैं। जापान नियंत्रित-रिलीज पानी में घुलनशील उर्वरकों को विकसित करने में सबसे आगे रहा है, जो पोषक तत्वों को धीरे-धीरे लंबी अवधि में जारी करने की अनुमति देते हैं। यूरोप में, विशेष रूप से नीदरलैंड जैसे देशों में, स्थायी कृषि प्रमाणन योजनाएँ पर्यावरण के अनुकूल खेती प्रथाओं के साथ संयोजन में पानी में घुलनशील उर्वरकों के उपयोग को प्रोत्साहित करती हैं।

जानलेवा होता सड़क जाम

निर्मल रानी

रोड टैक्स अदा किये बिना यदि आप सड़क पर अपना वाहन चलाते हुये पकड़े गये तो आपका चालान/जुमार्ना होना निश्चित है। और अब तो जगह जगह सड़कों पर लगे टोल वसूली बैरियर्स पर हर लेन में मोटे अक्षरों में लिख दिया गया है कि ह्यटोल दिये बिना भागने वाले से दस गुना टोल वसूली की जायेगीह्न। इसी तरह इन्शुरेन्स के बिना या कार सीट बेल्ट लगाये बगैर या दुपहिया वाहन से हैलमेट लगाए बिना आप चलते हैं तो भी चालान को दावत दे रहे हैं। गोया आपके वाहन में कोई भी कागज की कमी है फिर तो आपका सड़क पर निकलना चालान/जुमार्ना भरने को दावत देना है। यहाँ तक कि यदि किसी मजबूरीवश कोई वाहन स्वामी समय पर टैक्स नहीं दे सका तो सरकार उससे जुमार्ने के साथ टैक्स वसूल करती है? परन्तु सवाल यह है कि टोल व मार्ग टैक्स व कमेटी टैक्स आदि के नाम पर धन वसूली करने वाली सरकार इस वसूली के बदले में जनता को क्या देती है? जब हम सड़क पर वाहन चलाते हैं तो हमें पता चलता है कि सड़कों पर कहीं गड्ढे हैं तो कहीं टोल पर लंबी लाइनें। सड़कों पर कई कई घंटों के लंबे जाम हैं तो उसी जाम में धुल, धुएं और प्रदूषण भरी घुटन। क्या इसी दुर्व्यवस्था के बदले सरकार आम लोगों से वाहन व उसके नाम पर अन्य टैक्स वसूलती है? और सबसे बड़ी बात यह कि सरकार की गलत, पूंजीवादी व विवादित नीतियों का भुगतान आखिर जनता क्यों करे। उदाहरण के तौर पर गत एक वर्ष से पंजाब-हरियाणा के शंभु बॉर्डर पर दिल्ली अमृतसर मुख्य मार्ग पर किसानों के कई संगठन धरने पर बैठे हैं। परन्तु हरियाणा की भाजपा सरकार उन्हें दिल्ली जाने के लिये हरियाणा में प्रवेश नहीं करने दे रही। ह्यदिल्ली सल्तनतह्न का फरमान है कि किसान दिल्ली से दूर रहें। हरियाणा सरकार उसी आदेश पर अमल करते हुये किसानों को बलपूर्वक शंभु बॉर्डर पर रोके हुये है। और इन्हीं किसानों के धरने के कारण सरकार ने देश का सबसे व्यस्ततम मार्ग रोक रखा है। किसानों की क्या मांगें हैं, सरकार क्यों पूरी नहीं कर रही, किसानों के दिल्ली जाने से सरकार को क्या परेशानी होगी, इन बातों से आम लोगों का क्या वास्ता। वाहन टैक्स भरने वाले आम लोगों को तो बिना बाधा के सुचारु रूप से चलने वाला राजमार्ग चाहिये जो उसे सरकार नहीं दे पा रही है। नतीजतन अमृतसर -भटिंडा -जम्मू कश्मीर तक का वह ट्रैफिक जो राजपुरा -शम्भू -अम्बाला से गुजर कर दिल्ली की ओर निकल जाता था अब उसे राजपुरा -जीरकपुर से वाया चंडीगढ़ -डेराबसी-अम्बाला मार्ग से होकर गुजरना पड़ रहा है। इस मार्ग परिवर्तन के चलते चंडीगढ़ -अम्बाला मार्ग लगभग 24 घंटे बाधित रहता है। और टोल पर भी लंबी कतारें लगी रहती हैं। सवाल यह है कि फिर सब्ज बाग दिखाने वाली ऐसे निरर्थक खबरों से जनता को क्या हासिल जो समय समय पर सरकार द्वारा अपनी पीठ थपथपाने के लिये विज्ञापनों के माध्यम से की जाती हैं कि देश में सड़कों का रिकार्ड निर्माण हो रहा है। सड़कों का जाल बिछ रहा है, आदि। यदि ऐसा है तो जाम की स्थिति क्यों? कुछ समय से सरकार ने प्रदूषण कम करने के नाम पर 10 -15 वर्ष पुराने वाहन का चलन बंद करने का निर्णय लिया है। दिल्ली में तो इनका प्रवेश पूर्णतयः वर्जित है। इस नीति की आलोचना करने वालों का मत है कि यह नियम पूंजीपतियों के मुनाफे की खातिर बनाये गए हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा वाहन बिक सकें। उधर जगह जगह फाइनेंसर भी कार लोन देने के लिए तैयार बैठे हैं। ऐसे में सड़कों पर उधार की चमचमाती हुई नई गाड़ियों की कतार बढ़ना भी स्वभाविक है। सड़कों पर लगने वाले इन दमघोंटू और जानलेवा जाम का प्रभाव केवल यही नहीं होता कि जाम में फंसे लोग 2-4 घण्टों के जाम के बाद अपने घरों को पहुँच जाते हैं। जी नहीं, इन्हीं जाम में फंसी बसों में अनेक यात्री ऐसे होते हैं जो चंडीगढ़, हिमाचल या अन्य क्षेत्रों से बसों में बैठकर अंबाला छावनी जाते हैं जहाँ से उन्हें यू पी -बिहार या अन्य राज्यों की लंबी दूरी की ट्रेन पकड़नी होती है। परन्तु रोजाना के इस जाम में घंटों तक फंसी होने वाली बसों के अनेक यात्रियों की ट्रेन रोज छूट जाती है। जरा सोचिये कि मुश्किल से महीनों पहले कराया गया आरक्षित टिकट होने के बावजूद लंबी यात्रा करने वालों की ट्रेन छूटने पर उस यात्री व उसके सहयात्री परिजन व बच्चों को इस जाम की क्या कीमत भुगतनी पड़ती होगी? कम से कम सत्ता का सुख भोग रहे नेताओं को तो शायद इस बात का बिल्कुल नहीं पता?

संक्षिप्त खबरें

इसुआपुर में सड़क दुर्घटना में दो घायल, किया गया रेफर

प्रातः किरण, संवाददाता

इसुआपुर । थाना क्षेत्र के शामपुर गांव में मंगलवार की संध्या सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति जख्मी हो गए। घायलों में सुदामा महतो तथा अमित प्रसाद बताए जाते हैं। जिनको स्थानीय लोगों की सहायता से सीएचसी इसुआपुर ले जाया गया। जहां से दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया।

विशेष समकालीन अभियान के तहत 35 लीटर स्प्रिट बरामद

प्रातः किरण, संवाददाता

इसुआपुर । पुलिस अधीक्षक द्वारा आदेशित विशेष समकालीन अभियान के तहत मंडल पुलिस पदाधिकारी मढ़ौरा 2 के द्वारा शराब एवं स्प्रिट कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया गया। जिसके तहत 35 लीटर शराब बरामद किया गया। इस बाबत थानाध्यक्ष कमल कुमार राम ने बताया कि निपनिया गांव के रामा मांझी के घर से 10 लीटर स्प्रिट बरामद हुआ। वहीं सहवां के दुखन मांझी के यहां से 15 लीटर तथा इसुआपुर के उपेंद्र नट के यहां से 10 लीटर देसी शराब बरामद हुआ। हालांकि पुलिस को आते देख शराब के धंधेबाज भागने में सफल रहे। वहीं पिपरहियां के वकील मांझी जो चंडीगढ़ से अपने घर आ रहा था।वह अपने साथ चार बड़ा अंग्रेजी का शराब कंबल में छुपा कर लाया था। लेकिन पिपरहियां चौक पर वाहन चेकिंग के क्रम में पकड़ा गया तथा जेल भेज दिया गया। वहीं एक अन्य मामले में फरार अभियुक्त डोईला गांव के हरेराम महतो को उसके भाई तथा उसके पुत्र के साथ पकड़ लिया गया। ये तीनों गैर जमानती वारंट में फरार चल रहे थे। जिन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सड़क दुर्घटन में बाइक चालक सहित दो युवक जख्मी

प्रातः किरण, संवाददाता

डोरीगंज ।छपरा पटना मुख्य सड़क के डोरीगंज थाना क्षेत्र के मुसेपुर चौक पर दो बाइक की आमने सामने की टक्कर हो गई। जिससे दोनों बाइक सवार युवक जख्मी हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार छपरा दहियांवा निवासी राजन कुमार और रोहित कुमार अपाची बाइक से शीतलपुर से छठ पूजा के लिए मार्केटिंग कर के वापस लौट रहे थे। डोरीगंज थाना क्षेत्र के पश्चिमी बलुंआ निवासी 32 वर्षीय रंजीत कुमार अपने घर से धनौरा बाजार स्पलेंडर बाइक से जा रहा था कि मुसेपुर चौक के समीप आमने सामने की टक्कर हो गई। जिसमें दोनों बाइक सवार जख्मी हो गए। जिसमें पश्चिमी बलुंआ निवासी रंजीत कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

जिसे स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए दिघवारा अस्पताल भेजा। जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने पटना रेफर कर दिया। वहीं दहियांवा के दोनों युवकों को हल्की चोटें आईं। जिन्हें स्थानीय चिकित्सक के यहां इलाज कराया गया। वहीं घटना की सूचना सुनते ही स्थानीय लोगों की भीड़ सड़क पर उमड़ पड़ी। वहीं घटना की सूचना पर डोरीगंज पुलिस व 112 नंबर की गाड़ी भी मौके पर पहुंची।

छठ को लेकर सारण जिला प्रशासन मुस्तैद : डीएम और एसपी ने छठ घाटों का किया निरीक्षण, तैयारियों का लिया जायजा

प्रातः किरण, संवाददाता

डोरीगंज । सारण जिले में लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को लेकर तैयारियां जोरों पर है। डीएम से लेकर पुलिस अधिकारी तक हर कोई छठ पूजा की तैयारी में जुट गए हैं। इस बीच सारण जिलाधिकारी अमन समीर ने डोरीगंज के तिवारीघाट ,बंगाली बाबा घाट,जहाज घाट,डोरीगंज घाट का निरीक्षण किया, जहां उनके साथ पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष भी मौजूद थे।

बता दें कि नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय आस्था और उपासना के महापर्व छठ की शुरूआत 5 नवंबर से हो गई है। ऐसे में छठ घाटों पर पूजा की तैयारियों को लेकर डीएम और एसपी निरीक्षण कर रहे हैं। डीएम अमन समीर ने उपस्थित अधिकारियों को सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कई आवश्यक निर्देश दिए, जहां पुलिस अधीक्षक समेत अन्य अधिकारियों ने सुरक्षा से जुड़े तमाम इंतजामों की जांच की।

इसमें घाटों की साफ-सफाई, सीसीटीवी, पानी की सही व्यवस्था जैसी चीजों का जायजा लिया गया है। डीएम ने बताया कि छठ घाटों पर प्रशासन द्वारा बेहतर व्यवस्था की जा रही है। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए सभी प्रकार की आधारभूत सुविधा उपलब्ध रहेगी। अधिक पानी वाले छठ घाटों पर तैराक/ गोताखोरों की तैनाती की गई है।

छठ महापर्व का अनुष्ठान शुरू होने से पहले सभी प्रकार की तैयारी पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। छठ घाटों पर दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ काफी संख्या के साथ सशस्त्र पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की जा रही है।

डीएम अमन समीर ने डोरीगंज के तिवारीघाट घाट, मेला घाट,आरा छपरा बृज के नीचे का घाट डोरीगंज ,रहरीया घाट तथा बड़हरा महाजी को संवेदनशील घाट मानते हुए छः नाव नाविक तथा गोताखोर दल लगाने का आदेश सदर अंचलाधिकारी को दिया वहीं बंगाली बाबा को अति संवेदनशीलमानते हुए वहा बैरकेटिंग करने तथा श्रधालूओं नही जाने का सलाह दिया और सुनिश्चित किया कि छठ पूजा के लिए बनाई जा रही व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप हों और किसी भी प्रकार की कमी को समय रहते ठीक किया जाए।

जिला प्रशासन छठ व्रतियों की सुविधा के लिए पूरी तत्परता से काम कर रहा है ताकि श्रद्धालु सुरक्षित और सुगम तरीके से पूजा संपन्न कर सके उक्त अवसर पर सदर अनुमंडल पदाधीकारी,सदर अंचलाधीकारी,सदर प्रखंड विकास पदाधीकारी श्वेतांक बसंत पप्पू सहित कई पूजा समितियों के सदस्य उपस्थित थे।

छठ महापर्व के दिन भी सरिसवा नदी का जल जहरीला, काला, गंदा एवं है बदबूदार

■ रक्सौल के उप सभापति ने नेपाल को दी ज्ञापन

प्रातः किरण, संवाददाता

रक्सौल। कहने को तो रक्सौल नगर परिषद अंतरराष्ट्रीय महत्व वाला शहर है, क्योंकि यह शहर भारत और नेपाल को जोड़ने वाले शहरों में सबसे प्रमुख माना जाता है। प्रतिमाह अरबों का व्यापार होता है, बावजूद कई ऐसे मौके आते हैं, जिनमें रक्सौल वासी अपने को ठगा महसूस करते हैं। कुछ ऐसा ही इस बार भी देखने को मिला, परन्तु उपसभापति पुष्पा देवी के द्वारा कुछ पार्षदों ने लोकहित में कुछ काम किया है, जिसका नतीजा देखने को मिल सकता है। गौरतलब है कि बिहार वासियों के लिए लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा बुधवार और गुरुवार को होना है। अब ऐसे में यहां से नेपाल से आकर बहने वाली सरिसवा नदी, जो कभी जीवनदायिनी कही जाती थी, वही अब लोगों की जीवन ले लेती है। इस नदी के जल में छठव्रती महिलाएं अर्घ्य देती है और इसका जल आज भी काल, गंदा, बदबूदार और जहरीला है, जिसका मुख्य कारण है कि नेपाल में स्थापित कई फैक्ट्रियों के अपशिष्ट पदार्थ और जल का निकासी नाला के माध्यम से इसी नदी में होता है और ये नदी वहां से यहां आने में जानलेवा बन जाती है, जबकि उन फैक्ट्रियों से पहले यह नदी आज भी जीवनदायिनी है। लोकहित का ख्याल रखते हुए उपसभापति पुष्पा देवी के नेतृत्व में उनके पति सह चेंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष राकेश कुशवाहा, पार्षदों एवं उनके प्रतिनिधियों में रंभा देवी, आशा देवी, अंतिमा देवी, रंजीत कुमार श्रीवास्तव, जितेंद्र दत्ता, मुकेश कुमार, अनुज दास, निप्पू कुमार एवं कमलेश कुमार सहित अन्य ने भारत के नेपाल ने महावाणिज्य दूत, प्रमुख जिलाधिकारी एवं बीरगंज उप महानगरपालिका के मेयर को ज्ञापन देकर नदी के जल को स्वच्छ रखने का आग्रह किया है। इस संबंध में श्री कुशवाहा ने बताया कि ये आश्वासन मिला है कि 7 बजे तक नदी का जल स्वच्छ हो जाएगा।

मुख्य पार्षद ने किया छठ घाट का निरीक्षण

प्रातः किरण, संवाददाता

एकमा। चार दिवसीय सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा को लेकर एकम नगर पंचायत की मुख्य पार्षद श्वेता रानी ने नगर के मौज बाबा के मठिया ,हंसराजपुर गांव स्थित राम जानकी मंदिर ,राजापुर हेकाम भूईली मठनपूरा ,गंज पर सहित छठ घाटों का निरीक्षण किया । इस दौरान सभी छठ घाटों का साफ-सफाई सुरक्षा की व्यवस्था लाइट सजावट पंडाल आदि चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य पार्षद ने कहां कि यह पर्व बिहार वासियों के लिए अति महत्वपूर्ण त्यौहार है जो बहुत ही साफ-सफाई एवं शुद्धता के साथ आस्था के साथ मनाया जाता है । जिसको लेकर लगातार दौरा व निरीक्षण किया जा रहा है । साथ ही लोगों से मिलकर समस्याओं का तत्वरित निपटारा करने के लिए कार्यपालक पदाधिकारी सहित नगर पंचायत कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है। जिसमें जगह-जगह छठ घाटों की गहराई को देखते हुए मजबूती से बारकेंटिंग किया जा रहा है ।इस मौके पर वार्ड पार्षद अनीता देवी ,शैलेंद्र प्रसाद, विनोद सिंह ,सुजीत सिंह, मुकुल प्रसाद आदि उपस्थित थे ।

छठव्रतियों को उपलब्ध कराएं बेहतर सुविधाएं : जिलाधिकारी

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। श्रद्धा, भक्ति एवं आस्था का महापर्व छठ व्रत के सफल, सुचारू एवं सुरक्षित आयोजन सुनिश्चित करने तथा छठ व्रतियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जिला पदाधिकारी, श्री दिनेश कुमार राय के दिशा निर्देश में संबंधित पदाधिकारियों द्वारा अपने-अपने अधीनस्थ क्षेत्रों के छठ घाटों पर सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, बेतिया/बगहा सहित अन्य वरीय अधिकारियों द्वारा छठ घाट पर की जा रही तैयारियां का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

इसी कड़ी में जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने रामनगर नगर परिषद क्षेत्र के रामरेखा नदी मुख्य छठ घाट, पुरानी बाजार ठाकुरबाड़ी टोला छठ घाट सहित नगर निगम बेतिया अन्तर्गत कई छठ घाटों का निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित पदाधिकारी एवं कर्मियों से नदी एवं तालाबों में बैरिकेडिंग एवं पानी की गहराई की जानकारी प्राप्त किया गया।

छठ घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं छठव्रतियों के सुरक्षा के मद्देनजर छठ घाटों पर बैरिकेडिंग, रोशनी की व्यवस्था, चेंजिंग रूम, अस्थाई शौचालय, स्थानीय गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति एवं नियंत्रण कक्ष आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया साथ हीं, यह भी निर्देश दिया गया कि छठ घाटों के भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर पटाखे की बिक्री एवं प्रयोग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को छठ घाटों पर श्रद्धालुओं एवं छठव्रतियों के लिए बेहतर सुविधाएं एवं सुरक्षित व्यवस्था उपलब्ध कराने को लेकर कई आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व के दौरान घाटों पर छठव्रतियों को परेशानियां नहीं होनी चाहिए, इसे सुनिश्चित करना है। अर्घ्य देने के समय भीड़भाड़ वाले घाट पर किसी भी प्रकार की अफवाह पर भगदड़ नहीं मचे, कोई भी श्रद्धालु या उनके परिजन पानी में डूबे नहीं इसका खास ख्याल रखना है। खासकर कौतूहलवश छोटे-छोटे बच्चे नदी में छठ व्रती के साथ चले जाते हैं, इसके प्रति श्रद्धालुओं को जागरूक करें। इसके साथ ही सभी छठ घाटों पर सभी प्रकार की व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से करें।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी घाटों पर साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, घेराबंदी के साथ ही साथ पूरे छठ घाट परिसर में आयोजकों के माध्यम से पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाय। साथ ही महिला छठ व्रतियों की सुविधा के मद्देजनर पर्याप्त संख्या में चेंजिंग रूम की भी व्यवस्था की जाय ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।उन्होंने कहा कि जहां गहराई ज्यादा हो वहां पर मजबूत बैरिकेडिंग कराना सुनिश्चित करें ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना नहीं हो। ज्यादा गहराई वाले घाटों पर ह्वइसके आगे जाना खतरनाक हैह्व की तख्ती लगवाना भी आवश्यक है ताकि सभी श्रद्धालुओं को स्पष्ट रूप से दिखाई दें। छठ घाटों पर एनडीआरएफ/ एसडीआरएफ की टीम आवश्यक संसाधनों के साथ उपस्थित रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने छठ घाटों का निरीक्षण किया

प्रातः किरण, संवाददाता

बगहा। बगहा नगर परिषद में केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीशचंद्र दुबे एवं स्थानीय विधायक राम सिंह ने सभी छठ घाटों का निरीक्षण किये।

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियां जोर शोर से चल रही है, हर जगह छठ घाटों को सजाया जा रहा है एवं साफ सफाई के कार्य किये जा रहे हैं ऐसे में केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीशचंद्र दुबे एवं स्थानीय विधायक राम सिंह ने बगहा नगर परिषद के सभी छठ घाटों पर जा कर निरीक्षण किये।केंद्रीय मंत्री ने कार्यपालक पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि नगर परिषद के अंदर के जितने भी छठ घाट हैं सभी पर व्यवस्था चाक चौबंद होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम सभी का आस्था एवं श्रद्धा छठ पूजा के साथ जुड़ा है। स्थानीय विधायक राम सिंह ने कहा कि क्षेत्र वासियों को नगर परिषद एवं प्रशासन के तरफ से हर तरह से सहयोग किया जाय, उन्होंने कहा कि छठ पूजा भव्य हो इसके लिए सबका सहयोग जरूरी है। इस क्रम में बगहा दीनदयालनगर, शास्त्रीनगर, कालीघाट, बच्चाबाबू, गोड़ियापट्टी एवं नारायनापुर आदि घाटों का निरीक्षण किये।कार्यक्रम में बगहा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्रनाथ तिवारी, जिला उपाध्यक्ष ऋतु जायसवाल, शिपु चौबे, जिला महामंत्री अचिंत्य कुमार लल्ला जी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सतीश वर्मा, मनोज सिंह, ओमनिधि वत्स, नगर अध्यक्ष विजय साहू, संजय पाण्डेय, दिपु तिवारी, नगर परिषद उपसभापति प्रतिनिधि रविशंकर प्रसाद, प्रमोद राम आदि थे।

छठ व्रतियों के सुविधा के लिए ग्रामीणों ने बनाया बांस का पुल

प्रातः किरण, संवाददाता

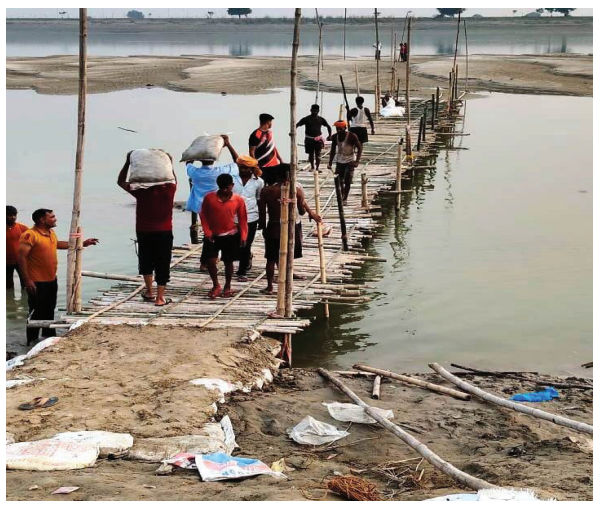

दिघवारा नगर ।वार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के लिए सभी जगह तैयारी जोर शोर से हो रही है ।सभी छठ घाटों को अंतिम रूप से सजाया जा रहा है ।वही प्रखंड के बरुआ पंचायत के रामदासचक गांव के समीप गंगा नदी किनारे पानी कम होने के कारण छठ व्रतियों के परेशानी को देखते हुए ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से बांस का अस्थाई चचड़ी पुल बना डाला ।ग्रामीणों द्वारा लगभग पांच सौ बांस का उपयोग कर दो सौ फीट लंबा चचडी पुल महज बारह घंटे में तैयार कर दिया ।इस पुल के बन जाने से गांव व आसपास के क्षेत्रों के सैकड़ों छठ व्रतियों को भगवान भास्कर को अर्घ्य देने में सहूलियत होगी ।इसके निर्माण में जयप्रकाश सिंह,मनीष बाबा,अशोक सिंह,प्रेम सिंह,छोटे,निशांत,बाबुल,अंकत,आकाश,नितेश,अमन,निखिल,उज्वल,ऋषभ आदि का सहयोग मिला।

बिहार अपराध नियंत्रण अधिनियम के तहत जिला के 228 असामाजिक तत्वों के विरूद्ध समाहर्त्ता सारण द्वारा की गई कार्रवाई

छपरा कार्यालय ।जिला में विधि व्यवस्था सामान्य बनाये रखने के लिये विभिन्न स्तरों पर असामाजिक तत्वों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है। बिहार अपराध नियंत्रण अधिनियम (सीसीए) के तहत असामाजिक तत्वों को जिला बदर एवं निर्धारित थाने में हाजिरी लगाने का आदेश समाहर्त्ता द्वारा दिया जा रहा है। इसी क्रम में दुगार्पूजा से अब तक 228 असमाजिक तत्वों के विरूद्ध समाहर्त्ता अमन समीर द्वारा आदेश पारित किया गया है। इनमें से शराब के अवैध कारोबार से संबंधित 128 लोग, अवैध खनन से संबंधित 29 लोग तथा अन्य मामलों से संबंधित 71 लोग शामिल हैं। इन सभी असमाजिक तत्वों को पारित आदेश के अनुरूप निर्धारित थाने में निर्धारित तिथियों को नियमित रूप से हाजिरी लगानी होगी। विधि व्यवस्था जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए प्रशासन सदैव संवेदनशील है।

पूजा पर्व के मद्देनजर वीटीआर जंगल में गश्ती तेज की गई

बगहा। पूजा पर्व के मद्देनजर वीटीआर जंगल मे गश्ती तेज कर दी गई है ।फॉरेस्टर आशीष कुमार ने बताया कि वाल्मीकिनगर रेंज के सभी सेक्टरों में पूजा पर्व के मद्देनजर विशेष गश्ती की जा रही है ।खासकर सेंसेटिव माने जाने वाले चुलभट्टा जंगल मे रात्रि गश्ती को तेज किया गया है। वनकर्मियों की अलग अलग टीम गठित की गई है ।यह टीम रात्रि और दिन के 24 घन्टे शिफ्टों में जंगल की गश्ती कर रहे हैं ।बतादें की पर्व पूजा के दिनों में मौके का फायदा उठाने की कोशिश तस्कर करते है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय तस्कर इन दिनों काफी सक्रियता के साथ जंगलों से वन संपदा की तस्करी करने की फिराक में लगे रहते है ।इन बातों को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने जंगलों में गश्त बढ़ा दी है ।ताकि वन संपदा को सुरक्षित रखा जा सके। वहीं रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि भेड़ियारी, जटाशंकर और चुलभट्टा के जंगलों में विशेष गश्ती टीम गठित कर गश्ती के गति को बढ़ाया गया है। गश्ती टीमो के द्वारा तस्करों समेत शिकारियों पर पैनी नजर बनी हुई है ।बतातें चलें कि वीटीआर जंगल मे बेशकीमती लकड़ियों के पेड़ों के अलावे जंगल मे बाघ,तेंदुआ,हिरन की कई प्रजातियां,भालू,नीलगाय समेत सरीसृप वर्ग के विभिन प्रकार के जीवजंतु पाए जाते है ।जिसपर चोरों और तस्करों समेत शिकारियों की नजर बनी रहती है।

खड़ी नाव से बच्चों के पैर फिसलकर गिरने से दो बच्चों की मौत

बगहा। बगहा गंडक नदी में दो बच्चे डूब गए हैं, दोनों बच्चे नदी में घंटों से लापता हैं। जिसके बाद इलाके में कोहराम मचा है। दरअसल पटखौली थाना क्षेत्र के कैलाशनगर वार्ड नं 7 स्थित गंडक नदी तट पर छठ घाट बनाने के दौरान यह हादसा हुआ है जब नदी तट पर खड़ी नाव पर सवार बच्चों के पैर फिसलने के कारण दोनों मासूम बच्चे नदी में डूबे गए । बताया जा रहा है की कैलाश नगर निवासी अवधेश सहनी के पुत्र 7 साल संजय और कमलेश सहनी के पुत्र 6 साल धनंजय नदी में लापता हो गए हैं। हालांकि मौके पर ग्रामीणों के स्तर से खोजबीन शुरू किया गया है लेकिन लापता बच्चों का कोइ ट्रेस नहीं मिला है लिहाजा पार्षद अंजलि सोनी की पहल पर एसडीआरएफ और प्रशासन को इस घटना की सूचना दें दीं गईं है जिसके बाद बगहा 2 सीओ समेत पटखौली थाने की पुलिस गोताखोरों कों मौके पर बुलाकर नदी में डूबे मासूमों की तलाश में जुटी है ।

रक्सौल में सूर्य मंदिर घाट पर व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए की जा रही मुकम्मल तैयारी

रक्सौल। शहर के मेन रोड स्थित शहर का धरोहर सूर्य मंदिर घाट कल सात नवंबर सांध्य अर्ध्य के लिए व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के लिए सजधज कर लगभग तैयार है। इसकी जानकारी देते हुए सूर्य मंदिर समिति के सचिव शम्भु प्रसाद चौरसिया एवं मीडिया प्रभारी रजनीश प्रियदर्शी ने संयुक्त रूप से बताया कि लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर सूर्य मंदिर समिति द्वारा रिपूराज एग्रो प्रा.लि. के सहयोग से सूर्य मंदिर परिसर एवं घाट व तालाब की सफाई पूरी हो गयी है । छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए घाट पर साफ-सफाई एवं आकर्षक पुष्प सज्जा ,विधुत सज्जा कार्य का भी अंतिम चरण में है। पंडाल में स्वच्छता के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाने के लिए एक सेल्फी प्वाइंट का भी निर्माण कराया गया है। हेल्प डेस्क एवं माइकिंग की भी व्यवस्था की गयी है। इस मौके पर पुलिस उपाधीक्षक धीरेन्द्र कुमार एवं रक्सौल थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा ने समिति द्वारा सूर्य मंदिर घाट को सजाने एवं सँवारने के कार्य का जायजा लिया तथा समिति के सदस्यों द्वारा कराये जाये कार्य पर संतोष व्यक्त किया।

छठ सिर्फ लोक प्रबल आस्था का प्रतीक ही नहीं, प्रकृति से समाज को जोड़ने का महापर्व: गरिमा

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने उपनगर आयुक्त गोपाल कुमार के साथ सघन शहरी क्षेत्र सहित नगर निगम के दर्जनों मुख्य छठ घाटों का निरीक्षण करने के बाद साफ सफाई और सुरक्षा प्रबंध के सुधार का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में चिन्हित कुल 62 से अधिक छठ घाटों पर साफ सफाई और सुरक्षा प्रबंध को फाइनल टच देने का कार्य बुधवार को पूरा कर लिया गया। बावजूद इसके विभिन्न वार्डों के छठ घाटों पर प्रतिनियुक्त नगर निगम कर्मियों को 8 नवंबर को प्रातः कालीन अर्घ्य सम्पन्न होने तक अपने अपने आवंटित छठ घाटों पर मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान मिले इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया पत्रकार- छायाकारों से महापौर श्रीमती सिकारिया ने कहा कि हमारा छठ सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह समाज और प्रकृति को जोड़ने का अनूठा महापर्व भी है।

छठ बस एक पर्व नहीं है, बल्कि आज की आधुनिक दुनिया की चकाचौंध और भागदौड़ से भरी जिंदगी में भी पुस्त दर पुस्त से जारी परंपराओं को मजबूत करने वाले अटूट धागे की तरह है। महापौर ने बताया एक एक छठ व्रती को छठी मईया का प्रतिरूप मानने वाले इस महापर्व में समाज का सारा भेदभाव धूमिल हो जाता है। न कोई बड़ा होता है, न कोई छोटा, सभी एक समान हो जाते हैं। इस पर्व का आस्था के संग सरोकार का दायरा भी बड़ा है। यह महापर्व से लाखों गरीबों का रोजगार जुड़ा होता है, खासकर बांसफोर लोगों के लिए जो महीनों से छठ का दऊरा, सुपली बनाने में लग जाती हैं। महापौर ने बताया कि अपनी सासू मां के वृद्धवस्था के कारण, वे अपने कुल की परंपरा के अनुसार स्वयं भी छठ महापर्व का अनुष्ठान कर रही हैं।

टीबी के अभिशाप को मिटाने के लिए पंचायतों को लिया जायेगा गोद

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा। टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वास्थ्य विभाग संकल्पित है। इसको लेकर विभिन्न स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। अब जिले में पंचायत स्तर पर टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने तथा टीबी मुक्त पंचायत घोषित करने के लिए पंचायतों को गोद लिया जायेगा। टीबी मुक्त वाहिनी संस्था के द्वारा बिहार में 100 पंचायतों को गोद लिया जायेगा। गोद लिये गये पंचायतों में टीबी चैंपियन के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जायेगा तथा टीबी के मरीजों को अधिकार दिलाया जायेगा। इसको लेकर टीबी मुक्त वाहिनी द्वारा जिला टीबी कार्यालय में टीबी चैंपियंस का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 20 टीबी चैंपियंस को प्रशिक्षण दिया गया। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. रत्नेश्वर प्रसाद सिंह ने बताया कि जिले के करीब 20 से 25 पंचायतों को टीबी मुक्त वाहिनी द्वारा गोद लिया जायेगा और टीबी मुक्त पंचायत घोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निवर्हन किया जायेगा। एक साल तक पंचायतों में टीबी के प्रति जागरूकता अभियान, मरीजों के अधिकारी के बारे में जानकारी देना, इलाज में सहयोग करना, दवा दिलाना, सरकार के योजना का लाभ दिलाने का कार्य टीबी चैंपियंस के द्वारा किया जायेगा।

किन्नर समुदाय को भी किया जायेगा जागरूक:

प्रशिक्षण के दौरान टीबी मुक्त वाहिनी के सचिव सुदेश्वर सिंह ने बताया कि टीबी से ग्रसित मरीज पुरूष हो या महिला हो या कोई किन्नर समुदाय से सभी के अधिकार में समानता होनी चाहिए। किन्नर समुदाय को भी टीबी के प्रति जागरूक किया जायेगा। टीबी के मरीजों को फ्री में जांच, फ्री में दवा, सरकार के द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ लेने का अधिकार है। हर किसी को अपना इलाज करने का अधिकार है। टीबी एक अभिशाप है, जो एक बार हो जाये तो खत्म नहीं हो सकता, इस प्रकार की धारणाएं जो समुदाय में जड़ पकड़े हुए है उसे खत्म करना और टीबी के प्रति समुदाय को जागरूक करना है कि टीबी एक पूर्णरूप से खत्म होने वाली बीमारी है । जिसका सबसे बड़ा उदाहरण एक टीबी चैम्पियन है इसलिए समाज के द्वारा बनाई गई टीबी के प्रति गलत धारणाओं के प्रति समुदाय को जागरूक करके टीबी मुक्त समुदाय बनाया जा सकता है।

प्रवासी मजदूर और ईंट भट्टों पर काम करने वालों को खतरा अधिक:

टीबी मुक्त वाहिनी के जिला प्रभारी राजू रंजन सिंह ने बताया कि अधिक जोखिम वाला क्षेत्र की पहचान करना टीबी चैंपियन की जिम्मेदारी है। टीबी चैंपियंस एक साल तक पंचायतों में काम करेंगे। इसके लिए उन्हें प्रोत्साहन राशि दिया जायेगा। इसके साथ हीं विभाग द्वारा इन्सेंटिव भी देने का प्रावधान किया गया है। एचआईवी और शुगर से ग्रसित लोग जिनका रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने की वजह से टीबी होने का खतरा बढ़ जाता है। खदान ईंट भट्टा, धूल मिट्टी में काम करने वाले लोगों को फेफड़ों में धूल मिट्टी का जमना, सही पोषण ना लेना, समूह में एक साथ रहने के कारण बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है, प्रवासी मजदूर यह ज्यादा लोग के संपर्क में रहते हैं इसलिए टीबी का खतरा अधिक होता है।

बिक्रमगंज एसडीओ की गुंडागर्दी, पत्रकार का मोबाइल छीना, डीजे वाले के साथ की मारपीट

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास)। महापर्व छठ पूजा को लेकर भक्तिमय माहौल बना हुआ है। लेकिन इस बीच बुधवार को नासरीगंज के मंगल बाजार में दोपहर को डीजे बजाने को लेकर ग्रामीण और प्रशासन आमने-सामने हो गए। इस नोंक-झोंक की वजह से शहर का माहौल कुछ समय के लिए बदल गया। बढ़ते विवाद की सूचना मिलने पर दल-बल के साथ बिक्रमगंज एसडीएम अनिल बसाक घटना स्थल पर पहुंचे। लेकिन मामले को शांत कराने की जगह उल्टे उन्होंने आग में घी डालने का काम किया। एसडीओ के मौखिक आदेश पर डीजे और मिक्सर मशीन को तोड़-फोड़कर नाली में डाल दिया गया। वहीं, ग्रामीण और समिति के सदस्यों के साथ मारपीट भी की गई। समाचार संकलन के दौरान घटना का वीडियो बना रहे पत्रकारों का मोबाइल भी छीन लिया। इस घटना से जुड़ा वीडियो वायरल हो गया। हालांकि, इस वीडियो के सच्चाई की पुष्टि राष्ट्रीय सहारा नहीं करता है। गौरतलब है कि बिहार में तेज आवाज में डीजे बजाना गैरकानूनी है। इसका पालन नहीं करने वालों को जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है। ऐसे में पुलिस प्रशासन डीजे को जब्त कर सकता है और आरोपित लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर सकता है। लेकिन चर्चा इस बात की जोरों पर है कि एसडीएम का मनमानी रवैया और कानून को ताख पर रखकर मारपीट करने और डीजे तोड़ने पर भारी विरोध जारी है। महापर्व छठ में इस प्रकार की हरकत से लोग परेशान है, इनका विरोध जारी है।

बता दें कि स्थानीय थाना क्षेत्र के नगर स्थित मंगल बाजार वार्ड चार में डीजे बजाने को लेकर झड़प हुई थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उक्त वार्ड में छठ पूजा पर बज रहे डीजे को पुलिस ने बन्द करने को कहा। इस बात पर वार्डवासियों ने अन्य स्थानों पर बज रहे डीजे का हवाला देकर डीजे को बजाने से बंद करने को मना कर दिया। डीजे बजाने पर प्राथमिकी करने की बात कह पुलिस लौट गई। वार्ड वसियों ने बताया कि पूजा में डीजे बजाने को लेकर अपनी बात रखने सभी लोग थाना परिसर भी गये थे, लेकिन उनके साथ थानाध्यक्ष ने भी अभद्र व्यवहार किया। साथ ही रिटायर्ड वायु सेना कर्मी के साथ मारपीट की गई, जिसमें वह गम्भीर रुप से घायल हो गये। इसपर गुस्साए लोग पुलिस के विरुद्ध गोलबंद हो गये। भारी संख्या में लोग थाना पहुंचकर पुलिस की अभद्रता का विरोध करने लगे। मौके पर पहुंचे एसडीएम अनिल बसाक व एसडीपीओ कुमार संजय, बीडीओ नौशाद आलम सिद्दीकी, सीओ अंचला कुमारी, इंस्पेक्टर कुणाल कृष्ण, नगर इओ विकास कुमार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बल का प्रयोग किया।

स्थानीय लोगों की माने तो इस दौरान पुलिस ने कई निर्दोष व्यक्तियों को भी पीटा और निर्दोष लोगों को पकड़ कर हाजत में बन्द कर दिया। साथ ही वार्ड 05 में डीजे संचालक का डीजे भी तोड़ फोड़ कर नाली में फेंक दिया। पुलिस की पिटाई से गम्भीर रूप से घायल वायु सेना कर्मी सन्तोष कुमार गुप्ता का इलाज पीएचसी में कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए सासाराम रेफर कर दिया। उक्त घटना को लेकर जिले के सभी थानों की पुलिस जुट गई, ताकि मामले को संभाला जा सके। इस सम्बंध में घायल सेवानिवृत्त कर्मी ने बताया कि थाने में डीजे बजाने के मना करने पर मैं इस सम्बंध में थाने में अपनी बात रखने गया था, जिसपर पुलिस ने मेरे साथ अभद्र व्यवहार एवं मारपीट भी की गई। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष अमित कुमार ने उक्त कर्मी की पिटाई करने से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें डीजे बजाने के लिए केवल मना किया गया था, जिसपर वो लोग उग्र हो कर गोलबंद हो गये। एसडीएम अनिल बसाक ने कहा कि डीजे बजाने को ले विवाद हुआ था जिसपर नियंत्रण कर लिया गया है।

एसडीपीओ ने बताया कि विवाद का निपटारा कर लिया गया है। चौकसी के लिए पुलिस बल को तैनात किया गया है। खबर लिखे जाने तक पुलिस फ्लैग मार्च कर रही थी। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बहाल थी। देर शाम शांति व्यवस्था बहाल करने को ले एडीएम चंद्रशेखर प्रसाद, के अध्यक्षता में बैठक कर सभी से शांति व्यवस्था बहाल करने की अपील की गई।

6 वर्षों से अनवरत जारी आरा रोटी बैंक के द्वारा किया गया 411 कलसूप सेट वितरण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा।आरा रोटी बैंक के तत्वाधान में स्थानीय सदर अस्पताल के सामने संतोष सिंह, एसीएमओ डॉ के न सिन्हा,शैलजा सिंह, राणा प्रताप सिंह,अखौरी दीपक,सोनाली देवी ने 411 कलसूप सेट वितरित किया। संतोष सिंह भारद्वाज ने कहा कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए यही सेवा भाव पूरी टीम का है जिसमें निस्वार्थ भाव से निष्ठा आस्था के महापर्व छठ में प्रसाद वितरण के कार्यक्रम को संकल्प रूपी ऊर्जा से सिद्ध करती है।छठ एक महापर्व है जो लोक आस्था के साथ मनाया जाता है।एसीएमओ डॉ के न सिन्हा ने कहा आस्था के महापर्व पर यह प्रसाद वितरण सराहनीय है।आरा रोटी बैंक निरंतर सामाजिक कार्यों से जुड़ा हुआ है। शैलजा सिंह ने बताया आस्था के महापर्व को मनाने दूर दराज से अपनी माटी अपने गांव आकर इस पर्व को हर्षोल्लास से मनाते है।मेजर राणा प्रताप सिंह ने कहा सामूहिक जनभागीदारी के द्वारा ऐसे पुण्य कार्य सामाजिक हित में होते रहने चाहिए।अखौरी दीपक ने आयोजन की भूरी भूरी सराहना की।आरा रोटी बैंक की अध्यक्ष सोनाली देवी ने बताया छठ पूजा जनमानस के आस्था का महापर्व है जो पूरी निष्ठा और आस्था व पवित्रता के साथ मनाया जाता है।हम सौभाग्यशाली है कि जरूरतमंदों के बीच छठ मैया के आशीर्वाद से विगत 6 वर्षों से लगातार प्रसाद वितरण का अवसर मिलते आ रहा है।

आरा रोटी बैंक संस्था सामाजिक समरसता से वंचित वर्ग के लोगों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने को सदैव प्रयासरत है।

आरा रोटी बैंक ने छठ पूजा प्रसाद वितरण के अंतर्गत वर्ष 2019 में 151 कलसूप सेट,2020 में 251 सेट,2021 में 301 कलसूप सेट,2022 में 351,2023 में 401 सेट ओर इस वर्ष 2024 में 411 कलसूप सेट का वितरण किया गया जिसके अंतर्गत नारियल, अनानास, सेव, संतरा, घाघल तथा पूजा सामग्री वितरित किया गया।आज के आयोजन को सफल बनाने में सोनाली देवी, श्रुति अग्रवाल, सुजाता, हर्षिता विक्रम, निशा, श्रेया, रितेश साह, मुक्तिकांत, राजीव रंजन, राकेश केशरी, अभिषेक, राहुल ,रौशन, टोनू, विशाल, मनीष, राजा, अंकित, देव, करण, मोनू, सार्थक, उज्ज्वल आदि सदस्यों की भूमिका सराहनीय रही।

संक्षिप्त खबरें

स्मार्ट मीटर रिचार्ज ऐप में आई तकनीकी समस्या जल्द होगी दूर : विद्युत कार्यपालक अभियंता

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम(रोहतास) : साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड अंतर्गत बिहार बिजली स्मार्ट मीटर ऐप में कुछ तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं जिसके कारण शहरी क्षेत्र के उपभोक्ता अपने स्मार्ट प्रीपेड मीटर का बैलेंस देखने और ऐप के माध्यम से रिचार्ज करने में असमर्थ हैं। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ब्रविम ने बताया की शहरी क्षेत्र के स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं का स्मार्ट मीटर रिचार्ज ऐप में आए तकनीकी खामी को जल्द ही दूर कर लिया जाएगा साथ ही वर्तमान में किसी भी उपभोक्ता का इस अवधि में लाइन डिस्कनेक्शन नहीं होगा। उपभोक्ता विद्युत विभाग के आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम के साथ-साथ सम्बंधित विद्युत कार्यालय के कलेक्शन काउंटर से अपना स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज करा सकते हैं। आगे बताया गया कि किसी भी उपभोक्ता को घबराने की आवश्यकता नहीं है स्मार्ट प्रीपेड मीटर ऐप की तकनीकी समस्या दूर होने तक बैलेंस खत्म होने पर भी उपभोक्ताओं की बिजली नहीं कटेगी। स्मार्ट प्रीपेड मीटर एप की तकनीकी समस्या को देखते हुए वैकल्पिक माध्यम से रिचार्ज की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। सुविधा एप, बिजली कंपनी के ऑफिशियल बेवसाइट या बिजली विभाग के बिलिंग काउंटर पर भी स्मार्ट मीटर को रिचार्ज करने की सुविधा उपलब्ध है। मालूम हो कि तकनीकी समस्या के कारण 28 अक्टूबर से बिहार बिजली स्मार्ट मीटर एप काम नहीं कर पा रहा है। इस कारण लोग बिहार बिजली स्मार्ट मीटर एप के माध्यम से बैलेंस चेक नहीं कर पा रहे हैं। कम्पनी मुख्यालय के अधिकारी बिहार बिजली स्मार्ट मीटर एप में आयी तकनीकी समस्या को ठीक करने में जुटे हैं।

छठ व्रतियों ने की खरना पूजा, अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य आज

बिक्रमगंज(रोहतास) : बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के दूसरे दिन बुधवार को छठ व्रतियों ने खरना पूजन विधि विधान से संपन्न की । दोपहर बाद से ही छठ व्रती विभिन्न छठ घाटों और जलाशयों पर स्नान व पूजन के लिए पहुंची थीं । शाम में विशेष पूजन के बाद छठ माता को प्रसाद अर्पित कर छठ व्रतियों ने खीर का महाप्रसाद ग्रहण किया । हजारों की संख्या में छठ माता के भक्त छठ पूजन करने वाले रिश्तेदारों एवं पड़ोसियों के घर पहुंचे और महाप्रसाद ग्रहण किया । छठ पूजन करने वाले घरों और उसके आसपास भी विद्युत सज्जा देखने को मिली । बताते चलें कि खरना के बाद छठ व्रतियों का 36 घंटे का कठिन उपवास शुरू हो गया । । बुधवार को छठ व्रतियों सहित लोगों ने फलों और आवश्यक पूजन सामग्रियों की जमकर खरीदारी की ।

दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति

बिक्रमगंज (रोहतास) आस्था के महान पर्व छठ को लेकर अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंडों में दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की कर दी गई है नियुक्ति। प्राप्त जानकारी के अनुसार जहां बिक्रमगंज प्रखंड में कुल 20 घाटों को चिन्हित किया गया है जिसमें से अमौना घाट, रमनडिहरा घाट, केसोडिह छठ घाट, जोनी नहर पर के छठ घाट तथा काशी घाट को खतरनाक घोषित किया गया है। वही प्रखंड काराकाट में कुल 44 घाटों को चिन्हित किया गया है जिसमें मोथा 52 बिगहवा तथा गोडारी नहर घाट को खतरनाक घोषित किया गया है। इस प्रकार सूर्यपुरा में कुल सात घाटों को चिन्हित किया गया है ।

प्रकृति संरक्षण का सुंदर उदाहरण है महापर्व छठ : शशि मिश्र

प्रातः किरण संवाददाता

वर्तमान परिदृश्य में जहाँ पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता है, छठ पूजा हमें सिखाती है कि धार्मिक प्रथाओं के साथ पर्यावरण को कैसे संतुलित किया जाए। प्रकृति संरक्षण का संदेश बिहार और अन्य जगहों पर जनता के बीच छठ के माध्यम से सबसे बेहतर तरीके से फैलता है। उक्त बातें आचार्य शशि मिश्र ने कही। सभी को महापर्व छठ की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए आगे उन्होंने कहा कि छठ पूजा से पर्यावरण संरक्षण, जैविक संरक्षण से जुड़ने की प्रेरणा मिलता है। घर से लेकर घाट तक जन सरोकार और मेल मिलाप का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। यह त्यौहार सामाजिक सद्भाव और एकजुटता के साथ-साथ वैज्ञानिक महत्व पर भी जोर देता है। छठ व्रत का हर कर्म प्रकृति और स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। इस पर्व में नदी, तालाब, पर्यावरण को संरक्षित करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देता है। छठ महापर्व के अनुष्ठान के दौरान कई अन्य चीजों के उपयोग का विधान है,जिसमें बांस की रिश्वत, मिट्टी का चूल्हा, प्रकृति प्रदत्त फल, ईख शामिल हैं, जो लोगों को प्रेरित करते हैं प्रकृति की ओर लौटें। छठ पर्व पर जल संरक्षण का संदेश भी है। छठ पर्व में अर्घ्य का महत्व सर्वविदित है। यह पर्व पुण्य कर्म की प्रेरणा देता है। विलुप्त होते तालाब, नदियों को जीवन प्रदान करते हैं, जो प्राकृतिक संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है। महापर्व छठ समावेशी समाज का एक सुंदर उदाहरण भी है। जाति, पंथ और वर्ग से परे, भक्त अर्घ देने के लिए घाट पर खड़े होते हैं । यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि भगवान की नजर में सभी समान हैं, और इससे भी अधिक सुंदर यह है कि यह संदेश पुराने समय से दिया गया है।

हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स भोजपुर की जिला कमिटी की बैठक, संगठन का किया गया बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स भोजपुर की जिला कमिटी की बैठक संगठन के जिला उपसभापति डॉ. विजय गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

संचालन जिला सचिव डॉ. मनोज कुमार गुप्ता ने किया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन के कार्यकलापों को सक्रिय रूप प्रदान करने हेतु प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को एक बैठक आयोजित होगी।

स्काउट्स एंड गाइड्स,भोजपुर द्वारा निरंतर प्रशिक्षण हेतु कार्यक्रम तय किए जाएंगे जिसमें जिलांतर्गत सभी प्रकार के निजी एवं सरकारी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया जाएगा।

संगठन में जिले के कुछ महत्वपूर्ण पदाधिकारियों को संरक्षक मंडल में शामिल करने,संगठन के आय व्यय को सुव्यवस्थित रखने हेतु बैंक में खाता खोलने पर भी चर्चा की गई।

संगठन की अगली तत्काल बैठक आगामी 10 नवम्बर 2024(रविवार) को आयोजित की जाएगी जिसमें संगठन के सम्मानित सभापति जिला शिक्षक पदाधिकारी,भोजपुर श्री अहसन सहित संस्था के राज्यस्तरीय कुछ वरीय एवं भोजपुर जिले के सभी पदाधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगा।

आज की बैठक में संगठन की क्रमशः वरीय उप सभापति डॉ. विभा कुमारी,जिला संगठन आयुक्त रणधीर कुमार ठाकुर,कार्यकारिणी सदस्य सतीश मुन्ना,श्याम बाबू महतो ने भी महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

छठ व्रतियों के बीच वितरित किया गया कलसूप और नारियल

महापौर इंदू देवी एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेम पंकज, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष ने बांटा सामग्री

● राजेंद्र प्रसाद चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में वितरित हुआ पूजन सामग्री

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। शहर के मीरगंज बांसटाल स्थित राजेन्द्र कुंज के समीप बुधवार को राजेन्द्र प्रसाद चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में छठ व्रतियों बीच कलसूप, नारियल, सेव एवं पूजन सामग्री का वितरण किया गया। इस मौके पर महापौर इंदू देवी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह ट्रस्ट के संस्थापक प्रेम पंकज उर्फ ललन जी, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आलोक अंजन समेत अन्य लोगो ने संयुक्त रुप से छठ व्रतियों के बीच बांस से निर्मित कलसूप, नारियल, ईख, सेव, नारंगी एवं पूजन सामग्री का वितरण किया। इस मौके पर महापौर इंदू देवी ने कहा कि महापर्व छठ समरसता का प्रतिक है। इस पर्व में अमीर-गरीब एवं ऊंच-नीच का भेदभाव मिट जाता है। भगवान सभी लोगो पर अपनी ऊर्जा समान रूप से बिखेरते हुए ऊंच-नीच का भेद नहीं करते है।

उन्होंने शहर वासियों को महापर्व छठ की अग्रिम बधाई दी। भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेम पंकज उर्फ ललन जी ने कहा की यह महापर्व हमें पेड़-पौधों के रोपण तथा उनके संरक्षण की सीख देता है।

संचालन करते हुए ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आलोक अंजन ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा आगे भी गरीबो व जरुरतमंदों के कल्याणार्थ रक्तदान, कबंल वितरण जैसे कार्य किए जाएगें। इस मौके पर ट्रस्ट की संरक्षक हेवंती देवी, कृष्ण कुमार, महिला मोर्चा संयोजक अंशु गुप्ता, सुमेधा गुप्ता, सचिव अभिजीत आनंद, युवा मोर्चा अध्यक्ष प्रतिक राज, आनंद कुमार, राजेंद्र सिंह, भोला शर्मा, विशाल गुप्ता, मंटू सिंह, छोटे लाल, गौरी शंकर शर्मा, अजीत सिंह, अनिल सिंह, आदित्य सिंह आदि, थे। कलसूप वितरण में तरुण सह किशोरो ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया, जिसमे प्रतीक्षा उर्फ श्रुति, अंशिका, रक्षित, आद्यया, सौम्या, आदि मुख्य रूप से शामिल रहे।

राजकीय कन्या +2 उच्च विद्यालय आरा में 196-तरारी विधानसभा उप चुनाव के पूर्व तैयारियों की समीक्षा की गई

■ ईवीएम संग्रहण केन्द्र -सह-मतगणना केंद्र का किया गया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिला पदाधिकारी, भोजपुर एवं पुलीस अधीक्षक,भोजपुर द्वारा राजकीय कन्या +2 उच्च विद्यालय आरा में 196-तरारी विधानसभा उप चुनाव के पूर्व तैयारियों की समीक्षा हेतू ई०वी०एम० संग्रहण केन्द्र -सह-मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा संग्रहण टेबल पर पर्याप्त संख्या में कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी द्वारा संग्रहण सह मतगणना केंद्र पर माननीय प्रेक्षक के लिए कक्ष, मीडिया कोषांग के लिए चिन्हित स्थल, माइक्रो ऑब्जर्बर/ट्रेनरों आदि के लिए टेबल की आवश्यकता अनुसार व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया।

केंद्र पर प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों/कर्मियों के लिए पर्याप्त अल्पाहार एवं पेयजल की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। साथ ही प्रबंधक जीविका को जीविका का स्टाल लगवाने का निर्देश दिया गया।

निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त, विशेष कार्य पदाधिकारी,नगर आयुक्त, उप निर्वाचन पदाधिकारी,एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

कुल 44 घाट चिन्हित,दण्डाधिकारी एवं पदाधिकारी हुए प्रतिनियुक्त

काराकाट (रोहतास), प्रातः किरण। आस्था के महापर्व छठ को देखते हुए इस बार जिला प्रशासन की ओर से पूरी मुस्तादी दिखाई गई है जिसके आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी अनिल बाशा एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय के द्वारा बार-बार बुलाई गई बैठकों के मद्दे नजर प्रखंड में कुल 44 घाटों के लिए दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह एवं थाना अध्यक्ष कुलदेव चौधरी के नेतृत्व में काम करने वाले इन छठ घाटों के लिए गोडारी नहर पर छठ घाट हेतु सीडीपीओ रीता कुमारी के साथ एस आई अंजली कुमारी, मोठा 52 बीघा छठ घाट पर नहर विभाग के सहायक अभियंता संजय कुमार के साथ एस आई दयाशंकर कुमार, देव मारकंडे छठ घाट पर सांख्यिकी पदाधिकारी अनुज कुमार के साथ एस आई रमण कुमार, सवारी दीपउ बाबा छठ घाट के लिए नगर पंचायत काराकाट के कार्यपालक पदाधिकारी सीमाब मतीन के साथ कच्छवा थाना के एस आई मनीष कुमार तथा करकट बाजार स्थित छठ घाट पर दण्डाधिकारी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी रेणुका कुमारी के साथ एस आई श्याम किशोर को पुलिस पदाधिकारी के रूप में प्रतिदिन नियुक्त किया गया है।

बेलाउर सूर्य मंदिर में छठ करने आते हैं देश-विदेश से छठव्रती

आरा : भोजपुर जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है बेलाउर का सूर्य मंदिर काफी प्रसिद्ध है। भगवान भास्कर की नगरी बेलाउर में छठ व्रत करने का अपना खास महत्व है। यहां भगवान सूर्य का ऐसा एक दिव्य मंदिर है जो पूर्वाभिमुख न होकर पश्चिम मुखी है। इसकी मान्यता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि देश-विदेश के लोग यह मन्नत पूरी होने की आस में पहुंचते हैं। घाट के किनारे 10 दिन पहले से ही छठवर्ती पहुंच जाते हैं। आज करना है कल पहले अर्घ्य होगा। विशालकाय भैरवानंद तालाब के बीचो-बीच भगवान भास्कर का यह सूर्य मंदिर बना है, जो अन्य मंदिरों से अलग महत्व रखता है। आरा-सहार मुख्य पथ पर बेलाउर का सूर्य मंदिर है।आपको बता दें कि प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु जिलों से मनौती पूर्ण होने पर उज्जवल भविष्य की काम करने के लिए श्रद्धा और विश्वास के साथ आते हैं। संवत 2007 में मौनी बाबा (करवासीन) निवासी ने मंदिर का निर्माण कराया आपको बता दें कि प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु विभिन्न जिलों से मनौती पूर्ण होने पर उज्जवल भविष्य की कामना करने के लिए श्रद्धा और विश्वास से आते हैं।

नासरीगंज में पुलिस और पब्लिक आमने सामने, कई घायल

■ छठ पूजा में डीजे बजाने को लेकर हुआ झड़प, पुलिस छावनी में नासरीगंज

प्रातः किरण संवाददाता

नासरीगंज (रोहतास) स्थानीय थाना क्षेत्र के नगर स्थित मंगल बाजार वार्ड चार में डीजे बजाने को ले हुई झड़प। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उक्त वार्ड में छठ पूजा को ले बज रहे डीजे को बन्द करने को पुलिस ने कहा। जिसपर वार्डवासियों ने अन्य स्थानों पर बज रहे डीजे का हवाला दे डीजे बजाने से मना कर दिया। डीजे बजाने पर प्राथमिकी करने की बात कह पुलिस लौट गई। वार्ड वसियों ने बताया कि पूजा में डीजे बजाने को ले अपनी बात रखने थाना परिसर गये थे जिसपर थानाध्यक्ष ने अभद्र व्यवहार किया और वायु सेना सेवानिवृत्त कर्मो के साथ मारपीट की गई जिसमें वह गम्भीर रुप से घायल हो गये। जिसपर गुस्साए लोग पुलिस के विरुद्ध गोलब्ध हो गये। भारी संख्या में लोग थाना पहुंचकर पुलिस की अभद्रता का विरोध करने लगे। मौके पर पहुंचे एसडीएम अनिल बसाक व एसडीपीओ कुमार संजय, बीडीओ नौशाद आलम सिद्दीकी, सीओ अंचला कुमारी, इंस्पेक्टर कुणाल कृष्ण, नगर इओ विकास कुमार, ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बल का प्रयोग किया। स्थानीय लोगों की माने तो पुलिस ने कई निर्दोष व्यक्तियों को भी पीटा और निर्दोष लोगों को पकड़ कर हाजत में बन्द कर दिया तथा वार्ड 05 में डीजे संचालक का डीजे भी तोड़ फोड़ कर नाली में फेंक दिया। पुलिस की पिटाई से गम्भीर रूप से घायल वायु सेना कर्मी सन्तोष कुमार गुप्ता का इलाज पीएचसी में कराया गया जहां से चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए सासाराम रेफर कर दिया। उक्त घटना को ले जिले के सभी थानों की पुलिस जुट गई। इस सम्बंध में घायल सेवानिवृत्त कर्मी ने बताया कि थाने में डीजे बजाने के मना करने पर मैं इस सम्बंध में थाने में अपनी बात रखने गया था जिसपर पुलिस ने मेरे साथ अभद्र व्यवहार एवं मारपीट भी की गई। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष अमित कुमार ने उक्त कर्मी की पिटाई करने से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें डीजे बजाने के लिए केवल मना किया गया था जिसपर वो लोग उग्र हो कर गोलबंद हो गये।

एसडीएम अनिल बसाक ने कहा कि डीजे बजाने को ले विवाद हुआ था जिसपर नियंत्रण कर लिया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि विवाद का निपटारा कर लिया गया है। चौकसी के लिए पुलिस बल को तैनात किया गया है।

खबर लिखे जाने तक पुलिस फ्लैग मार्च कर रही थी। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बहाल थी। देर शाम शांति व्यवस्था बहाल करने को ले एडीएम चंद्रशेखर प्रसाद, के अध्यक्षता में बैठक कर सभी से शांति व्यवस्था बहाल करने की अपील की गई।

मौके पर पूरे जिले की पुलिस टीम उपस्थित थी।

डीजे तोड़ कर नाली में डालने का वीडियो वायरल

प्रातः किरण संवाददाता

नासरीगंज(रोहतास) : महापर्व छठ पर्व को लेकर एक तरफ भक्तिमय माहौल बना हुआ है । लेकिन दूसरी तरफ डीजे बजाने के विवाद बुधवार को नासरीगंज नगर के मंगल बाजार में दोपहर को बढ़ गया । डीजे बंद करने के मामले छठ पूजा समिति व पुलिस के बीच नोंक झोंक हुई । इसके बाद विवाद बढ़ता विवाद देख बिक्रमगंज एसडीएम अनिल बसाक स्थल पर पहुंचे । डीजे को तोड़ फोड़ शुरू किया इसके बाद नाली में मिक्सर मशीन सहित डीजे का कई समान डाल दिया गया । इस घटना का वीडियो वायरल हो गया । वायरल वीडियो की हमारा खबर पुष्टि नहीं करता है । गौरतलब हो कि माननीय सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि डीजे नहीं बजाना है । पुलिस प्रशासन को डीजे जप्त कर कानूनी कारवाई करने का कानून है । लेकिन चर्चा इस बात की जोरों पर है कि एसडीएम की मनमानी रवैया व कानून को ताक पर रखने पर भारी विरोध जारी है । महापर्व छठ में इस प्रकार की हरक्क्त से लोग परेशान है, वही इनका विरोध भी जारी है ।

जगमग रौशनी से नहाएगा महुली और सिन्हा घाट, 70 फीट लंबा तथा 50 फीट चौड़ाई में छठ घाट को सजाया

प्रातः किरण संवाददाता

भोजपुर। भोजपुर के बड़हरा में चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ नहाए खाए के साथ ही मंगलवार से शुरू हो गया। इस दौरान श्री श्री छठ पूजा समिति नूरपुर पोरहां के युवाओं ने घाट को साफ-सफाई कर तैयार कर दिया है। युवाओं ने बताया कि कुदरिया ढाल से करीब एक किलोमीटर महुली गंगा घाट तक समिति के सदस्यों ने लाइट की व्यवस्था की है। पूरे रास्ते को समिति के सदस्यों ने साफ-सफाई कर सजा दिया है। छठ पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि हर साल इस छठ घाट पर छठ व्रत करने वाले श्रद्धालु करीब एक हजार की संख्या में पहुंचते हैं पिछले वर्ष 943 श्रद्धालुओं ने समिति से छठ घाट पर अपने लिए बेदी का निर्माण करवाया था। इस वर्ष भी तेजी से श्रद्धालु अपने अपने घाट पर बेदी बना रहे हैं। वहीं, महुली गंगा घाट पर करीब 70 फीट लंबा तथा 50 फीट चौड़ाई में छठ घाट को सजाया गया है। इस घाट पर करीब आधा दर्जन शौचालय तथा दो दर्जन चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है।

सिन्हा टीम लक्ष्मीपुर गांव के युवाओं की ने सिन्हा छठ घाट पर जाने वाले रास्ते का निर्माण कर दिया है। टीम के सदस्य सनी सिंह ने बताया कि

बखोरापुर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष बीडी के सहयोग से एक जेसीबी मशीन लगाकर रास्ते से पानी तथा कीचड़ को हटा दिया गया है। बालू डालकर रास्ते को पूरी साफ सफाई के साथ निर्माण कर दी गई है। छठ घाट मरम्मत कार्य में चंदन सिंह, सतेंद्र सिंह, सीटू सिंह व रिशु श्रीवास्तव समेत कई लोग थे।

वही बीडी सिंह ने कहा कि मैं भोजपुर के लोगों से हमें प्यार मिलता है अपनापन मिलता है इसलिए भोजपुर के जनता के लिए हमेशा हम तत्पर रहते हैं और हमेशा सहयोग करते रहेंगे भोजपुर के लोग जब भी हमारे पटना आते हैं तो लगता है अपनापन लगता है

रणबीर कपूर के साथ सीता के किरदार में नजर आएंगी साई पल्लवी?

अमरन की सफलता का आनंद ले रहीं साई पल्लवी ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने लिए एक अलग पहचान बना ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साउथ सिनेमा में अपनी पहचान बनाने के बाद, अब साई, रणबीर कपूर अभिनीत रामायण से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। इतने शानदार करियर के साथ, साई पल्लवी की संपत्ति अच्छी खासी है, जो उनकी उनकी सफलता को दर्शाती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, साई पल्लवी की वर्तमान कुल संपत्ति लगभग 47 करोड़ रुपये है। उनकी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा मलयालम, तेलुगु और तमिल सिनेमा में उनकी फिल्मों से आता है। वह कुछ ब्रांड एंडोर्समेंट भी करती हैं। साई ने हाल ही में सुर्खियां बटोरीं क्योंकि उन्होंने पहले कई ब्रांड एंडोर्समेंट को अस्वीकार कर दिया था।

फिल्म रामायण से करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमरन अभिनेत्री एक फिल्म के 2.5 करोड़ से 3 करोड़ रुपये लेती हैं। हालांकि, उन्होंने नितेश तिवारी की रामायण में अपनी भूमिका के लिए 6 करोड़ रुपये की डिमांड की है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह फिल्म बड़े पैमाने पर है। इस फिल्म में साई के अलावा रणबीर कपूर और केजीएफ स्टार यश के होने की भी संभावना है। साई पल्लवी अपने विनम्र स्वभाव के लिए जानी जाती हैं, लेकिन तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनका एक खूबसूरत घर भी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री अक्सर अपने परिवार के साथ उस आलीशान घर में क्वालिटी टाइम बिताती हैं। उनके पास मित्सुबिशी लांसर इवो एक्स और ऑडी क्यू 3 सहित कुछ शानदार कारें भी हैं। भले ही साई पल्लवी की नेटवर्थ काफी अच्छी है, लेकिन वह एक साधारण जीवनशैली का पालन करने में विश्वास करती हैं।
हाल ही में साई पल्लवी ने शिवकार्तिकेयन अभिनीत अमरन में सिंधु रेबेका वर्गीस की भूमिका निभाई। दर्शकों ने फिल्म में उनके अभिनय की सराहना की और उनकी खूब तारीफ की। काम की बात करें तो साई के पास पाइपलाइन में कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। साई पल्लवी नागा चैतन्य के साथ थंडेल में काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म क्रिसमस पर रिलीज होने वाली है। दूसरी ओर, वह रणबीर कपूर के साथ रामायण में माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी।

फिल्म ठग लाइफ के सूफी नंबर पर थिरकेंगी तृषा कृष्णन

साल 2025 की सबसे प्रतीक्षित तमिल फिल्मों में से एक ठग लाइफ अपने निर्माण के अंतिम चरण के करीब है। निर्देशक मणिरत्नम और उनकी टीम ने हाल ही में कमल हासन अभिनीत आगामी फिल्म की प्रमुख फोटोग्राफी पूरी की है। जैसा कि पहले बताया गया था, मुख्य अभिनेत्री तृषा कृष्णन का एक गाना अभी शूट होना बाकी है। इसी बीच लोकप्रिय अभिनेत्री ने हाल ही में अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पुष्टि की कि उन्होंने ठग लाइफ की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि त्रिशा ने फिल्म पर एक रोमांचक अपडेट भी दिया।

रोमांचक गीत की शूटिंग शुरू

भले ही मणिरत्नम और उनकी टीम ने कमल हासन की फिल्म के सभी महत्वपूर्ण हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली थी, लेकिन एक गाने का सीक्वेंस अभी भी बाकी था। अकादमी पुरस्कार विजेता संगीतकार एआर रहमान द्वारा रचित इस रोमांचक गीत में प्रमुख महिला तृषा कृष्णन हैं।

शूटिंग में व्यस्त हैं तृषा कृष्णन

हाल ही में, लोकप्रिय स्टार ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पुष्टि की कि उन्होंने गाने की शूटिंग शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि तृषा ने यह भी बताया कि यह फिल्म का उनका पसंदीदा गाना है, जिसे उन्होंने मास्टरपीस का टैग दिया है। तृषा कृष्णन इस समय गाने की शूटिंग के लिए ठग लाइफ के क्रू के साथ मुंबई में हैं।

गैंगस्टर ड्रामा होगी ठग लाइफ

रिपोर्ट्स की मानें तो तृषा कृष्णन ठग लाइफ में अहम भूमिका निभाने वाले सिलंबरासन टीआर के अपोजिट नजर आने वाली हैं। फिल्म में अभिनेत्री की भूमिका और उनके पहले लुक के बारे में अधिक अपडेट जल्द ही जारी होने की उम्मीद है। मणिरत्नम और कमल हासन ने 1987 की फिल्म नायकन में साथ काम किया था। अब वे ठग लाइफ के लिए फिर से साथ आए हैं। फिल्म को गैंगस्टर ड्रामा बताया जा रहा है।

ठग लाइफ की रिलीज पर कब आएगा अपडेट?

ठग लाइफ मणिरत्नम द्वारा निर्देशित और राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल और मद्रास टॉकीज द्वारा सह-निर्मित है। फिल्म में जयम रवि, तृषा, नासर, जोजू जॉर्ज, अशोक सेलवन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, गौतम कार्तिक, अभिरामी गोपीकुमार और अन्य कलाकार भी शामिल हैं। हाल ही में अली फजल ठग लाइफ की टीम में शामिल हुए थे। फिल्म का संगीत एआर रहमान ने दिया है। कमल हासन के 70वें जन्मदिन के विशेष अवसर पर ठग लाइफ के ट्रेलर के साथ 7 नवंबर, 2024 को फिल्म की आधिकारिक रिलीज की तारीख की घोषणा होने की उम्मीद है।

राजस्थान में भव्य डेस्टिनेशन वेडिंग नहीं करेंगे नागा-शोभिता

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला पिछले कुछ समय से अपनी शादी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जब से दोनों ने कुछ महीने पहले एक-दूसरे को अंगूठी पहनाई है, तब से प्रशंसक उनकी शादी के बारे में जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। पहले खबर आई थी कि कपल राजस्थान में भव्य शादी करने की योजना बना रहे थे। हालांकि, अब खबर आ रही है कि दोनों हैदराबाद में ही शादी करेंगे। आइए जानते हैं कि मामला क्या है।

राजस्थान में शादी नहीं करेंगे नागा-शोभिता

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की आगामी शादी सोशल मीडिया पर चर्चा का सबसे बड़ा विषय है। इस कपल के इस साल के अंत तक शादी के बंधन में बंधने की उम्मीद है। हालांकि, कपल की भव्य शादी की तारीख और वेन्यू के बारे में अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हाल ही में आई अफवाहों से ऐसा लग रहा है कि वे राजस्थान में डेस्टिनेशन वेडिंग कर सकते हैं।

भव्य तरीके से नहीं होगी शादी

नागा और सोभिता की सगाई के ठीक बाद, इंटरनेट पर कई रिपोर्ट्स सामने आईं, जिसमें बताया गया कि वे और कपल्स की तरह राजस्थान के एक आलीशान महल रिसॉर्ट में शाही डेस्टिनेशन वेडिंग कर सकते हैं। हालांकि, अब नई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि वे दोनों स्थानीय शादी की योजना बना रहे हैं। हालांकि, इस मामले को लेकर अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अनुमान है कि नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला 4 दिसंबर, 2024 को हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में एक पारंपरिक समारोह में शादी करेंगे।

शादी से पहले की रस्में हो गई थीं शुरू

बता दें कि 21 अक्टूबर, 2024 को नागा और शोभिता के लिए शादी से पहले के उत्सवों का पहला सेट शुरू हुआ था। अभिनेत्री द्वारा अपने पसुपु दंचदम समारोह से साझा की गई तस्वीरों में, शोभिता को अपने परिवार की महिलाओं से घिरा हुआ देखा जा सकता है। अभिनेत्री ने हल्दी की जड़ें कुचली, पूजा की और अपने जीवन में एक नया अध्याय शुरू करने से पहले अपने परिवार के बड़ों से आशीर्वाद लिया।

आई वॉन्ट टू टॉक में नजर आएंगे अभिषेक बच्चन

अभिनेता अभिषेक बच्चन अपनी नई फिल्म के साथ दर्शकों के बीच आने वाले हैं। अभिषेक बच्चन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी फिल्म आई वॉन्ट टू टॉक का पोस्टर साझा किया है। फिल्म का ट्रेलर 5 नवंबर को रिलीज हो गया है। आई वॉन्ट टू टॉक 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन सुजीत सरकार ने किया है। फिल्म के प्रोड्यूसर रॉनी लहरी और शील कुमार हैं। अभिषेक बच्चन इन दिनों अपनी फिल्म हाउसफुल 5 की शूटिंग में बिजी हैं इस फिल्म में अक्षय कुमार, चंकी पांडे, कृति खरबंदा, संजय दत्त, नौरा फतेही, सौंदर्या शर्मा, फरदीन खान भी नजर आने वाले हैं।

सनी लियोनी और डेनियल वेबर ने दूसरी बार रचाई शादी

अभिनेत्री सनी लियोनी ने दूसरी बार शादी रचा ली है। हालांकि, दूसरी बार भी उन्होंने पति डेनियल वेबर के साथ ही जीने-मरने की कसमें दोहराई हैं। सनी और डेनियल ने साल 2011 में शादी की थी। वहीं, शादी के 13 साल बाद जोड़े ने 31 अक्तूबर को मालदीव में दोबारा शादी की। हालांकि, न तो सनी और न ही डेनियल ने शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, इसमें केवल उनके बच्चे-निशा, नूह और अशर ही शामिल हुए थे।

सनी-डेनियल ने दोबारा रचाई शादी

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पारंपरिक आनंद कारज समारोह में शादी करने के 13 साल बाद सनी और डेनियल ने व्हाइट वेडिंग चुनी। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों काफी समय से अपनी शादी की प्रतिज्ञा को नवीनीकृत करना चाहते थे, लेकिन उन्होंने इंतजार किया क्योंकि वे चाहते थे कि उनके बच्चे इस समारोह के महत्व को समझें।

मालदीव को चुना वेडिंग स्पॉट

सनी लियोनी और डेनियल वेबर ने इसे मालदीव में करने का विकल्प चुना क्योंकि यह परिवार का पसंदीदा वेकेशन स्पॉट है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दंपति ने स्वयं द्वारा लिखी प्रतिज्ञाएं पढ़ीं और उनके तीनों बच्चों में से प्रत्येक ने बताया कि परिवार उनके लिए क्या मायने रखता है। निशा सनी को गलियारे तक ले गई और बेटे मंच पर अपने पिता के साथ उनका इंतजार कर रहे थे।

मैं और रणबीर काफी अलग हैं, हम एक-दूसरे की ताकत और कमजोरियों को समझते हैं

चार साल की उम्र में उन्होंने तय कर लिया था कि वे एक्टिंग में आएंगी। संघर्ष जैसी फिल्म में बाल कलाकार के रूप में आने वाली इस नन्ही बच्ची ने फिल्मों में आने के बाद ही अपने नाम का डंका बजा दिया और सबसे सफल और बहुमुखी एक्ट्रेस का दर्जा हासिल किया। हम बात कर रहे हैं स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपने करियर की शुरुआत करने वाली आलिया भट्ट की। भट्ट परिवार और कपूर खानदान की विरासत को आगे बढ़ाने वाली बहुमुखी प्रतिभा की स्वामिनी आलिया एक प्यारी पत्नी और मां भी हैं।

दिवाली की जगमग चारों तरफ है, आप दीपों के इस त्योहार को कैसे देखती हैं?

बहुत ही पॉजिटिविटी के साथ देखती हूं। इस दिन हम जिस तरह से घरों को रोशनी से सजाते हैं, वो मुझे बहुत भाता है। इस अवसर पर परिवार, दोस्तों और अपनों का साथ फेस्टिवल की खुशी को बढ़ाता है। इस मौके पर घर की साफ-सफाई और ज्यादा पॉजिटिविटी देती है। मैं तो ऐसे मौकों पर अच्छा-खासा मीठा खा लेती हूं, क्योंकि मुझे मीठा वैसे भी पसंद है। त्योहार हमारी परंपराओं और परिवारों को मजबूत करते हैं। हमारी दिवाली पार्टियों का आगाज हो चुका है। मैं बहुत खुश हूं कि इस बार दिवाली पर मैं घर में अपनी बेटी और परिवार के साथ हूं। मैं उनके साथ समय बिता रही हूं और अपना मनपसंद खाना खा रही हूं।

आपके करियर की बात करूं तो आपने कब तय किया था कि आप एक्ट्रेस बनेंगीं?

महज चार साल की उम्र में ही मैंने तय कर लिया था कि मैं हिरोइन बनूंगी। मुझे याद है कि उस दिन मैं गोविंदा और करिश्मा कपूर की एक फिल्म देख रही थी, जिसमें दोनों सड़क पर गाना गा रहे थे। उस वक्त यह देखकर मैं हैरान हो गई कि दोनों नाच रहे हैं और फटाफट कपड़े भी बदल रहे हैं। मुझे लगा कि ये तो कमाल है, ये कैसे और कहां से कपड़े बदल रहे हैं, मुझे भी ऐसा करना है। बस वहीं से ऐक्टिंग के कीड़े ने मुझे काट लिया था। संघर्ष में मैंने एक छोटा-सा किरदार भी निभाया था और उसी के बाद मुझे यकीन हो चला था कि मुझे बस कैमरे के सामने अभिनय करना है।

आपने हमेशा कहा है कि आपकी बहन और मॉम आपका सपोर्ट सिस्टम हैं।

हमेशा से! मेरी मां मेरी प्रेरणा हैं और शाहीन मेरा सपोर्ट सिस्टम और खुशियों की किरण। ये दोनों मेरी जिंदगी की बहुत सशक्त और विचारशील महिलाएं हैं, जिनसे मैं हर दिन कुछ सीखती हूं। अपनी बहन से मैं कोई भी बात शेयर कर पाती हूं। वह इस इंडस्ट्री से नहीं है और वो जब भी मेरे काम या फिल्मों के बारे में बात करती हैं, तो निष्पक्ष होकर करती है। उसके आइडियाज बहुत ही प्योर होते हैं। मेरी मां तो मेरी दुनिया है और मेरे पिता मेरे लिए दुनिया का आईना हैं। मेरा सबसे बड़ा सपॉर्ट सिस्टम मेरी छोटी बहन और मेरा परिवार है।

एक्टर पति रणबीर कपूर आपको किस तरह से कॉम्प्लिमेंट करते हैं?

मैं और रणबीर काफी अलग हैं। हम दोनों बहुत अलग सोचते हैं और चीजों को अलग तरीके से संभालते हैं। वह अधिक शांत स्वभाव के हैं, जबकि मैं कभी-कभी ज्यादा सोचने लगती हूं, पर मुझे लगता है कि इसी वजह से हम दोनों एक-दूसरे को अच्छे तरीके से संतुलित और पूरा कर पाते हैं। हम एक-दूसरे की ताकत और कमजोरियों को समझते हैं और यही हमारे रिश्ते को मजबूत बनाता है।

राहा की पैदाइश के बाद मदरहुड ने आपको कितना बदला है?

राहा की पैदाइश के बाद मैं खुद को पूरी तरह से नया इंसान मानती हूं। मैंने खुद में सिर्फ अच्छा बदलाव पाया है। मदरहुड कोई एक इमोशन नहीं होता, बल्कि हर दिन कई भावनाओं के साथ गुजरता है। चुनौतीपूर्ण भी है, एक तरफ मैं राहा की प्रतिक्रिया के लिए उत्साहित रहती हूं और दूसरी तरफ थोड़ी नर्वस भी। मातृत्व एक ऐसी प्रक्रिया है, जहां हर दिन आप अपने बारे में भी बहुत कुछ सीखते हैं।

करियर और पर्सनल लाइफ को संतुलित करने वाली अभिनेत्री के रूप में आप एक आइडियल हैं, क्या मेसेज देना चाहेंगी महिलाओं को?

बस चलते रहोज काम करते रहो, आप कभी असफल भी होंगे, मगर अहम यह है कि आप खुद पर कैसे विश्वास करते हैं और कैसे दोबारा उठ खड़े होते हैं। मेरा संदेश यही है, कभी हार मत मानो, गिरो, तो उठ खड़े हो और चल पड़ो।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, गुरूवार, 07 नवंबर, 2024

संक्षिप्त समाचार

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के विलय का चौथा चरण शुरू, यूपी समेत देशभर में खत्म हो जाएंगे 15 आरआरबी

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के विलय का चौथा चरण शुरू कर दिया है। इसके तहत, यूपी समेत विभिन्न राज्यों में 15 आरआरबी का वजूद खत्म हो जाएगा। विलय के बाद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की संख्या 43 से घटकर 28 रह जाएगी। वित्तीय सेवा विभाग ने सरकारी बैंकों के प्रमुखों को भेजे पत्र में कहा, कृषि-जलवायु या भौगोलिक प्रकृति और आरआरबी की समुदायों के साथ निकटता बनाए रखने के लिए एक राज्य-एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के लक्ष्य को हासिल करने के वास्ते इन बैंकों को और अधिक समेकित करने की जरूरत महसूस की जा रही है। इससे आरआरबी की दक्षता बढ़ने के साथ लागत भी कम होगी। आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा चार आरआरबी हैं। उत्तर प्रदेश व पश्चिम बंगाल में तीन-तीन, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान दो-दो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक हैं। एक राज्य-एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक' के लक्ष्य के तहत इनका विलय होगा। बता दें कि तेलंगाना में विलय आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक की परिसंपत्तियों व देनदारियों को तेलंगाना ग्रामीण बैंक के साथविभाजन के अधीन होगा। केंद्र ने 2004-05 में आरआरबी के समेकन की पहल की थी। इसके परिणामस्वरूप तीन चरणों के विलय के जरिये 2020-21 तक ऐसे बैंकों की संख्या 196 से घटकर 43 रह गई। बता दें कि केंद्र की वर्तमान में आरआरबी में 50 फीसदी हिस्सेदारी है।

18,000 फर्जी कंपनियां सरकार को लगा रही थी 25000 करोड़ का चूना, पकड़ी गई टैक्स चोरी

नईदिल्ली, एजेंसी। कर अधिकारियों ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत पंजीकृत करीब 18,000 फर्जी कंपनियों का पता लगाया है, जो करीब 25,000 करोड़ रुपए की कर चोरी में शामिल हैं। फर्जी कंपनियों के खिलाफ हाल ही में संपन्न राष्ट्रव्यापी अभियान में अधिकारियों ने 73,000 कंपनियों की पहचान की थी, जिनके बारे में उन्हें संदेह था कि वे बिना किसी वास्तविक माल की बिक्री के केवल 'इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाने के लिए स्थापित की गई थीं और इस तरह ये कंपनियां सरकारी खजाने को चूना लगा रही थीं। अधिकारी ने कहा, फर्जी पंजीकरण के खिलाफ दूसरे राष्ट्रव्यापी अभियान में हमने सत्यापन के लिए लगभग 73,000 जीएसटीआईएन की पहचान की थी। इनमें से लगभग 18,000 अस्तित्वहीन पाए गए। ये फर्जी कंपनियां लगभग 24,550 करोड़ रुपए की कर चोरी में शामिल थीं। विशेष अभियान के दौरान कंपनियों द्वारा लगभग 70 करोड़ रुपए का स्वैच्छिक जीएसटी भुगतान किया गया। सरकार फर्जी जीएसटी पंजीकरण की जांच के लिए लक्षित कार्रवाई कर रही है और अधिक से अधिक भौतिक सत्यापन हो रहा है। फर्जी पंजीकरण के खिलाफ दूसरा राष्ट्रव्यापी अभियान 16 अगस्त से अक्टूबर के अंत तक चला। फर्जी पंजीकरण के खिलाफ पिछले साल 16 मई से 15 जुलाई तक चले पहले राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत जीएसटी पंजीकरण वाली 21,791 इकाइयों का अस्तित्व नहीं पाया गया था।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने की आहट पर चमका बिटक्कॉइन, पहली बार पहुंचा 75000 के पार

नईदिल्ली, एजेंसी। मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटक्कॉइन की चमक डोनाल्ड ट्रंप की आहट पर चमक गई। अमेरिकी चुनाव के नतीजे अभी आए नहीं हैं लेकिन डोनाल्ड ट्रंप इस रेस में काफी आगे चल रहे हैं जिसके चलते बिटक्कॉइन उछलकर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया और इसने 75 हजार डॉलर के लेवल को छू दिया। इससे पहले का रिकॉर्ड हाई 73,797.68 डॉलर था जो इसने 14 मार्च को छुआ था। इसके बाद यह 70 हजार डॉलर के नीचे तक आ गया था। आज की बात करें तो फिलहाल बिटक्कॉइन 9.28 फीसदी की बढ़त के साथ 74,362.19 डॉलर के भाव पर है और इसने 75,011.06 डॉलर का रिकॉर्ड हाई लेवल छुआ था।

बिटवाइज एसेट मैनेजमेंट के रिसर्च हेड ऋ्4ड्डठ्ठ ऋड्ढह्यद्धद्बह्यद्धद्दठ्ठ का कहना है कि चुनाव का क्रिप्टो पर काफी असर है। रेयॉन के मुताबिक जब तक स्पष्ट नतीजे नहीं आ जाते हैं, क्रिप्टोकरेंसीज के भाव में उतार-चढ़ाव दिख सकता है। ट्रंप या हैरिस, किसकी जीत पर कितना असर होगा, इसे लेकर रेयान का कहना है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप जीतते हैं तो यह और नई हाई पर पहुंच सकता है जबकि कमला हैरिस जीतती हैं तो हल्की बिकवाली दिख सकती है जिससे रिकवर होने में इसे एक से दो महीने का समय लग सकता है। हालांकि रेयान का यह भी कहना है कि जीत किसी की भी हो, आखिरकार इसे ऊपर ही जाना है। इस साल का राष्ट्रपति चुनाव क्रिप्टो इंडस्ट्री को लेकर काफी अहम है। इसकी वजह ये है कि इस पर चुनाव के दौरान काफी चर्चा हुई। कई लोग हैरिस की जीत को क्रिप्टो के लिए खतरे के रूप में देख रहे हैं। वहीं ट्रम्प को क्रिप्टो इंडस्ट्री के लिए पॉजिटिव माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने इस साल के शुरुआत में खुद को एक प्रो-क्रिप्टो उम्मीदवार के रूप में पेश किया था।

टाटा के शेयर में बड़ी गिरावट, एनालिस्ट भी सहमे, घटाए गए टारगेट प्राइस

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की ज्वेलरी और घड़ी बनाने वाली दिग्गज कंपनी टाइटन के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज शुरुआती कारोबार में ही 3 प्रतिशत से अधिक गिरकर 3113.65 रुपये के इंट्रा डे लो पर पहुंच गए। इससे पहले बीते मंगलवार को यह शेयर 3233.05 रुपये पर बंद हुआ था। बता दें कि शेयरों में यह गिरावट सितंबर तिमाही के नतीजों के बाद देखी गई है। दरअसल, सितंबर तिमाही में नेट मुनाफा 23 प्रतिशत घटकर 704 करोड़ रुपये रह गया है।

क्या है डिटेल

कंपनी के शेयर बाजार को बताया कि, टाइटन का सितंबर, 2024 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 23 प्रतिशत घटकर 704 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी ने 916 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। हालांकि, समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की बिक्री 25.82 प्रतिशत बढ़कर 13,473 करोड़ रुपये हो गई। पिछले साल की इसी तिमाही में यह 10,708 करोड़ रुपये रही थी। सितंबर तिमाही में टाइटन की कुल आय 15.83 प्रतिशत बढ़कर 14,656 करोड़ रुपये हो गई। तिमाही के दौरान टाइटन का आभूषण कारोबार 15.25 प्रतिशत बढ़कर 12,771 करोड़ रुपये हो गया।

अब क्या है ब्रोकरेज की राय

टाटा समूह की टाइटन कंपनी लिमिटेड पर कवरेज रखने वाले अधिकतर एनालिस्ट ने मंगलवार को बाजार बंद होने के बाद सितंबर तिमाही के नतीजों की रिपोर्ट के बाद स्टॉक पर अपने टारगेट प्राइस में कटौती कर दी है। ब्रोकरेज फर्म जेफ़रीज़ ने स्टॉक पर अपनी होल्ड रेटिंग बरकरार रखी है, लेकिन इसके टारगेट प्राइस को पहले के 3,600 से घटाकर 3,400 कर दिया है। जेफरीज ने वित्तीय वर्ष 2025 - 2027 के लिए टाइटन की प्रति शेयर आय अनुमान को 3 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। गोल्डमैन सैक्स ने टाइटन पर अपनी खरीद की सिफारिश बरकरार रखी है और इसके टारगेट प्राइस को पहले के 3,750 से मामूली रूप से घटाकर 3,650 कर दिया है। मॉर्गन स्टेनली ने स्टॉक पर अपनी इक्वल वेट रेटिंग बरकरार रखी है और इसके टारगेट को पहले के 3,576 से मामूली रूप से घटाकर 3,532 कर दिया है। दूसरी ओर, सीएलएसए ने टाइटन पर अपना टारगेट पहले के 3,948 से बढ़ाकर 4,221 कर दिया है।

एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और पीएनबी में हो गया बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। बैंक लॉकर सुविधाओं के किराए, सुरक्षा और नामांकन से संबंधित कुछ नियमों में हाल ही में बदलाव किया गया है। यह बदलाव देश के प्रमुख बैंकों जैसेएसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, और पीएनबी में लागू होने जा रहा है। आइए जानते हैं इन सभी बैंकों के चार्जेज का विवरण, ताकि समझ सकें कि अब आपको कितना अधिक भुगतान करना होगा।

इस बात का रखें ध्यान

बैंकों द्वारा अलग-अलग कैटेगरी के ग्राहक, जैसे कि पर्सनल ग्राहक, साझेदारी फर्में, सीमित कंपनियां, क्लब, आदि को बैंक लॉकर की सुविधाएं दी जाती है। हालांकि, बैंक नाबालिगों के नाम पर लॉकर आवंटन नहीं करते हैं। बैंक अपने ग्राहकों के लिए एक तरह के पट्टेदार के रूप में कार्य करते हैं, जिसमें वार्षिक किराए के आधार पर लॉकर सर्विस दी जाती है।

सुरक्षा की दृष्टि से बैंक यह आश्वासन देते हैं कि ग्राहकों की कीमती वस्तुओं का संरक्षण, उनकी फीस की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित है। बता दें कि बैंक में कैश रखने पर उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी नहीं होती है। इसलिए समान रखते वक्त इसका ध्यान रखें।

लोकेशन के हिसाब से अलग-अलग होगा किराया

एक रिपोर्ट के अनुसार, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, और पीएनबी के लॉकर किराये में बैंक की शाखा, स्थान और लॉकर के आकार के अनुसार अंतर हो सकता है। बैंक ने नए रेट जारी कर दिए हैं।

त्योहारों की खुमारी में टॉप गियर में दौड़े बाइक और स्कूटर

मुंबई। अक्टूबर में दो बड़े त्योहारों- नवरात्रि-दशहरा और दीवाली- के उत्साह का असर दोपहिया वाहन कंपनियों की बिक्री पर भी दिखा और देसी बाजार में उनकी बिक्री दो अंकों में बढ़ गई। टीवीएस मोटर कंपनी, हीरो मोटोकॉर्प और रॉयल एनफील्ड जैसे उद्योग के दिग्गजों ने सीजन के दौरान दोपहिया वाहनों की बढ़ती उपभोक्ता मांग के कारण घरेलू बिक्री में 13 से 26 फीसदी के बीच वृद्धि दर्ज की। मगर बजाज ऑटो को त्योहारी उछाल के बावजूद घरेलू बिक्री में गिरावट का सामना करना पड़ा।

चेन्नई की कंपनी टीवीएस मोटर कंपनी ने त्योहारी उत्साह के बीच देसी बाजार की बिक्री में एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 13 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। कंपनी ने अक्टूबर 2024 में 3,90,489 वाहनों की बिक्री की, जबकि एक साल पहले के समान महीने में उसने 3,44,957 वाहन बेचे थे। टीवीएस ने अपनी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) श्रेणी में भी एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 45 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। दुनिया की सबसे बड़ी दोपहिया विनिर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने भी त्योहारी सीजन में शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान घरेलू बाजार में उसकी बिक्री एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 17.4 फीसदी बढ़ गई। कंपनी ने इस साल अक्टूबर में 6,57,403 वाहनों की बिक्री की जिसे मुख्य तौर पर उसके ग्रैंड इंडियन फेस्टिवल ऑफ ट्रस्ट अभियान से बढ़ावा मिला।

कंपनी ने धनतेरस के दिन अपनी अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की। इससे उसे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में खास तौर पर 100 सीसी और 125 सीसी की लोकप्रिय मोटरसाइकिल श्रेणी में मांग को पूरा करने में मदद मिली। रॉयल एनफील्ड ने भी त्योहारी उत्साह के कारण बिक्री में 26 फीसदी की वृद्धि दर्ज की।

वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा विनिर्माण और व्यापार में वृद्धि, भारत और चीन सबसे आगे

नईदिल्ली, एजेंसी। आईईए की एनर्जी टेक्नोलॉजी पर्सपेक्टिव्स 2024 की रिपोर्ट स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी विनिर्माण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के भविष्य का विश्लेषण प्रदान करती है। यह छह प्रमुख प्रौद्योगिकियों - ईवी, बैटरी, सौर पीवी, पवन टरबाइन, ताप पंप और इलेक्ट्रोलाइज़र पर केंद्रित है जोकि वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा निवेश का लगभग आधा हिस्सा है, जिसका बाजार आकार 700 अरब डॉलर से अधिक है।

रिपोर्ट उन आर्थिक अवसरों का आकलन करती है जो स्वच्छ, आधुनिक ऊर्जा अर्थव्यवस्था पैदा कर रही है और कैसे स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और सामग्रियों के निर्माण में निवेश वैश्विक व्यापार प्रवाह को नया आकार दे रहा है। ईटीपी-2024 स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण के लिए सुरक्षित और लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने की आवश्यकता पर भी विचार करता है।

भारत 2020 के बाद से विनिर्माण निवेश पांच गुना बढ़ गया है, भारत की वैश्विक हिस्सेदारी 1.5 प्रतिशत से बढ़कर 3 प्रतिशत हो गई है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना जैसी पहल के माध्यम से, भारत का लक्ष्य 2035 तक स्वच्छ प्रौद्योगिकियों का शुद्ध निर्यातक बनना है।

वहीं चीन सभी छह प्रौद्योगिकियों के लिए कम लागत वाले विनिर्माण में अग्रणी, चीन की सुविधाएं अमेरिका और यूरोप की तुलना में 25-

95 प्रतिशत कम लागत पर संचालित होती हैं। चीन के स्वच्छ प्रौद्योगिकी निर्यात से वर्तमान नीतियों के तहत 2050 के आसपास और मजबूत जलवायु नीतियों के साथ 2035 तक इसके जीवाश्म ईंधन आयात को संतुलित करने की उम्मीद है। स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए वैश्विक बाजार 2015 से चार गुना बढ़ गया है, जो 2023 में 700 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है। यह बाजार 2035 तक 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक तक पहुंच सकता है, जो वैश्विक कच्चे तेल बाजार के बराबर है। इन प्रौद्योगिकियों में वैश्विक व्यापार एक दशक में तीन गुना हो जाएगा, जो संभावित रूप से 575 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा, जो आज के प्राकृतिक गैस व्यापार से 50 प्रतिशत अधिक है। उम्मीद है कि चीन दुनिया की स्वच्छ ऊर्जा विनिर्माण महाशक्ति बना रहेगा, जिसका अनुमानित निर्यात 2035 तक 340 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा। भारत का परिवर्तन - तीव्र संक्रमण परिदृश्यों के तहत, भारत 2035 तक शुद्ध आयातक से निर्यातक में स्थानांतरित हो सकता है, जिससे संभावित रूप से स्वच्छ तकनीकी निर्यात में 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर का उत्पादन होगा और इसके जीवाश्म ईंधन आयात बिल में 20 प्रतिशत की कमी आएगी।

11 दिन में 110 प्रतिशत की तूफानी तेजी, रॉकेट सा भाग रहा सोलर कंपनी का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। सोलर कंपनी वारी एनर्जीज के शेयरों ने बुलेट ट्रेन की रफ्तार पकड़ रखी है। वारी एनर्जीज के शेयर मंगलवार को बीएसई में 5 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 3179.60 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर 52 हफ्ते के अपने नए हाई पर हैं। वारी एनर्जीज का आईपीओ हाल ही में 21 अक्टूबर को खुला था। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 1503 रुपये था। 11 दिन में वारी एनर्जीज के शेयर अपने इश्यू प्राइस के मुकाबले 110 पर्सेंट से अधिक उछाल गए हैं। कंपनी का मार्केट कैप भी 90000 करोड़ रुपये को पार कर गया है।

तगड़े फायदे पर हुई थी कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग

वारी एनर्जीज के आईपीओ में शेयर का दाम 1503 रुपये था। कंपनी के शेयर 28 अक्टूबर 2024 को बीएसई में 2550 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लिस्टिंग वाले दिन कंपनी के शेयर 2336.80 रुपये पर बंद हुए। इधर, वारी एनर्जीज के शेयरों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर 5 नवंबर 2024 को बीएसई में 3179.60 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 2294.55 रुपये है।

79.44 गुना सब्सक्राइब हुआ था कंपनी का आईपीओ

वारी एनर्जीज का आईपीओ टोटल 79.44 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 11.27 गुना दांव लगा था। वहीं, एंप्लॉयीज का कोटा 5.45 गुना सब्सक्राइब हुआ। वारी एनर्जीज के आईपीओ में नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 65.25 गुना दांव लगा। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 215.03 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट और अधिकतम 14 लॉट के लिए बोली लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 9 शेयर थे। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को कम से कम 13,527 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा। वारी एनर्जीज के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 4321.44 करोड़ रुपये तक का था। कंपनी के शेयर बीएसई और हस्श्व दोनों प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं।

भारत ब्रांड गेहूं के आटे और चावल की खुदरा बिक्री का दूसरा चरण शुरू, इस बार महंगा मिलेगा राशन

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने उपभोक्ताओं को ऊंची कीमतों से राहत देने के लिए भारत ब्रांड के तहत रियायती दर पर गेहूं के आटे और चावल की खुदरा बिक्री का दूसरा चरण मंगलवार को शुरू कर दिया है ।हालांकि, पहले चरण की तुलना में दूसरे में खरीदारों को अधिक कीमत पर राशन मिलेगा। सहकारी समितियों भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड), केंद्रीय भंडार और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिये राशन बेचा जाएगा ।दूसरे चरण में गेहूं का आटा 30 रुपये प्रति किलोग्राम और चावल 34 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से पांच और 10 किलोग्राम के पैकेट में बेचा जाएगा।

नौकरी छोड़ मियां-बीवी ने शुरू किया ठेठ देसी काम, अब सालाना 2 करोड़ की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद के रहने वाले श्रीकांत मालदे और उनकी पत्नी चार्मी ने आईटी जगत की चकाचौंध छोड़ 2017 में गौनीति ऑर्गेनिक्स नाम के एक डेयरी ब्रांड की शुरुआत की। यह ब्रांड पूरे भारत में शुद्ध और स्वास्थ्यवर्धक डेयरी उत्पाद बेचता है। वित्त वर्ष 2023-24 में इस ब्रांड ने 2 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। कंप्यूटर और टेक्नोलॉजी की दुनिया से गायों तक का यह सफर उनके लिए आसान नहीं था। लेकिन, अपने जुनून और मेहनत के दम पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। आइए, यहां श्रीकांत मालदे

और उनकी पत्नी चार्मी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। श्रीकांत और चार्मी दोनों पहले आईटी सेक्टर में काम करते थे। श्रीकांत को इस क्षेत्र में 10 साल का अनुभव था। अच्छी तनख्वाह वाली नौकरियां होने के बावजूद उन्हें अपने काम से संतुष्टि नहीं मिल रही थी। दोनों को लगता था कि उन्हें कुछ और करना चाहिए। कुछ ऐसा जो ज्यादा मायने रखता हो। 2014 में श्रीकांत के पिता का गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर से निधन हो गया। यह घटना उनके लिए एक बड़ा झटका थी। इस घटना ने उन्हें अपनी जीवनशैली, खासकर अपने खान-पान के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया। इस घटना के बाद कपल ने अपने खान-पान पर ध्यान देना शुरू किया।

संक्षिप्त समाचार

जलज सक्सेना ने हासिल की उल्लेखनीय उपलब्धि

● यह रिकॉर्ड बनाने वाले पहले क्रिकेटर बने

थुंबा (केरल) (एजेंसी)। केरल के ऑलराउंडर जलज सक्सेना सेंट जेवियर्स कॉलेज ग्राउंड में उत्तर प्रदेश के खिलाफ एलीट ग्रुप सी के चौथे दौर के मैच के दौरान रणजी ट्रॉफी में 6000 रन और 400 विकेट का उल्लेखनीय डबल हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। कोलकाता में केरल के पिछले मैच में 6000 रन का आंकड़ा पार करने वाले सक्सेना ने खेल में अपना चौथा विकेट लेने के बाद यह मील का पत्थर हासिल किया, उन्होंने तेज ऑफ स्पिन गेंद पर बाएं हाथ के बल्लेबाज नीतीश राणा का विकेट लिया, जिससे राणा स्टंप आउट हो गए। 37 वर्षीय यह गेंदबाज रणजी ट्रॉफी के इतिहास में 400 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले 13वें गेंदबाज हैं।

सक्सेना ने 2005 में मध्य प्रदेश के साथ अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की, राज्य के साथ अपने 11 साल के कार्यकाल में उन्होंने 159 विकेट लिए और 4041 रन बनाए। 2016-17 सीजन में वह केरल चले गए और टीम के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए, जो केवल केएन अनंथापद्मनाभन से पीछे हैं।

पिछले सीजन में सक्सेना दिग्गजों की श्रेणी में शामिल हो गए जब वह भारतीय घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सभी प्रारूपों में 9000 रन और 600 विकेट हासिल करने वाले केवल चौथे खिलाड़ी बने और वीनू मांकड़, मदन लाल और परवेज़ रसूल की अनन्य कंपनी में शामिल हो गए। अकेले रणजी ट्रॉफी में उनका रिकॉर्ड सक्रिय ऑलराउंडरों में बेजोड़ है और विजय हजारे, मदन लाल और सुनील जोशी जैसे भारतीय महान खिलाड़ियों की श्रेणी में है।

बिग बैश लीग 14 से पहले सिडनी थंडर ने की बड़ी घोषणा, डेविड वॉर्नर को बनाया कप्तान

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को बिग बैश लीग (बीबीएल) 2024-25 के लिए सिडनी थंडर का कप्तान बनाया गया है। वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में गेंद से छेड़छाड़ को लेकर वॉर्नर को आजीवन कप्तानी के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। डेविड वॉर्नर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके है। पिछले दिनों डेविड वॉर्नर ने कप्तानी पर लगे बैन के खिलाफ अपील की थी। जिसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के आचार संहिता आयोग ने उन पर लगे प्रतिबंध को समाप्त कर दिया। समीक्षा पैनल ने कहा, 'वार्नर जवाबों के सम्मानजनक तथा पश्चाताप भरे लहजे ने समीक्षा पैनल को प्रभावित किया और उन्हें अपने आचरण के लिए अत्यधिक पश्चाताप है।% इसके बाद उन्हें सिडनी थंडर का कप्तान बनाये जाने की घोषणा की गई। सिडनी थंडर का कप्तान बनाए जाने पर डेविड वॉर्नर ने कहा, 'एक बार फिर सिडनी थंडर की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं शुरुआत से ही इस टीम का हिस्सा रहा हूं। अब अपने नाम के आगे 'सी' के साथ वापस आना बहुत अच्छा लग रहा है।

इंडियन प्रीमियर लीग, आईपीएल- 2025

1574 खिलाड़ियों पर लगेगी बोली, जेम्स एंडरसन का भी नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को घोषणा की कि 1165 भारतीय खिलाड़ियों सहित कुल 1574 क्रिकेटरों ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से पहले सऊदी अरब के जेद्दा में 24 और 25 नवंबर को होने वाली बड़ी नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। इस सूची में 320 कैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच खेला हो) खिलाड़ी जबकि 1,224 अनकैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी और एसोसिएट देशों के 30 खिलाड़ी शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों में 48 भारत के हैं। इसके अलावा देश के 965 अनकैप्ड खिलाड़ी भी नीलामी का हिस्सा होंगे। बोली के लिए जेम्स एंडरसन ने 1.25 करोड़ के बेस प्राइस पर अपन नाम दर्ज कराया है जबकि ऑक्शन में बेन स्टोक्स का नाम नहीं है।

409 विदेशी खिलाड़ी रजिस्टर - खिलाड़ियों का पंजीकरण आधिकारिक तौर पर सोमवार को बंद हो गया। कुल 409 विदेशी खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए पंजीकरण किया है। यह लगातार दूसरा साल है जब नीलामी विदेश में हो रही है। आईपीएल 2024 से पहले पिछली नीलामी दुबई में हुई थी। नीलामी 22 नवंबर से पर्थ में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरू हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे और चौथे दिन के खेल से टकराएगी। प्रत्येक फ्रेंचाइजी अधिकतम 25 खिलाड़ियों (संबंधित रिटेन खिलाड़ियों सहित) की टीम बना सकेगी और नीलामी से कुल 204 खिलाड़ी खरीदे जा सकेंगे। इस साल की नीलामी में ऋषभ पंत, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर और अर्शदीप सिंह जैसे कुछ बड़े भारतीय सितारे भी शामिल होंगे।

दक्षिण अफ्रीका से 91 खिलाड़ी - नीलामी में 91 खिलाड़ियों के साथ दक्षिण अफ्रीका का दूसरा सबसे बड़ा खिलाड़ी पूल है जिसके बाद 76 खिलाड़ियों के साथ ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है। इंग्लैंड से 52 और न्यूजीलैंड से 39 क्रिकेटर नीलामी में हिस्सा लेंगे जबकि वेस्टइंडीज (33) और अफगानिस्तान (29) और श्रीलंका (29) इस सूची में अगले पायदान पर हैं। एसोसिएट देशों में यूएसए (10), नीदरलैंड (12), कनाडा (4), इटली (1), यूएई (1) और स्कॉटलैंड (2) के खिलाड़ी नीलामी का हिस्सा लेंगे।

46 खिलाड़ी ही हुए हैं रिटेन - नीलामी के दौरान 10 फ्रेंचाइजी के पास 204 खिलाड़ियों पर खर्च करने के लिए सामूहिक रूप से लगभग 641.5 करोड़ रुपए होंगे। इन 204 स्थानों में से 70 विदेशी खिलाड़ियों के लिए निर्धारित हैं। अब तक 10 फ्रेंचाइजी ने

558.5 करोड़ रुपए के सामूहिक खर्चे के साथ 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अपनी टीम बनाने के लिए 120 करोड़ रुपए आवंटित किए गए।

पंजाब के पास सबसे अधिक पैसा - पंजाब किंग्स के पास सबसे अधिक 110.5 करोड़ रुपए हैं। पंजाब की टीम ने सिर्फ दो अनकैप्ड खिलाड़ियों शशांक सिंह और प्रभसिमरन सिंह को कुल 9.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया है। संजू सैमसन की अगुआई वाली राजस्थान रॉयल्स के पास 6 खिलाड़ियों को रिटेन करने के बाद सबसे कम 41 करोड़ रुपए की राशि है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी 6 खिलाड़ियों को रिटेन किया है लेकिन उनके पास 51 करोड़ रुपए की राशि बची है।

नीलामी 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से पहले खिलाड़ियों की बड़ी नीलामी 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को घोषणा की। यह लगातार दूसरा साल है जब नीलामी विदेश में हो रही है। आईपीएल 2024 से पहले पिछली नीलामी दुबई में हुई थी। खिलाड़ियों का पंजीकरण आधिकारिक तौर पर सोमवार को बंद हो गया और कुल 1,574 क्रिकेटरों (1,165 भारतीय और 409 विदेशी) ने नीलामी के लिए पंजीकरण किया है। नीलामी 22 नवंबर से पर्थ में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरू हो रहे पहले टेस्ट के तीसरे और चौथे दिन के खेल से टकराएगी।

प्रत्येक फ्रेंचाइजी अधिकतम 25 खिलाड़ियों (संबंधित रिटेन खिलाड़ियों सहित) की टीम बना सकेगी और नीलामी से कुल 204 खिलाड़ी खरीदे जा सकेंगे। इस सूची में 320 कैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच खेला हो) खिलाड़ी जबकि 1,224 अनकैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी और एसोसिएट देशों के 30 खिलाड़ी शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों में 48 भारत के हैं। इसके अलावा देश के 965 अनकैप्ड खिलाड़ी भी नीलामी का हिस्सा होंगे। इस साल की नीलामी में ऋषभ पंत, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर और अर्शदीप सिंह जैसे कुछ बड़े भारतीय सितारे भी शामिल होंगे।

नीलामी के दौरान 10 फ्रेंचाइजी के पास 204 खिलाड़ियों पर खर्च करने के लिए सामूहिक रूप से लगभग 641.5 करोड़ रुपए होंगे। इन 204 स्थानों में से 70 विदेशी खिलाड़ियों के लिए निर्धारित हैं। अब तक 10 फ्रेंचाइजी ने 558.5 करोड़ रुपए के सामूहिक खर्चे के साथ 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अपनी टीम बनाने के लिए 120 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे लेकिन 31 अक्टूबर को रिटेंशन (खिलाड़ियों को अपने साथ बरकरार रखा) प्रक्रिया खत्म होने के बाद पंजाब किंग्स के पास सबसे अधिक 110.5 करोड़ रुपए हैं।

पंजाब की टीम ने सिर्फ 2 अनकैप्ड खिलाड़ियों शशांक सिंह और प्रभसिमरन सिंह को कुल 9.5 करोड़ रुपए में रिटेन किया है। संजू सैमसन की अगुआई वाली राजस्थान रॉयल्स के पास 6 खिलाड़ियों को रिटेन करने के बाद सबसे कम 41 करोड़ रुपए की राशि है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी 6 खिलाड़ियों को रिटेन किया है लेकिन उनके पास 51 करोड़ रुपए की राशि बची है।

'यह रोमांचक है', जोस इंग्लिस ने ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी मिलने पर दी पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे और उसके बाद टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी मिलने के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंग्लिस ने कहा कि उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी मिलने पर वाकई सम्मान की बात है। इंग्लिस ऑस्ट्रेलिया के 30वें वनडे कप्तान बनेंगे जब टीम पर्थ में पाकिस्तान से खेलेगी जबकि नियमित कप्तान पैट कमिंस बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए जाएंगे। मिशेल मार्श के पितृत्व अवकाश पर होने के कारण वह 14-18 नवंबर तक ब्रिसबेन, सिडनी और होबार्ट में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 मैचों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करने वाले 14वें खिलाड़ी बन जाएंगे।

इंग्लिस ने कहा, यह रोमांचक है, मैं वास्तव में इसका इंतजार कर रहा हूं। मैं निश्चित रूप से मिच और पैट की जगह ले रहा हूं, जो बाहर हैं - मिच पितृत्व अवकाश पर हैं और पैट टेस्ट समर की तैयारी कर रहे हैं। मैं वास्तव में चुनौती का इंतजार कर रहा हूं और पर्थ में ऐसा करना वास्तव में अच्छा होने वाला है। जॉर्ज बेली ने पिछले सप्ताह मुझे फोन किया और मैं शुरुआत में थोड़ा चौंक गया था, लेकिन जाहिर है कि हमारे पास कई खिलाड़ी हैं जो अलग-अलग चीजों की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन उस कॉल को पाना और मंजूरी पाना वाकई अच्छा है। मैं इस पद पर होने के लिए वास्तव में सौभाग्यशाली और सम्मानित महसूस कर रहा हूँ।

इंग्लिस ने इससे पहले 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ड्रॉ हुए मैच में प्रधानमंत्री एकादश की कप्तानी की थी और अब उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया के लिए अपने नेतृत्व कौशल के साथ एक अभिनव और आक्रामक दृष्टिकोण लाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, जब सब कुछ ठीक चलता है तो मैं इसका आनंद लेता हूं, लेकिन जब ऐसा नहीं होता है तो यह इतना मजेदार नहीं होता। लेकिन मुझे लगता है कि एक विकेटकीपर के रूप में आप खेल को देखने और यह देखने के लिए वास्तव में अच्छी स्थिति में होते हैं कि यह कैसे आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा रणनीति के हिसाब से सोचता रहता हूं कि हम कैसे बदलाव कर सकते हैं, विकेट ले सकते हैं और इस तरह की चीजें कर सकते हैं। मुझे लगता है कि मुझे खेल को इस तरह से भटकते हुए देखना पसंद नहीं है, मैं काफी अभिनव होना चाहता हूं और खेल को आगे बढ़ाना चाहता हूं। हम देखेंगे कि रविवार को खेल कैसा होता है, लेकिन मैं इसके लिए उत्सुक हूं।

अनिल कुंबले को उम्मीद, दक्षिण अफ्रीका में युवा खिलाड़ियों को मिलेगा मौका

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना ??है कि यश दयाल, विशाक विजयकुमार और रमनदीप सिंह को घरेलू क्रिकेट में उनके शानदार रिकार्ड को देखते हुए भारतीय टी20 टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिलना चाहिए। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम डरबन में शुक्रवार से शुरू होने वाली पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी।

पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण इस टीम के कोच हैं। कुंबले ने जिओ सिनेमा से कहा, 'मुझे उम्मीद है कि इन तीनों खिलाड़ियों को भारतीय टीम की तरफ से खेलने का मौका मिलेगा क्योंकि उन्होंने घरेलू स्तर पर वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। कुंबले ने तेज गेंदबाज यश दयाल की शानदार वापसी करने के लिए प्रशंसा की, जिन पर रिंकू सिंह ने आईपीएल 2023 के दौरान लगातार पांच छक्के जड़े थे।

उन्होंने कहा, 'यश दयाल जिन पर रिंकू सिंह ने लगातार पांच छक्के लगाए थे, उन्होंने क्या शानदार वापसी की। इससे उनके जज्बे का पता चलता है। वह बाएं हाथ का शानदार तेज गेंदबाज है जो दोनों तरफ गेंद को मूव कर सकता है। कुंबले ने हैरानी जताई कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने विजयकुमार को रिटेन नहीं किया।

उन्होंने कहा, 'विजयकुमार वास्तव में बहुत अच्छा तेज गेंदबाज है जिसने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे वास्तव में हैरानी हुई कि आरसीबी ने उसे रिटेन नहीं किया। मुझे उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीका में उसे मौका मिलेगा। उसके पास डेथ ओवरों के लिए हर तरह का वेरिएशन है।

कुंबले ने कहा कि अगर रमनदीप को अंतिम एकादश में जगह मिलती है तो उनका गेंदबाज के रूप में भी उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'रमनदीप अच्छा आक्रामक बल्लेबाज और शानदार क्षेत्ररक्षक है। मुझे उम्मीद है कि उसका गेंदबाज के रूप में भी उपयोग किया जाएगा क्योंकि आईपीएल में इंपैक्ट प्लेयर के नियम के बाद लोग ऑलराउंडर को नजर अंदाज करने लगे हैं।

रोनाल्डो के गोल की मदद से अल नासर की एएफसी चैंपियंस लीग में बड़ी जीत

रियाद (एजेंसी)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल की मदद से अल नासर ने एएफसी चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के एलीट वर्ग में संयुक्त अरब अमीरात के क्लब और गत चैंपियन अल ऐन को 5-1 से हराकर 12 टीमों की तालिका में शीर्ष तीन में जगह बनाई।

सऊदी अरब के क्लब अल नासर के चार मैचों में 10 अंक हैं तथा वह स्थानीय प्रतिद्वंद्वियों अल हिलाल और अल अहली से दो अंक पीछे हैं। इन दोनों ने अभी तक अपने चारों मैच जीते हैं। एंडरसन तालिस्का ने खेल शुरू होने के पांच मिनट बाद ही अल नासर की तरफ से पहला गोल किया। इसके बाद

रोनाल्डो ने आधे घंटे के अंतराल के ठीक बाद इस सत्र में प्रतियोगिता में अपना दूसरा गोल किया।

फैबियो कार्डोसो के आत्मघाती गोल से सऊदी अरब की टीम ने मध्यांतर तक 3-0 की बढ़त बना दी। वेस्ले और तालिस्का ने दूसरे हाफ में अल नासर के लिए गोल किए। इस बीच जापान के विसेल कोबे ने दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू एफसी पर 2-0 से जीत से अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल कर लिया। मलेशिया के जोहोर दारुल ताज़िम दक्षिण कोरिया के दो बार के चैंपियन उल्सान एचडी पर 3-0 से जीत के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया।

अभिषेक शर्मा ने युवराज सिंह के एक ओवर में 6 छक्कों को किया याद

डरबन (दक्षिण अफ्रीका) (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने प्रोटियाज के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए किंग्समीड, डरबन पहुंचने पर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह के आईसीसी टी20 विश्व कप 2007 के मुकाबले के दौरान एक ओवर में 6 छक्कों को याद किया। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में युवराज टी20आई में एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बने और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसा करने वाले पहले भारतीय भी बने। उन्होंने सिर्फ 16 गेंदों में तीन चौकों और सात छक्कों की मदद से 58 रन बनाए जिससे भारत ने एक अहम मैच में 218/4 का स्कोर बनाया।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में अभिषेक शर्मा ने कहा, मैं यहां पहली बार आया हूं, लेकिन जब मैंने इसे पहली बार टीवी पर देखा और अब मैं यहां हूं, तो यह एक सपना सच होने जैसा है। मैं टी20 विश्व कप 2007 के दौरान युवराज सिंह के 6 छक्कों से प्रेरित था। यहां अपने पहले दिन मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रहा था कि वह किस

छोर से हिट करते। फिर हम सभी ने चर्चा शुरू की, उसने पहले दो शॉट वहीं मारे और तीसरा पॉइंट के ऊपर से मारा और सभी क्षेत्रों को कवर किया। यह एक शानदार याद है।

इसके अलावा बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें यकीन है कि जब वह डरबन में मेन इन ब्लू के लिए खेलेंगे तो युवराज सिंह उन्हें देखेंगे। उन्होंने कहा, %मैं अपने परिवार के साथ घर पर खेल देख रहा था। जब हमने वह खेल जीता तो मेरी पूरी कॉलोनी बाहर आ गई और हमने जीत का जश्न मनाया। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां आ पाऊंगा, लेकिन मैं बस खेलना चाहता था। मुझे यकीन है कि वह (युवराज सिंह) भी खेल देखेंगे और यह मेरे लिए एक सपना होगा क्योंकि मैं उन्हें यहां खेलते हुए देखकर प्रेरित हुआ। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा और उन्हें गौरवान्वित करूंगा।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चार मैचों की टी20 सीरीज 8 नवंबर को डरबन के किंग्समीड क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगी। पोर्ट एलिजाबेथ के सेंट जॉर्ज पार्क में 10 नवंबर को प्रोटियाज और मेन इन ब्लू के बीच दूसरा टी20 मैच खेला जाएगा।

पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

जोश इंग्लिस को मिली कप्तानी

कैनबरा(एजेंसी)। विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंग्लिस तीसरे और अंतिम वनडे के साथ-साथ पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में भी ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे। ये सीरीज 14-18 नवंबर के बीच ब्रिसबेन, सिडनी और होबार्ट में खेली जाएगी। फॉर्म में चल रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज को अनुभवी वाइट-बॉल खिलाड़ियों ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस पर तरजीह दी गई है और पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के अंतिम मैच में भी टीम की कप्तानी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट सितारे भारत के साथ आगामी सीरीज के लिए अपनी तैयारियों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

इंग्लिस ने पिछले साल भारत में ऑस्ट्रेलिया के सफल आईसीसी पुरुष क्रिकेट [illegible] निभाई थी और अनुभवी कीपर मैथ्यू वेड के हाल ही में रिटायरमेंट का मतलब है कि 29 वर्षीय यह खिलाड़ी वाइट-बॉल के दोनों प्रारूपों में स्टंप के पीछे पहली पसंद है। चयन अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने बुधवार को आईसीसी के हवाले से कहा, जोश वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों का अभिन्न सदस्य है और मैदान के अंदर और बाहर एक बेहद सम्मानित खिलाड़ी है। वह पहले ऑस्ट्रेलिया ए का नेतृत्व कर चुका है और इस भूमिका में मजबूत सामरिक कौशल और सकारात्मक दृष्टिकोण लाएगा। जोश को मैट शॉर्ट और एडम जम्पा के साथ-साथ ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों से बहुत अच्छा समर्थन मिलेगा।

कमिंस और साथी रेड-बॉल सितारे मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ पाकिस्तान के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज के अंतिम मैच से बाहर हो गए हैं जबकि तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन और जेवियर बार्टलेट को कीपर-बल्लेबाज जोश फिलिप और एक और तेज गेंदबाज लांस मॉरिस के साथ टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया ने एमसीजी में पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच दो विकेट से जीता। सीरीज के अंतिम दो मुकाबले एडिलेड (8 नवंबर) और पर्थ (10 नवंबर) में खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम

पैट कमिंस (कप्तान - पहले दो मैच), जोश [illegible] जेवियर बार्टलेट (केवल तीसरा मैच), कूपर कोनोली, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड (केवल दूसरा मैच), स्पेंसर जॉनसन (केवल तीसरा मैच), मार्नस लाबुशेन (केवल पहले दो मैच), ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, जोश फिलिप (केवल तीसरा मैच), मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ (केवल पहले दो मैच), मिशेल स्टार्क (केवल पहले दो मैच), मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा

ऑस्ट्रेलिया टी20आई टीम

जोश इंगलिस (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, स्पेंसर जॉनसन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस [illegible]

संक्षिप्त समाचार

नोएडा के गार्डन गैलरिया मॉल में महिला के साथ की अश्लील हरकत, कंपनी का डायरेक्टर गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के गार्डन गैलरिया मॉल में एक महिला के साथ गंदी हरकत करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि मॉल में एक पार्टी आयोजित हुई थी जिसमें उसके साथ अश्लील हरकत की गई। इसका आरोप उसी की कंपनी के डायरेक्टर है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित युवती ने सोमवार रात को थाने में मामला दर्ज कराया। युवती ने पुलिस को बताया कि वह इंदिरापुरम स्थित एक 'बिल्डिंग कंसल्टेंसी फर्म' में काम करती है जिसके डायरेक्टर भूपेंद्र कुमार रमैया ने उसके साथ काम करने वाले लोगों को थाना सेक्टर 39 के सेक्टर 38 ए स्थित गार्डन गैलरिया मॉल के एक रेस्तरां में बीते शनिवार को पार्टी दी थी। पीड़िता का आरोप है कि जब वह पार्टी में पहुंची तो उसकी कंपनी के निदेशक ने उसके साथ अश्लील हरकत की और उसे गलत तरीके से छूआ। थाना प्रभारी ने बताया कि मामला दर्ज करके पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसे अदालत में पेश किया जा रहा है।

एनएएन घोटाला में एनसीबी का बड़ा ऐक्शन, दो पूर्व आईएएस सहित महाधिवक्ता पर एफआईआर

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी)/आर्थिक अपराध शाखा ने कथित नागरिक आपूर्ति निगम (एनएएन) घोटाला मामले की जांच दो सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों और एक पूर्व राज्य महाधिवक्ता तक पहुंच गई है। इन तीनों पर मामले की जांच को प्रभावित करने के लिए अपने पदों का दुरुपयोग करने का आरोप है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह आरोप राज्य में पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान तीनों आरोपियों के कार्यकाल से संबंधित हैं। एसीबी ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय में महाधिवक्ता रहे सतीश चंद्र वर्मा, भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी अनिल टुटेजा और आलोक शुक्ला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। ईओडब्ल्यू ने इन तीनों के खिलाफ यह प्राथमिकी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रतिवेदन के आधार पर नागरिक आपूर्ति निगम (एनएएन) में बड़ी गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए दर्ज की है। प्राथमिकी में बताया गया है कि कैसे ये तीनों वाट्सऐप के जरिए एक-दूसरे के संपर्क में रहे और पद तथा प्रभाव का दुरुपयोग करके धांधली को अंजाम दिया।

पुरी के राजा ने धमकी दी, इस्कॉन को रद्द करनी पड़ी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

भुवनेश्वर, एजेंसी। पुरी के पूर्व राजा द्वारा कानूनी कार्रवाई की धमकी देने के बाद इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) को ह्यूस्टन में अपनी प्रस्तावित रथ यात्रा रद्द करनी पड़ी। इस्कॉन के सूत्रों ने कहा कि 9 नवंबर को बोस्टन में होने वाली रथ यात्रा रद्द कर दी गई है क्योंकि संगठन भगवान जगन्नाथ के उड़िया भक्तों की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता है। हालांकि, इस्कॉन ने कहा है कि वह संकीर्तन यात्रा का आयोजन करेगा। इससे पहले मंगलवार को पुरी के पूर्व राजा गजपति दिब्यसिंघा देब ने ह्यूस्टन में 9 नवंबर को होने वाली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि नवंबर में रथ यात्रा जगन्नाथ संस्कृति का उल्लंघन है। उन्होंने कहा था, बहुत हो गया। इस बार हम इसे नहीं छोड़ेंगे। उड़िया लोग बहुत धैर्यवान होते हैं। अगर ऐसी बात दूसरे धर्म में होती, तो बहुत बड़ी प्रतिक्रिया होती। हम त्योहार को रद्द करने के लिए इस्कॉन से संपर्क करेंगे। उन्होंने कहा, हम निकाय से जगन्नाथ संस्कृति का पालन करने और उसका सम्मान करने का अनुरोध करेंगे।हालांकि हमारे अनुरोध पर, उसने 2021 से भारत में रथ यात्रा के असामयिक उत्सव को रोक दिया, लेकिन उसने इसे देश के बाहर मनाना जारी रखा है। परंपरा के अनुसार, भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों की मूर्ति को वार्षिक स्नान यात्रा (भगवान जगन्नाथ की जयंती) और रथ यात्रा के अलावा मंदिर से बाहर नहीं ले जाया जाना चाहिए।

भारत में खास किस्म का है जातिगत भेदभाव, आरक्षण में 50 प्रतिशत की बाधा हटाकर ही रहेंगे: राहुल गांधी

हैदराबाद, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि वह तेलंगाना में जाति आधारित जनगणना सुनिश्चित करने के साथ ही देश में जाति आधारित जनगणना के लिए राज्य को एक मॉडल के रूप में पेश करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। राज्य सरकार द्वारा छह नवंबर से शुरू किए जाने वाले जाति सर्वेक्षण से पहले यहां तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जाति आधारित जनगणना भेदभाव की सीमा और प्रकृति का आकलन करने के लिए शुरू की जाने वाली पहली प्रक्रिया है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, मैं यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं कि न केवल तेलंगाना में जाति आधारित जनगणना हो, बल्कि तेलंगाना देश में जाति आधारित जनगणना के लिए एक मॉडल बन जाए।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया कि

भारत में ''एक अलग ही तरह'' का जातिगत भेदभाव है और ये संभवतः विश्व में सबसे खराब है।

उन्होंने कहा, ''देश में 50 प्रतिशत आरक्षण की कृत्रिम बाधा को खत्म किया जाएगा।''लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें आश्चर्य है कि प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से यह क्यों नहीं कहा कि वह भारत में भेदभाव के विचार को चुनौती देना चाहते हैं। राहुल गांधी ने पूछा, ''प्रधानमंत्री यह पूछने से क्यों डरते हैं कि कॉरपोरेट, न्यायपालिका, मीडिया में कितने दलित, ओबीसी, आदिवासी हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि संसद में उन्होंने पार्टी की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर जाति आधारित जनगणना कराने का वादा किया है।

राहुल गांधी ने हैदराबाद के बोवेनपल्ली में गांधी विचारधारा केंद्र में जाति जनगणना पर बुद्धिजीवियों और बीसी (पिछड़े वर्ग) समुदाय के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जातिगत भेदभाव असमानता को कायम रखता है। उन्होंने जोर दिया कि जातिगत जनगणना सभी समुदायों, खासकर पीढ़ियों से हाशिए पर पड़े लोगों को न्याय दिलाने में मदद करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि जाति आधारित जनगणना निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगी और दलितों, ओबीसी और महिलाओं को प्रभावित करने वाली सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को उजागर करेगी।

हमें देश में जातिगत भेदभाव और असमानता के अस्तित्व को स्वीकार करना चाहिए। कुछ लोग मुझ पर इन मुद्दों को संबोधित करके देश को विभाजित करने का आरोप लगाते हैं, लेकिन सच बोलने से देश नहीं बंटता। जातिगत जनगणना दलितों, ओबीसी और महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं को स्पष्ट करेगी और यह पहचानने में मदद करेगी कि वित्तीय संसाधन किसके पास हैं। मैंने संसद में स्पष्ट रूप से वादा किया था कि हम जाति जनगणना कराएंगे।

शिमला में कई मांगों को लेकर धरने पर बैठे वोकेशनल शिक्षक

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में वोकेशनल शिक्षक धरने पर हैं। वो प्रदेश सरकार से सरकारी उपक्रमों के तहत नियुक्ति दिए जाने की मांग कर रहे हैं। वोकेशनल शिक्षकों ने आउटसोर्स कंपनियों पर वेतन में अनियमितता बरतने और विभाग के निर्देशों के बावजूद समय पर एरियर का भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया है। वहीं इस संदर्भ में शिक्षा मंत्री ने समय पर एरियर का भुगतान न करने वाली कंपनी के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही है। इसके साथ ही वोकेशनल टीचर्स को सरकारी उपक्रम के तहत भर्ती देने के मामले में शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार की वित्तीय बाध्यताएं हैं और देश के ज़्यादातर राज्यों में कंपनियों के माध्यम से वोकेशनल टीचर्स को नियुक्ति दी गई है। विभाग का वोकेशनल टीचर्स के प्रति पॉजिटिव अप्रोच है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि पिछले महीने सरकार ने वोकेशनल टीचर के वेतन में इजाफा करने का निर्णय लिया था। पहले चरण में नियुक्ति पाने वाले वोकेशनल टीचर्स के वेतन में 2,000 और दूसरे फेस में नियुक्ति पाने वालों को 1000 का इजाफा किया गया है। उन्होंने कहा कि वोकेशनल टीचर्स एरियर की बात गलत बता रहे हैं। 17 कंपनियों के माध्यम से इन अध्यापकों को नियुक्ति दी गई है, जिसमें से 16 कंपनियों ने अपनी तरफ से एरियर दे दिया था। केवल एक कंपनी की तरफ से एरियर देने में देरी हुई थी। वोकेशनल शिक्षकों की मुख्य मांग सरकारी उपक्रम के तहत उन्हें नियुक्ति दिए जाने की है। जिसे लेकर शिक्षा मंत्री ने कहा देशभर में एक आधे राज्य को छोड़कर सभी राज्यों में वोकेशनल टीचर कंपनियों के माध्यम से सेवाएं दे रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार का वोकेशनल शिक्षकों के प्रति पॉजिटिव अप्रोच है, मगर सरकार की अपनी वित्तीय बाध्यताएं हैं। इसके अलावा अन्य कई पहलू भी हैं।

मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर कांग्रेस की स्कीमों के नकल का लगाया आरोप

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड के हजारीबाग में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को चुनावी जनसभा को संबोधित किया। जितना बजट, उतनी ही गारंटी को लेकर उनकी नसीहत के सहारे कांग्रेस की घेराबंदी पर पलटवार करते हुए खरगे ने पीएम मोदी को बहस की चुनौती दे डाली। उन्होंने भाजपा पर कांग्रेस की स्कीमों के नकल का आरोप भी लगाया। हालांकि, इस दौरान मंच से कुछ ऐसा भी कह गए जिसको लेकर भाजपा ने एक बार फिर उनपर निशाना साधना शुरू कर दिया है।

दरअसल, भाषण के दौरान खरगे यह भूल गए कि झारखंड में विधानसभा की कितनी सीटें हैं। उन्होंने मंच पर मौजूद दूसरे नेताओं से इसकी जानकारी ली। अब भाजपा इसको लेकर चुटकी ले रही है। इसी बीच उन्होंने झारखंड के चुनाव को छोटा कहा, जिस पर भाजपा निशाना साध रही है। खरगे ने कहा, यहां पर कितनी सीटें हैं, (बताए जाने के बाद) 81 सीटें हैं। लेकिन केंद्र के मंत्री, आजू बाजी के मंत्री, असम से लेकर सब तरफ के मंत्री, मुख्यमंत्री यहां आ रहे हैं। अरे भई एक छोटे से चुनाव में इतने लोग आकर यहां पर एक मजमा बना रहे हैं। झारखंड में भाजपा के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरगे पर जोरदार पलटवार किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, आज कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष झारखंड आए थे, दिल्ली से झारखंड आ गए चुनाव लड़ने। लेकिन इन्हें ये नहीं पता कि झारखंड में कितनी विधानसभा सीट हैं। ये कांग्रेस और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की झारखंड के बारे में जानकारी है। जिन्हें ये नहीं पता कि सीट कितनी हैं, वह झारखंड का विकास क्या करेंगे? उन्होंने एएनआई से बातचीत में कहा, यह कांग्रेस का ओछापन है। झारखंड का कुछ सम्मान है कि नहीं उनकी नजरों में। कांग्रेस जैसी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंच से माइक पर पूछ रहे हैं कि कितनी सीटें हैं। झारखंड की वैल्यू समझते हैं? इनको सीटों का पता नहीं और चुनाव में भाषण करने आए। और बता रहे हैं- छोटा सा चुनाव। खरगे साहब यह महान राज्य है। यह झारखंड की धरती क्रांतिकारियों की धनी है। भाजपा के आईटी सेल के अध्यक्ष अमित मालवीय ने भी खरगे के भाषण का हिस्सा शेयर करते हुए लिखा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी झारखंड के चुनाव को छोटा बता रहे हैं। अगर झारखंड कांग्रेस के लिए अहमियत नहीं रखता तो चुनाव मत लड़िए, लेकिन इस तरह झारखंड के लोगों का अपमान मत करिए। प्रचार में आने से पहले प्रदेश में कुल कितनी सीट हैं ये भी नहीं पता। ऐसे में जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन से क्या उम्मीद की जा सकती है?

हरियाणा में मंत्रिमंडल का गठन असंवैधानिक, हाई कोर्ट में दी गई चुनौती, केंद्र और राज्य से जवाब तलब

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा में कुल विधायकों की संख्या के 15 फीसदी से ज्यादा मंत्री बनाए जाने के खिलाफ पंजाब एवं हरि?याणा हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस पर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार को जवाब तलब किया है। सुनवाई के दौरान हरियाणा के एडवोकेट जनरल ने पीठ को बताया कि इस विषय पर पहले भी एक याचिका दायर की गई थी और सरकार ने उसमें जवाब दायर कर रखा है। सरकार के इस जवाब पर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागु एवं जस्टिस अनिल खेत्रपाल की खंडपीठ ने इस याचिका को पहले से विचाराधीन याचिका के साथ 19 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने सभी पक्षों को अगली सुनवाई पर अपना पक्ष रखने का भी आदेश दिया।

कैबिनेट में अधिकतम मंत्री 13.5 हो सकते हैं, इस समय 14 मंत्री: एडवोकेट जगमोहन सिंह भट्टी ने याचिका दायर कर बताया कि संविधान के 91वें संशोधन के तहत राज्य में कैबिनेट मंत्रियों की संख्या विधानसभा के कुल विधायकों की संख्या का 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती है। हरियाणा विधानसभा में कुल विधायकों की संख्या 90 है। ऐसे में संविधान संशोधन के अनुसार कैबिनेट में अधिकतम मंत्री 13.5 हो सकते हैं लेकिन हरियाणा में इस समय 14 मंत्री हैं, यह संविधान के संशोधन का उल्लंघन है।

विधायकों को खुश करने के लिए मंत्रियों की संख्या बढ़ाई

याचिका में भट्टी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, अनिल विज, कृष्णलाल पंवार, राव नरबीर, महिपाल ढांडा, विपुल गोयल, डॉ. अरविंद शर्मा, श्याम सिंह राणा, रणबीर गंगवा, कृष्ण कुमार बेदी, श्रुति चौधरी, आरती राव, राजेश नागर और गौरव गौतम के अलावा केंद्र सरकार और हरियाणा विधानसभा को भी प्रतिवादी बनाया है। उनका आरोप है कि हरियाणा सरकार ने जो मंत्री पद और कैबिनेट रैंक बांटी है, उसका सीधा असर जनता पर पड़ रहा है। विधायकों को खुश करने के लिए मंत्रियों की संख्या बढ़ाई जा रही है और उनको भुगतान जनता की कमाई से किया जाता है। याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट से अपील करते हुए कहा कि तय संख्या से अधिक मंत्रियों को हटाया जाए। इसके साथ ही याचिका लंबित रहते उनको मिलने वाले लाभ पर रोक लगाई जाए। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने केंद्र और हरियाणा सरकार को नोटिस जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई 19 दिसंबर को तय की है।

एक ही बिल्डिंग में ढेर सारा ड्रामा ! पत्नी के बावजूद 4 प्रेमिकाएं बनाए बैठा था शख्स

बीजिंग, एजेंसी। कहते हैं पति-पत्नी का रिश्ता एक नाजुक फूल की पंखुड़ी जैसा होता है। थोड़ी-सी बेवफाई भी इस रिश्ते को बर्बाद कर सकती है। लेकिन दुनिया में कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो रिश्तों की अहमियत को समझते ही नहीं हैं। हाल ही में, चीन से आई एक चौंकाने वाली खबर इस बात को साबित करती है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, एक शख्स ने पांच लड़कियों को चार साल तक धोखे में रखा और वो भी एक ही कॉम्प्लेक्स में रहते हुए! चार साल तक इन लड़कियों को कानों-कान भनक नहीं लगी कि इनका प्यार एक ही शख्स है। चीन के जिलिन प्रांत में रहने वाले इस व्यक्ति के माता-पिता कंस्ट्रक्शन और बाथ हाउस में काम करते थे। गरीबी के कारण यह शख्स अपनी पढ़ाई छोड़ चुका था, लेकिन आर्थिक तंगी के बावजूद हमेशा अमीर बनने का दिखावा करता रहा। एक लड़की से प्रेम संबंध बनाकर उसने महंगे गिफ्ट्स से उसे अपने जाल में फंसाया और गर्भावस्था के बाद दोनों ने शादी की। जब लड़की को उसके झूठ का पता चला तो उसने उसे घर से निकाल दिया। एक हफ्ते के भीतर ही उसने एक और लड़की को इसी तरह

फंसाया और उससे 16.5 लाख रुपये उधार ले लिए। धोखेबाजी की हद यह थी कि उसने अपनी प्रेग्नेंट गर्लफ्रेंड को उसी इमारत में एक किराए के फ्लैट में रखा जहां उसकी पत्नी रहती थी। यह धोखेबाज शख्स लड़कियों को अपने जाल में फंसाकर उनसे पैसे ऐंठता था। उसने एक ही कॉम्प्लेक्स में रहने वाली दो यूनिवर्सिटी की छात्राओं और एक नर्स को भी ठगा। इनसे उसने कुल मिलाकर लगभग 4 लाख रुपये ऐंठ लिए। एक पीड़ित ने जब पैसे वापस मांगे तो उसे नकली नोट दे गया। आखिरकार, जब एक पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई तो इस पूरे फ्रॉड का पर्दाफाश हुआ। कहानी में दिलचस्प मोड़ तब आया जब आरोपी की पत्नी और उसकी एक गर्लफ्रेंड बच्चे को घुमाते हुए मिलीं और उन्हें पता चला कि दोनों का पति एक ही है। अदालत ने सभी पीड़ितों को उनके पैसे वापस दिलाए और आरोपी पर 14 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

इजरायली ठिकानों पर किए 6 ड्रोन अटैक, इराकी मिलिशिया का दावा

बगदाद, एजेंसी। इराक में शिया मिलिशिया ग्रुप इस्लामिक रेजिस्टेंस ने मंगलवार को इजरायली ठिकानों पर छह ड्रोन हमलों की जिम्मेदारी ली। बयानों के अनुसार, ग्रुप के लड़ाकों ने उत्तरी इजरायली शहर हाइफा में महत्वपूर्ण स्थलों पर तीन ड्रोन हमले किए, इसके अलावा तीन अन्य स्थानों को भी निशाना बनाया गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बयानों में लक्षित स्थलों के बारे में और अधिक जानकारी नहीं दी गई और न ही किसी हताहत की सूचना दी गई। ग्रुप ने कहा कि हमले फिलिस्तीन और लेबनान में हमारे लोगों के साथ एकजुटता में किए गए। इसने दुश्मन के गढ़ों को बढ़ती गति से निशाना बनाना जारी रखने का संकल्प लिया। 7 अक्टूबर, 2023 को गाजा पट्टी में इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के शुरू होने के बाद से, इराक में इस्लामिक रेजिस्टेंस ने गाजा में फिलिस्तीनियों के प्रति समर्थन दिखाने के लिए इस क्षेत्र में इजरायल और अमेरिकी ठिकानों पर बार-बार हमला किया है। 23 सितंबर को लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ इजरायल द्वारा हमले तेज करने के बाद मिलिशिया ने इजरायल पर अपने हमले तेज कर दिए। बता दें 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है और हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इसके साथ ही इजरायली सेना 23 सितंबर से लेबनान पर एयर स्ट्राइक कर रही है। उसने सीमा पार एक सीमित जमीनी अभियान भी चलाया है, जिसका उद्देश्य कथित तौर पर हिजबुल्लाह को कमजोर करना है। इजरायली हमलों में हिजबुल्लाह के चीफ हसन नसरल्लाह समेत कई कमांडरों की मौत हो गई और उसके कई ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि लेबनानी ग्रुप भी इजरायल पर मिसाइलें दाग कर पलटवार कर रहा है। 8 अक्टूबर, 2023 को हिजबुल्लाह ने गाजा में हमास के प्रति एकजुटता जाहिर करते हुए इजरायल पर रॉकेट दागने शुरू किए थे।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री गैलेंट को अचानक बर्खास्त कर काट्ज को सौंपी कमान

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार की रात एक चौंकाने वाली घोषणा की, जिसमें उन्होंने देश के प्रमुख रक्षा मंत्री योआव गैलेंट को बर्खास्त करने का निर्णय लिया। यह कदम गाजा में जारी युद्ध के संदर्भ में उठाया गया है, जहां नेतन्याहू और गैलेंट के बीच कई बार मतभेद सामने आए थे। नेतन्याहू ने कहा कि गैलींट पर उनके भरोसे में कमी आई है, और इस संदर्भ में उन्होंने रक्षा मंत्री का कार्यकाल समाप्त करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा, पिछले कुछ महीनों में मेरा भरोसा समाप्त हो गया है। इसके मद्देनजर, मैंने आज उनकी बर्खास्तगी का निर्णय लिया। नेतन्याहू के इस फैसले के बाद पूरे देश में बवाल मच गया और लोग विरोध में सड़कों पर उतर आए।

इस बदलाव के साथ, इजराइल के विदेश मंत्री इसराइल कैट्ज को नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया जाएगा। साथ ही, कैट्ज की जगह गिदोन सा'र को विदेश मंत्री

बनाया जाएगा। गैलेंट की बर्खास्तगी से पहले, नेतन्याहू ने पिछले साल मार्च में उन्हें हटाने का प्रयास किया था, जिसके खिलाफ देशभर में प्रदर्शन किए गए थे। मंगलवार रात की घोषणा में, नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल के प्रधानमंत्री के रूप में मेरा सर्वोच्च कर्तव्य देश की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। युद्ध के दौरान, प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के बीच पूर्ण विश्वास होना आवश्यक है। गैलेंट ने अपने बर्खास्त होने के तुरंत बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इजरायल की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमेशा उनके जीवन का मिशन रहेगा। नेतन्याहू ने आगे कहा, हाल के महीनों में, मेरे और रक्षा मंत्री के बीच विश्वास में कमी आई है। हमारे बीच संरक्षण के अभियान के प्रबंधन को लेकर गंभीर मतभेद उभरे हैं।

जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बनीज से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

कैनबरा । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मुलाकात की और द्विपक्षीय समग्र रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। जयशंकर ने इस मुलाकात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से अल्बनीज को अभिवादन प्रेषित किया। विदेश मंत्री तीन से सात नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आज कैनबरा में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मिलकर खुशी हुई।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से अभिवादन प्रेषित किया।

भारत-ऑस्ट्रेलिया समग्र रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के लिए उनके मार्गदर्शन की प्रशंसा करता हूं।'' इससे पहले जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया में लिबरल पार्टी के नेता पीटर डटन से भी मुलाकात की। जयशंकर ने डटन से मुलाकात के बाद कहा, ''वैश्विक मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण का आदान-प्रदान

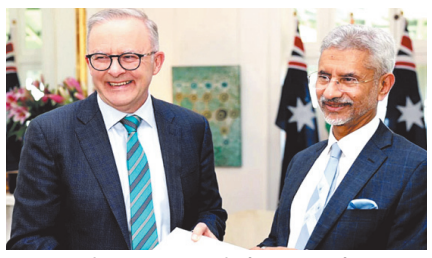

किया। हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए उनके समर्थन की सराहना करता हूं।'' वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।'' विदेश मंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नहयान से भी मुलाकात की। जयशंकर ने 'एक्स' पर लिखा, ''कैनबरा में आज मेरे मित्र यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नहयान से मुलाकात अच्छी रही।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129